*****

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in

मंगलवार, 23 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 13, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 276

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	23.5	10.4
जमशेदपुर	26.2	10.6
डालटनगंज	24.4	6.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

पेज 12

महानगर से लेकर प्रदेश तक एक दर्जन नेता दो से अधिक पदों पर विराजमान

एक व्यक्ति, एक पद का हो रहा खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन

कौशल आनंद। रांची

कांग्रेस में पार्टी के इंटरनल संविधान का पालन नहीं हो रहा है. एक व्यक्ति,एक पद का खुल्ल-खुल्ला उल्लंघन कांग्रेस में हो रहा है. एक दर्जन से अधिक पदाधिकारी ऐसे हैं जो संगठन के अलावा बोर्ड-निगम, आयोग एवं पार्टी संगठन में भी कई पदों पर अब तक कायम हैं. मगर इस पर किसी कभी नजर नहीं है. न तो पूर्व प्रभारी न वर्तमान प्रभारी ने इस मामले को संज्ञान में लिया. कई ऐसे पदाधिकारी हैं जो एक, दो नहीं तीन-तीन पद पर विराजमान हैं. कई ऐसे पदाधिकारी हैं जो झारखंड सरकार के बोर्ड-निगम,आयोग और संवैधानिक पदों पर आ जाने के बावजूद वे अपने संगठन में वर्तमान पद पर कायम हैं. अभी तक न स्वेच्छा से इन्होंने पद त्यागा है या फिर संगठन नेतृत्व ने इन्हें हटाया है.

जो सक्षम व ग्रास रूट कांग्रेसी किसी पद पर नहीं, उनमें बढ़ता जा रहा असंतोष

अगर ये अपने-अपने पद से हटाए जाते तो नए लोगों को मिल सकती थी जगह

अगर पार्टी पद के अलावे सरकारी और संवैधानिक पदों पर बिठाए गए पदाधिकारियों को हटाया जाता, तो उसमें ऐसे लोगों को जगह मिलती, जो प्रदेश, जिला, महानगर या मंच-प्रकोष्ठ में किसी पद पर नहीं हैं. मगर प्रदेश कांग्रेस संगठन में जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कहावत चरिचार्थ हो रही है. ऐसे में कई ग्रास रूट कांग्रेसियों में संगठन के प्रति मोह आहिस्ता-आहिस्ता भंग होता जा रहा है, जो संगठन और आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से पार्टी की सेहत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं. इसको लेकर संगठन में अंदर-अंदर ही असंतोष बढ़ता जा रहा है.

ये विरामजान हैं अहम दो या दो अधिक पदों पर

- **राजेश ठाकुर :** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं झारखंड राज्य समन्वय समिति सदस्य (राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त).
- **आलमगीर आलम :** मंत्री झारखंड सरकार, नेता विधायक दल (मंत्री बनने के बाद डॉ. रामेश्वर उरांव को पीसीसी अध्यक्ष से हटा दिया गया था.)
- **बजेंद्र प्रसाद सिंह :** उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस, उपाध्यक्ष बीस सूत्री जिला धनबाद, अध्यक्ष प्रदेश अनुशासन समिति.
- **राकेश सिन्हा :** प्रदेश महासचिव और प्रदेश प्रवक्ता, सदस्य हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड, सचिव पहाड़ी मंदिर कमेटी (धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा संचालित).
- **कुमार गौरव :** महासचिव प्रदेश कांग्रेस, अध्यक्ष झारखंड प्रदेश युवा आयोग.
- **कुमार राजा :** अध्यक्ष रांची महानगर कांग्रेस कमेटी, उपाध्यक्ष पहाड़ी मंदिर समिति (धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा संचालित).
- **मो तौसीफ :** प्रवक्ता प्रदेश कांग्रेस, सदस्य अल्पसंख्यक आयोग.
- **जयशंकर पाठक :** अध्यक्ष प्रदेश पंचायती राज समिति संगठन, अध्यक्ष झारखंड राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड.
- **रवींद्र सिंह :** प्रभारी सभी संगठन मोर्चा, अध्यक्ष मार्केटिंग बोर्ड.
- **राजीव रंजन प्रसाद :** प्रवक्ता प्रदेश कांग्रेस, मेंबर एआईसीसी, अध्यक्ष झारखंड राज्य गो सेवा आयोग.
- **संजय लाल पासवान :** सदस्य प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमेटी, सदस्य प्रदेश कार्यकारणी, अध्यक्ष झारखंड राज्य आवास बोर्ड.
- **अभिलाष साहू :** अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस ओबीसी मोर्चा,मेंबर एआईसीसी, सदस्य झारखंड राज्य आवास बोर्ड.
- **शमशेर आलम :** सदस्य झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति, सदस्य एआईसीसी, उपाध्यक्ष झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग.
- **अनवर अंसारी :** उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस, उपाध्यक्ष झारखंड अल्पसंख्यक आयोग, सदस्य एआईसीसी
- **अमूल्य नीरज खलखो :** महासचिव प्रदेश कांग्रेस, कार्यालय प्रभारी प्रदेश कांग्रेस, मेंबर एआईसीसी.

एचईसी के मजदूर यूनियनों ने उपवास कर मनाया संविधान दिवस

संवाददाता । रांची

सोमवार को एचईसी बचाव मजदूर जन संघर्ष समिति का आंदोलन जारी रखते हुए मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया. इस बीच समिति ने मजदूर कैंटीन बंद कर उपवास किया और संविधान दिवस मनाया. राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में खुशी है, वहीं आधुनिक भारत का मंदिर एचईसी जो मातृ उद्योग भी है, जिसके मजदूर 18 माह से वेतन भुगतान लंबित होने के कारण और बंदी के कगार पर है. इसके मजदूर तंगी से गुजर रहे हैं और मजदूरों में मायूसी छाई हुई हैं. मजदूरों ने जमकर सरकार विरोधी नारे लगाते रहे और चेतवानी भी दी कि जबतक एचईसी को चलाने के लिए प्रबंधन द्वारा रोड मैप जारी नहीं होता, तबतक आंदोलन जारी रहेगा इसलिए समिति ने सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि मंगलवार 23 जनवरी से मजदूर कैंटीन चालू कर दिया जाएगा व आंदोलन को तेज कर दिया जाएगा. इस बीच समिति के तरफ से प्रकाश कुमार, रामलाल,शेखर चौधरी, लालदेव सिंह, एमपी रामचंद्रन, आरके साही, रामकुमार नायक, चिराग बारला, हरेंद्र प्रसाद यादव आदि मजदूर शामिल रहे.

CLASSIFIED

कोयले का धंधा : टाटीझरिया में किया जा रहा डंप

बोकारो-रामगढ़ में संरक्षित तरीके से हो रहा अवैध कारोबार

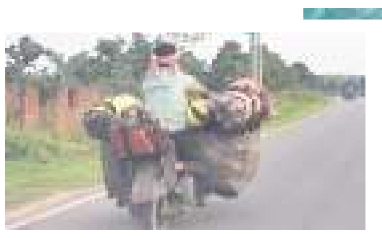

प्रवीण/सौरभ। रांची

बोकारो और रामगढ़ जिले में संरक्षित तरीके से अवैध कोयला का कारोबार हो रहा है. बोकारो के पचमो व हुरदाग और रामगढ़ के बसकपुर से अवैध कोयला को लाकर हजारीबाग के टाटीझरिया थाना क्षेत्र स्थित बेरेम में डंप किया जाता है. इसके बाद यहां से कोयला डेहरी और बनारस की मंडियों में ज्यादा कीमत पर बेचा जाता है. दूसरी तरफ बोकारो जिले के महुआटांड़, जागेश्वर बिहार और पेक नारायणपुर थाना क्षेत्र से अवैध कोयला हजारीबाग के विष्णुगढ़ और रामगढ़ के बॉर्डर में डंप किया जाता है. कोयला साइकिल, बाइक और ट्रैक्टर के माध्यम से डंप तक लाया जाता है. इसके बाद रात के अंधेरे में इसको ट्रकों पर लोड कर भेज दिया जाता है. यहां से हर दिन करीब बीस ट्रक कोयले का अवैध कारोबार होता है. हालांकि पिछले दो दिनों से यह कारोबार थम सा गया है. लेकिन इसे फिर से शुरू करने को लेकर स्थानीय स्तर पर समीकरण बैठाया जा रहा है.

कुजू ओपी स्थित स्पंज फैक्ट्री में गिराया जा रहा है अवैध कोयला

बोकारो के महुआटांड़ थाना क्षेत्र से बड़े ट्रेलर में अवैध कोयला रामगढ़ के कुजू ओपी क्षेत्र स्थित स्पंज फैक्ट्री में गिराया जा रहा है. एक ट्रेलर में करीब 50 से 60 टन कोयला लदा होता है. पुलिस-प्रशासन के मूकदर्शक बने होने के कारण कोयले का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है. बीते 17 जनवरी को रामगढ़ के कुजू ओपी क्षेत्र में अवैध रूप से कोयला लदे दो 18 चक्का ट्रेलर (एनएल 01के1534 और जेएच 02एएल8770) पकड़ा गया था. जिसे जब्त कर कुज्जू ओपी परिसर में रखा गया है.

अवैध कोयला का कारोबार रोकने के जिम्मेदारी इनकी

पुलिस : संबंधित इलाके के थाना प्रभारी, संबंधित जिले के एसपी और संबंधित क्षेत्र के डीएसपी

प्रशासन : संबंधित जिला के उपायुक्त, संबंधित अनुमंडल के एसडीओ, संबंधित जिला के माइनिंग अफसर और संबंधित इलाके के डीएफओ

सीबीआई शुरू कर सकती है आय से अधिक संपत्ति की जांच

पूर्व सीएम शिबू सोरेन की याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय से खारिज

संवाददाता। रांची/दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन से जुड़े लोकपाल मामले में अपना फैसला सुना दिया है. इस मामले से जुड़े सभी पक्षों की पूरी बहस सुनने के बाद अदालत ने 22 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए शिबू सोरेन की याचिका खारिज कर दी है. याचिका खारिज होने के साथ ही डीए (आय से अधिक संपति) मामले में शिबू सोरेन के खिलाफ लोकपाल के सामने कार्यवाही पर लगी रोक भी हट गई है. दिल्ली हाईकोर्ट के इस फैसले से शिबू सोरेन को बड़ा झटका लगा है. हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद अब सीबीआई आय से अधिक सम्पति मामले में जांच शुरू कर सकती है.

बता दें कि राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन ने अधिकार क्षेत्र के आधार पर सीबीआई को प्रारंभिक जांच की कार्यवाही और आदेश को चुनौती दी है. दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की अदालत में शिबू सोरेन की याचिका पर सुनवाई की. शिबू सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने पक्ष रखा. वहीं लोकपाल की ओर से एसजीआई (सॉलिसिटर जेनरल ऑफ इंडिया) तुषार मेहता पक्ष रखा.

'राष्ट्रगान के समय कैमरामैन खड़े होकर सम्मान करें'

रांची । 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह कवरेज के लिए सूचना जनसंपर्क विभाग झारखंड ने मीडिया कर्मियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है. विभाग के निदेशक राजीव लोचन बख्शी ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस समरोह 2024 का राजकीय समारोह मोरहाबादी मेदान में प्रस्तावित है. कवरेज के लिए मीडिया कर्मियों से सहयोग की अपेक्षा की जाती है. राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना सबका कर्तव्य है. समारोह का कवरेज करने वाले मीडिया कर्मियों विशेष कर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कैमरामैन- छायाकार से यह अपेक्षा की जाती है कि राष्ट्रगान के समय एक ही स्थान पर सीधा खड़ा होकर सम्मान किया जाय.

स्वास्थ्य विभाग गंभीर : बेहतर चिकित्सा सुविधा की पहल

सालों से जमे डॉक्टरों का होगा तबादला

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में स्वास्थ्य विभाग और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था बहाल करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है. जिन अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, कर्मचारियों का अभाव है, वैसे अस्पतालों में स्थाई-अस्थाई डॉक्टरों को नियुक्त किया जाएगा. वहीं एक ही जिले में वर्षों से जमे डॉक्टरों को बाहर भेजा जाएगा. प्रदेश में 150 से ज्यादा डॉक्टर ऐसे हैं, जो एक जिले में 10 वर्ष से भी ज्यादा समय से पदस्थापित हैं. ऐसे डॉक्टरों की सूची स्वास्थ्य विभाग तैयार कर रहा है. 175 डॉक्टरों की सूची पहले भी बनी थी, मगर डॉक्टरों का तबादला नहीं हुआ. अब वर्षों से जमे डॉक्टरों का तबादला होगा. स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार ने अफसरों से बातचीत की है.

स्वास्थ्य विभाग ने जिलों के सिविल सर्जनों की सूची भी तैयार कर रहा है, जिनके ट्रांसफर के लिए अनुशंसा भेजी जाएगी. स्वास्थ्य विभाग में 35 चिकित्सा पदाधिकारी और पांच विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल है, जो एक ही जिले में वर्षों से पदस्थापित है. पिछली बार स्वास्थ्य विभाग ने एक ही जिले में पदस्थापित डॉक्टरों की सूची तैयार की थी, उस सूची में दो दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों के नाम छूट गए थे. इसमें रांची के कई चिकित्सक भी हैं. इसमें कई झासा और आईएमए के पदाधिकारी हैं.

सरकार ने बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था बहाल करने के लिए, वर्षों से जमे डॉक्टरों के तबादला से पूर्व, सभी सिविल सर्जनों से ऐसे डॉक्टरों से स्थानांतरण का विकल्प लेकर उपलब्ध कराने को कहा है. सिविल सर्जनों को यह भी निर्देश दिया गया है कि डॉक्टरों से उस जिला का विकल्प नहीं लिया जाए, जहां वर्तमान में वे सेवा प्रदान कर रहे हैं. अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की सूची सिविल सर्जनों को उपलब्ध कराई गई है, जहां डॉक्टर के पद खाली हैं.

अयोध्या में विराजे श्रीराम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

दिव्य दर्शन

स्वर्णिम मुकुट, हार और धनुष, प्राण प्रतिष्ठा के समय मन मोहने वाला श्रृंगार

अयोध्या में आखिर रामलला विराजमान हो गए. पूरे विधि-विधान के साथ भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई. श्रृंगार युक्त मूर्ति में भगवान का पूरा स्वरूप अत्यंत मनमोहक है. रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं. आभूषण और वस्त्रों से सुसज्जित रामलला के चेहरे पर भक्तों का मन मोह लेने वाली मुस्कान दिखाई दे रही है. कानों में कुंडल तो पैरों में कड़े पहने हुए हैं. मूर्ति के नीचे आभामंडल में चारों भाइयों राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की छोटी-छोटी मूर्तियों स्थापित की गई हैं. मूर्ति की विशेषताएं देखें तो इसमें कई तरह की खूबियां हैं. मूर्ति का वजन करीब 200 किलोग्राम है. इसकी कुल ऊंचाई 4.24 फीट, जबकि चौड़ाई तीन फीट है.

ऐसे दिख रहे रामलला

- रामलला पीतांबर से सुशोभित हैं और हाथों में धनुष- बाण धारण किए हुए हैं.
- रामलला ने सोने का कवच कुंडल, करधन माला धारण की हुई है.
- रत्न जड़ित मुकुट का वजन करीब पांच किलो बताया जा रहा है.
- रामलला के मुकुट में नौ रत्न सुशोभित हैं और गले में सुंदर रत्नों की माला है.
- भगवान रामलला की कमरबंद भी सोने से बना है.
- रामलला के आभूषणों में रत्न, मोती, हीरे शामिल हैं.
- रामलला के चरणों में वज्र, ध्वजा और अंकुश के चिन्ह शोभित हैं.
- कमर में करधनी और पेट पर त्रिवली हैं.
- रामलला की विशाल भुजाएं आभूषणों से सुशोभित हैं.
- रामलला की छाती पर बाघ के नख की बहुत ही निराली छटा है.
- छाती पर रत्नों से युक्त मणियों के हार की शोभा है.

मंदिर के गर्भगृह में की गयी रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा

भए प्रगट कृपाला...

अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई, जिसके साक्षी देश-विदेश में लाखों रामभक्त बने. इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए सियावर रामचंद्र की जय और जय श्री राम का उद्घोष किया. सेना के हेलीकॉप्टरों ने रामजन्मभूमि मंदिर पर पुष्प वर्षा की. पीएम मोदी ने प्राण-प्रतिष्ठा में यजमान बने. अपने संबोधन में कहा, हमारे राम आ गए हैं. प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही मंदिर का उद्घाटन हो गया है और अब यह सबके लिए खुल जाएगा. उधर, रामजी की अगवानी शाम को 11 लाख दीपों से पूरा नगर जगमग हो गया. पूरे देश में घर-घर में लोगों ने दीप जला कर दीवाली का उत्सव मनाया.

- पीएम मोदी बोले- सियावर रामचंद्र की जय, यह क्षण अलौकिक

11 लाख दीपों से जगमग हुई रामनगरी, घर-घर जले दीप, पूरे देश में मनी दीवाली, जम कर पटाखे भी छूटे

अलौकिक क्षण है यह

पीएम ने एक्स पर पोस्ट में कहा, अयोध्या धाम में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का अलौकिक क्षण हर किसी को भाव-विभोर करने वाला है. इस दिव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरा परम सौभाग्य है, जय सियाराम ! उन्होंने 84 सेकेंड के अभिजीत मुहूर्त के दौरान हुई प्राण प्रतिष्ठा के साथ मंदिर में अनुष्ठान किए. मोदी ने भगवान के बाल स्वरूप वाली मूर्ति को साष्टांग प्रणाम किया. पीएम अपने हाथ में लाल रंग के कपड़े में लिपटा हुआ चांदी का एक छत्र भी लेकर आए थे. पीएम मोदी ने यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ और आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा से संबंधित अनुष्ठान किए.मध्याह्न में 12-29 बजे रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गयी.

मेहमानों में कई सितारे

8 हजार मेहमान रहे मौजूद

गर्भगृह से मोदी करीब 8,000 लोगों को संबोधित करने के लिए एक अन्य स्थान की ओर गए. इन लोगों में संत, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोग और मनोरंजन, खेल तथा उद्योग जगत की हस्तियां शामिल रहीं. वह कुबेर टीला भी गए और राम मंदिर के निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों से भी बातचीत की. पीएम ने मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि द्वारा दिए चरणामृत को पीकर समारोह से पहले शुरू किए गए 11 दिन के उपवास को तोड़ा. आमंत्रित अतिथियों में माधुरी दीक्षित, अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया, अनुपम खेर, कैलाश खेर, जुबिन नौटियाल, प्रसून जोशी, सचिन तेंदुलकर, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रविशंकर प्रसाद और अनिल अंबानी शामिल रहे. हेमा मालिनी, कंगना रनौत, श्री श्री रविशंकर, मोरारी बापू, रजनीकांत, मधुर भंडारकर, सुभाष घई और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंचे गए थे.

आम लोगों के लिए ये रहेगा पूजा का शिड्यूल

अयोध्या में राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूर्ण हो गया है. इसी के साथ 23 जनवरी से राम मंदिर में रामलला की पूजा का विधान तय हो गया है. नियम के तहत सुबह 3 बजे से पूजन और श्रृंगार की तैयारी होगी. 4 बजे रामलला को जगाया जाएगा. पहले 5 बार आरती होती थी, आगे भी वैसे ही होगी. रामलला को हर घंटे फल-दूध का भोग लगेगा. हर रोज सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक मंदिर खुलेगा. मंदिर में दर्शन की अवधि 14 से 15 घंटे हो सकती है. 1949 में प्रकट हुए रामलला के वस्त्रों का रंग दिन के अनुसार रहा है. ये परंपरा नए मंदिर में जारी रहेगी. रामलला सोमवार को सामान्य दिनों में सफेद वस्त्र धारण करते हैं, लेकिन विशेष अवसर पर पीले वस्त्र धारण करेंगे. मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को हल्का पीला या क्रीम कलर, शनिवार को नीला और रविवार को गुलाबी रंग के वस्त्र पहनेंगे.

सीआरपीएफ के आईजी, कमांडेंट सहित अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज

बिना अनुमति सीएम आवास पहुंचे थे जवान

कौशल आनंद/ सौरभ सिंह। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से 20 जनवरी को ईडी की पूछताछ के दौरान सीएम आवास तक सीआरपीएफ के जवानों के पहुंचने और अंदर घुसने का प्रयास करने का मामला तूल पकड़ रहा है. मामले को लेकर रांची जिला प्रशासन द्वारा सीआरपीएफ के आईजी, कमांडेंट समेत अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ गोंदा थाने में मामला दर्ज कराया गया है.

इस बीच, ईडी ने सोमवार देर शाम सीएम हेमंत सोरेन को नया समन जारी करते हुए पूछताछ के लिए 27 से 31 जनवरी के बीच उपस्थित होने को कहा है. इससे पहले सीएमओ ने इस संबंध में गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय से जानकारी मांगी कि कैसे सीआरपीएफ प्रतिबंधित इलाके में पहुंच गयी ? इनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गयी है ?

बिना अनुमति पहुंचे थे सीआरपीएफ जवान : ईडी के अधिकारी शनिवार 20 जनवरी को जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके कांके रोड स्थित सरकारी आवास में पूछताछ कर रहे थे, तो कई बसों में भरकर सीआरपीएफ के जवान वहां पहुंच गये थे. सीआरपीएफ के जवान मुख्यमंत्री आवास के अंदर जाना चाहते थे, लेकिन जिला प्रशासन ने उन्हें

ईडी ने सीएम को फिर भेजा समन, कहा-27 से 31 जनवरी के बीच पूछताछ के लिए उपस्थित हों

वापस भेज दिया था. सीआरपीएफ जवानों के बिना अनुमति सीएम आवास पहुंचने पर झामुमो ने भी सवाल उठाये थे. झामुमो ने आरोप लगाया था कि केंद्र की भाजपा सरकार राज्य सरकार को डिस्टर्ब कर राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश कर रही थी, लेकिन उसके मंसूबे पर पानी फिर गया. झामुमो का आरोप था सीआरपीएफ जवान जानबूझ कर पार्टी कार्यकर्ताओं से उलझने का प्रयास कर रहे थे, ताकि राज्य सरकार के निगेटिव रिपोर्ट देकर राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की जा सके. लेकिन पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संयम का परिचय दिया, जिससे उनके मंसूबे पर पानी फिर गया.

झामुमो कार्यकर्ता व भीम आर्मी के खिलाफ भी केस : दूसरी ओर धारा 144 के उल्लंघन के मामले में झामुमो कार्यकर्ता और भीम आर्मी के खिलाफ भी गोंदा थाना में मामला दर्ज कराया गया है. ज्ञात हो कि सीएम आवास के पांच सौ मीटर के दायरे में धारा 144 लगा दी गयी थी. लेकिन ईडी टीम के पूछताछ के लिए सीएम आवास पहुंचने की सूचना पर काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता व भीम आर्मी के लोग सीएम आवास के आसपास जुट गये थे.हालांकि पुलिस ने उन्हें निषेधाज्ञा लागू होने की जानकारी देते हुए सीएम आवास से दूर हटा दिया था.

एयरपोर्ट पर खड़ा था प्लेन, सीएम को अरेस्ट कर दिल्ली ले जाने की थी तैयारी

- झामुमो ने केंद्र सरकार पर लगाया एक और बड़ा आरोप, राजभवन तैयार बैठा था राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा के लिए
- सीआरपीएफ जवान सीएम हाउस के दूसरे गेट से घुसने के फिराक में थे, अधिकारियों पर हो प्राथमिकी

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने केंद्र सरकार पर एक और बड़ा आरोप लगाया है. झामुमो ने यह आरोप लगा कर बड़ी राजनीतिक सनसनी फैला दी है. झामुमो केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने आरोप लगाते हुए दावा किया है कि 20 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान उन्हें गिरफ्तार करने का बहुत बड़ा षड्यंत्र रचा गया था. रांची एयरपोर्ट पर इसके लिए स्टैंड बाई में एक एयरक्राफ्ट तैयार रखा गया था. उन्हें गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाने की योजना थी. सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान झामुमो के कार्यकर्ताओं को उकसा कर हिंसा भड़काना चाहते थे. राज्यपाल राजभवन में राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा के लिए तैयार बैठे थे.

झामुमो के पास सीआरपीएफ की गलत कार्रवाई के सारे सबूत : महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने दावा किया कि सीआरपीएफ की गलत कार्रवाई के सारे सबूत उनलोगों के पास उपलब्ध हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि क्यों सीआरपीएफ के जवान और अधिकारी सीएम आवास के दूसरे गेट की तरफ से प्रवेश करना चाहते थे. मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के पिछले गेट पर सीआरपीएफ के जवान और अधिकारी क्यों गए. एक-एक स्थल की वीडियोग्राफी प्रमाण के तौर पर उपलब्ध है. क्या वजह है कि बगैर जिलाधिकारी के बुलाए सीआरपीएफ आ गई.

सीआरपीएफ जवानों ने उकसाने की कोशिश की : सुप्रियो ने कहा कि सीआरपीएफ के जवानों ने सीएम हाउस के पास झामुमो कार्यकर्ताओं को उकसाने की कोशिश की. मगर हमारे कार्यकर्ताओं ने धैय का परिचय दिया. उनके विरुद्ध प्राथमिकी की जानी चाहिए.

मुख्यमंत्री ने 2500 बेरोजगारों को बांटा नौकरी का ऑफर लेटर

हम जब तक चलते रहेंगे अर्थव्यवस्था चलती रहेगी

- उत्तराखंड टनल हादसे में फंसे दो वर्करों को दिया नियुक्ति पत्र

रवि भारती। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि काम कहीं भी हो काम, काम होता है. ईमानदारी से काम होना चाहिए. ईमानदारी कभी बेकार नहीं जाती. आगे यह बहुत बड़ी संपत्ति बन जाती है. मुख्यमंत्री सोमवार को खेल गांव के टाना भगत स्टेडियम में बेरोजगारों को ऑफर लेटर वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने विभिन्न टेक्सटाइल कंपनियों के लिए 2500 लोगों को नियुक्ति पत्र भी सौंपा. उन्होंने कहा कि भगवान ने दो पैर खड़े रहने के लिए नहीं, बल्कि चलने के लिए दिए हैं. हम जब तक चलते रहेंगे, तब तक अर्थव्यवस्था चलती रहेगी. अपने राज्य में ही अधिक से अधिक रोजगार का सृजन होना चाहिए.

निजी उद्योगों के साथ रोजगार सृजन का लिया है वादा : सीएम ने कहा कि सरकार ने निजी उद्योगों के साथ रोजगार सृजन का वादा लिया है. जिससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिले. वहीं सरकार ने जितनी भी योजनाएं बनाई हैं, यहां के मूलवासी-आदिवासी की भावना, क्षमता और योग्यता के अनुरूप बनाई गई हैं. उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का भी लाभ लें. ताकि इन योजनाओं के जरिए चार लोगों को काम भी दे सकते हैं. हर व्यवस्था में काम करें, तो आर्थिक आय का स्रोत भी मिल सकता है.

अबुआ आवास योजना के तहत देंगे घर : सीएम में कहा कि कल परसों से अबुआ आवास योजना के तहत घर भी देंगे. रोटी-कपड़ा और मकान हर किसी की जरूरत है. राज्य के हर बुजुर्ग, विधवा महिला और दिव्यांग को पेंशन दी जा रही है. सभी बेटियों को सावित्री बाई फूले योजना से जोड़ा गया है. आने वाले समय में यहां का बेटा-बेटी डॉक्टर, वकील, इंजीनियर और जज बने इसके लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई है. विदेश में भी 50 बच्चे पढ़ रहे हैं. पढ़ाई का पैसा सरकार को वापस भी नहीं करना है. हमारे समाज को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता.

सीएम ने सांकेतिक रूप से इन्हें दिया नियुक्ति पत्र : सीएम ने उत्तराखंड टनल हादसे में फंसे जो मजदूरों को भी नियुक्ति पत्र सौंपा. इसमें उदाधर नायक और विकन होरो शामिल हैं. इसके अलावा सीएम ने सांकेतिक रूप से दुबई से रेस्क्यू किए गए गुलजार अंसारी, संजू कुमारी सुमति आइंद, सितिया कुमारी और रिंकु कुमार मुंडा को नियुक्ति पत्र सौंपा.

ब्रीफ खबरें

सेल प्रबंधन ने ग्रामीणों के बीच बांटे कंबल

किरीबुरु। सारंडा में बढ़ती लगातार ठंड से वृद्ध ग्रामीणों को बचाने हेतु सेल की गुवा प्रबंधन ने सीएसआर योजना के तहत लेम्ब्रे, दुईया, घाटकुडी.एवं गंगदा गांवों के जरूरतमंद वृद्ध ग्रामीणों को कंबल प्रदान किया. यह कंबल वितरण कार्यक्रम गंगदा पंचायत के मुखिया राजू सांडिल एवं गुवा के उप महाप्रबंधक (सीएसआर) अनिल कुमार, तनवीर जाफर के नेतृत्व में आयोजित किया गया. उक्त चारों गांवों के 50-50 जरुरतमंदों को कुल 200 कंबल प्रदान किया गया. 23 जनवरी को रोवाम, अगरवां एवं पेचा गांव के ग्रामीणों के बीच कंबल वितरण किया गया.

पेयजल आपूर्ति नहीं होने से लोग परेशान

किरीबुरु। सेल की किरीबुरु एवं हिल्टॉप टाउनशिप क्षेत्रों में आज पेयजल आपूर्ति नहीं होने से लोगों की परेशानी बढी. 22 जनवरी की सुबह दर्जनों हिन्दू धर्मावलंबी के लोग अपने घरों की पानी टैंक से पानी निकाल साफ-सफाई कर दिये थे, ताकि सुबह सप्लाई होने वाली ताजी व साफ पानी से स्नान वगैरह कर भगवान श्री राम से जुड़ी पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे. लेकिन प्रतिदिन निर्धारित समय पर पानी नहीं आने से लोगों की परेशानी बढ़ गई. उदय भान से संपर्क करने पर उन्होंने बताया की सेल की कारो पंप हाउस में 21 जनवरी को खराबी आने की वजह से यह समस्या उत्पन्न हुई है.

रोज एट रोड कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चाईबासा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर रोज एट रोड कार्यक्रम का आयोजन रविवार किया गया. जिला सड़क सुरक्षा के पीआईयू टीम के द्वारा जो लोग यातायात नियम का उलंघन कर रहे थे, उनलोगों को गुलाब फूल देकर यातायात नियमों का पालन करने के लिए अनुरोध किया गया. जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देशानुसार तय कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा रहा है. उन्होंने सड़क सुरक्षा नियम का पालन अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गम्भीर रहने की अपील किया गया.

शनिदेव मंदिर में सुंदरकांड पाठ और शिवचर्चा आयोजित

जमशेदपुर। अयोध्या में श्री राम भगवान के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सभी उत्सव मन रहे है. इस अवसर पर सोमवार को जुगसलाई दुखु मार्केट के निकट रेलवे लाइन किनारे सत्यनारायण मंदिर रोड स्थित श्री शनिदेव मंदिर में सुंदरकांड पाठ और शिवचर्चा का आयोजन हुआ. दोपहर में प्रसाद वितरण के बाद सुनीता सोनकर की देखरेख में महिलाओं की टीम द्वारा शिव चर्चा की गयी. शाम में 251 दीया प्रज्ज्वलित कर महाआरती की गयी. शनिदेव मंदिर के पुजारी दामोदर शनि बाबा के नेतृत्व में सभी धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए.

खड़ी कार से नकद और लैपटॉप ले भागा बदमाश

जमशेदपुर। मानगो थाना अंतर्गत लक्ष्मी मेडिकल के पास सोनारी कुम्हार पाड़ा निवासी संतोष कुमार दत्ता ठगी के शिकार हो गए. ठगों ने उन्हें झांसे में लेकर उनकी कार से लैपटॉप और नकद की चोरी कर ली. इस संबंध में संतोष कुमार ने मानगो थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. घटना रविवार शाम 5.45 बजे की है. संतोष ने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक युवक ने उन्हे कहा कि कार के नीचे से मोबिल लीक हो रहा है. उन्होंने कार रोकी और बाहर निकलकर कार से नीचे लीकेज को देखने लगे. इतने में ही उक्त युवक ने कार में रखे लैपटॉप और नकद की चोरी कर ली.

पार्टी पदाधिकारी गांव टोले में जाकर निरीक्षण करें व सूची बनाएं: दीपक बिरुवा

सुकेश कुमार । चाईबासा

बोले विधायक

- सेरेंगसिया शहीद दिवस पर बाइक से रवाना होंगे
- बैठक में कई गांवों में खराब चापाकल का मामला उठा

हाटगम्हारिया में झामुमो प्रखंड समिति की बैठक प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप की अध्यक्षता में सोमवार को विधायक दीपक बिरुवा की उपस्थिति में हुई. बैठक में मुख्य रूप से आगामी 2 फरवरी को मनाई जाने वाली सेरेंगसिया शहीद दिवस समेत में सड़क, बिजली, पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं पर चर्चा हुई. बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ता शहीद दिवस में होने पर सहमति जताई गई. इस दौरान कहा गया कि सेरेंगसिया शहीद दिवस में 100 मोटरसाइकिल से कार्यकर्ता शहीद स्थल के लिए रवाना होंगे. इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ताओं ने अन्य कई बिंदुओं पर अपनी बात रखी. इस दौरान कहा गया कि क्षेत्र के कई गांव में चापाकल है. लेकिन अधिकतर चापाकल खराब पड़ी है. कई जगहों पर नए चापाकलों की आवश्यकता है. जिसके कारण ग्राम वासियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समस्या का निराकरण जल्द कराने का आश्वासन दिया. उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि खासकर पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए सभी गांव टोले में जाकर निरीक्षण करें और इसकी सूची तैयार करें. ताकि स्वच्छ पेयजल को लेकर नए चपाकलों का निर्माण करा कर पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त कराया जा सके. उन्होंने दो दिनों के अंदर नए चपाकलों की सूची जमा करने का निर्देश दिया. इसके अलावा स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे गांव टोला का भी चिन्हित करें. विधायक ने कहा कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य, खुशहाली और समृद्धि के लिए पानी सबसे ज़रूरी संसाधनों में से एक है और यह जीवनयापन के लिए एक सार्वभौमिक आवश्यकता है. सभी अवसरों और प्रयोजनों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी तक सभी की पहुंच न केवल एक मौलिक अधिकार है. बल्कि सभी के लिए सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए भी पानी बेहद अहम है. संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से मिलकर जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा. साथ ही जल्द ही हाटगम्हारिया प्रखंड झामुमो युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की एक संयुक्त कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया.

चक्रधरपुर में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से निकाली गई शोभायात्रा

शहर से लेकर हर गांव तक जय श्रीराम जयकारे की गूंज

शंभू कुमार । चक्रधरपुर

अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को चक्रधरपुर राममय हो गया. शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र भगवान राम के नारों से गूंज उठा. सोमवार शाम चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र के अलावे ग्रामीण क्षेत्र से भी आकर्षक शोभा यात्रा निकाली गई.जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरूषों के अलावे बच्चें भी शामिल हुये. चक्रधरपुर के पवन चौक पर भाजपा नगर कमेटी की ओर से आकर्षक राम भगवान की प्रतिमा रखकर पूजा अर्चना की गई. वहीं चक्रधरपुर के लोको कॉलोनी राम मंदिर, दंदासाई,गिरिराज सेना, चांदमारी हनुमान मंदिर, शीतला मंदिर समिति, कुंभा टोली, गुदड़ी बाजार समिति, कपड़ा पट्टी समिति, चक्रधरपुर की केन्दो पंचायत के देवगांव समेत अन्य जगहों से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई.शोभा यात्रा के दौरान लोग हाथों में भगवा झंडा लिये हुये प्रभु श्री राम, जय सिया राम राम का नारा लगाते हुये चल रहे थे. शोभा यात्रा में शामिल बच्चें प्रभु राम, माता सीता, भगवान लक्ष्मण व भगवान हनुमान का वेश धारण किये हुये थे.वहीं डीजे में प्रभु राम के भजन व गीतों पर महिला-पुरूष भगवा झंडा लहराते हुये चल रहे थे.सभी जगहों से निकाले गये शोभा यात्रा पवन चौक पहुंची.यहां से सोनुवा बस स्टैंड हनुमान मंदिर से पुनः शोभा यात्रा अपने-अपने स्थान पहुंची.

इस बीच लोगों के बीच प्रसाद का भीवितरण किया गया. वहीं जगह-जगह विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से पानी, शर्बत, लड्डू, जलेबी इत्यादि भी बांटे गये. सभी शोभा के साथ दंडाधिकारी के साथ पुलिस जवान भी मौजूद थे. इस अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों में रामचरित्र मानस का पाठ के साथ-साथ दिन भर पूजा पाठ किया गया. इस अवसर पर मंदिरों में देर शाम तक भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया. पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद बांटे गये. अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चक्रधरपुर में पूरे शहर को भगवा पताकों से सजाया गया था. इस अवसर पर शहर के गली-मोहल्लों में जगह-जगह भगवान झंडे लगाये गये.

एसपी व डीसी ने शहर में घूमकर लिया जायजा

शहर से निकाले गये शोभा यात्रा व विधि व्यवस्था को लेकर पश्चिमी सिंहभूम जिला के उपायुक्त अन्नय मित्तल,एसपी आशुतोष शेखर ने चक्रधरपुर के विभिन्न मोहल्लों व चौक-चारोहों में घूमकर विधि व्यवस्था का जायजा लिया. इस मौक पर पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा, एसडीपीओ दिलीप खलखो, थाना प्रभारी चन्द्रशेखर कुमार, अंचलाधिकारी गिरजानंद किस्कू, कार्यपालक दंडाधिकारी केके मुंडू के अलावे अन्य अधिकारी व पुलिस के जवान मौजूद थे.

गुवा में भव्य कलश यात्रा का आयोजन

किरीबुरू। श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठान पर गुवा में गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश सह शोभा यात्रा निकाली गई. कलश यात्रा गुवा के योग नगर स्थित कारो नदी तट से निकाली गई.इसमें 108 कुंवारी कन्याओं ने सिर पर कलश लिये डीएवी स्कूल के रास्ते कच्छी धौड़ा, विवेक नगर, रेलवे मार्केट होते हुए गुवा स्थित राम मंदिर प्रांगण में कलश स्थापित किया.

मेघाहातुबुरु में हनुमान मंदिर में पूजा व भोग का आयोजन

किरीबुरू: अयोध्या में भगवान श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठान के अवसर पर मेघाहातुबुरु के ठेकेदार क्लोनी स्थित महावीर मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद रूपी खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया. मंदिर के पुजारी ने विधिवत पूजा-अर्चना की. इस पूजन कार्य में सैकड़ों महिलाएं व पुरुष शामिल हुये. तत्पश्चात सामूहिक भोग का आयोजन किया गया जिसमें आम से लेकर खास लोग शामिल हुये. इस दौरान भगवान श्री राम व बजरंग बली के नारे लगते रहे. इस अवसर पर किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिन्दू समुदाय के लोगों को मिलकर अथवा व्हाट्सऐप मैसेज द्वारा बधाई देकर आपसी एकता व भाईचारे का मिसाल पेश किये.

जुगसलाई में बजरंग अखाड़ा ने निकाली भव्य शोभायात्रा

संवाददाता। जमशेदपुर

जुटे भक्त

- हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस शोभायात्रा में शामिल हुए
- जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया

अयोध्या में श्री रामलला के मंदिर के भव्य उद्घाटन के अवसर पर सोमवार को जुगसलाई डिस्पेंसरी रोड स्थित श्री सोमनाथ बाल हनुमान मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई. श्री राम बजरंग अखाड़ा द्वारा निकाली गई इस शोभायात्रा में बाजे गाजे के साथ राम भक्त झूमते गाते शामिल हुए. शोभा यात्रा ने पूरे जुगसलाई क्षेत्र का भ्रमण किया. हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस शोभायात्रा में शामिल हुए. जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया. पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की. इस शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण का केंद्र रामलला की प्रतिमा थी. जमशेदपुर व पश्चिम बंगाल से आकर्षक झांकियों ने सबका मन मोह लिया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से लाइसेंसी प्रवीण सेठी, अध्यक्ष शंभू नाथ बोस, कार्यकारी अध्यक्ष विवेक सिंह, निकेश शर्मा, रंजीत प्रसाद, रंजन प्रसाद, मिकी सोनकर, विकास दुबे, गोरे लाल, नवीन शर्मा समेत मंदिर कमेटी और अखाड़ा कमेटी के हजारों की संख्या में लोग शामिल थे.

नृत्य नाटिका देखकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

चांडिल। अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर चांडिल में श्री श्री 108 खिलाई चंडी बजरंग दल अखाडा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. चांडिल स्थित पुराना विवेकानंद केंद्र में रामायण पर आधारित नृत्य नाटिका देखने के लिए बड़ी संख्या में महिला पुरुष पहुंचे. कोलकाता के कलाकारों ने रामायण पर आधारित नृत्य नाटक का प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया. कलाकारों की प्रस्तुति देख उपस्थित दर्शकों ने जमकर तालियां बजाई. वहीं इसके अखाड़ा की ओर से आयोजित महा आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए.

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर दीपों की रोशनी से जगमगाया

संवाददाता। किरीबुरु

अयोध्या में भगवान श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठान कार्यक्रम से उत्साहित किरीबुरु-मेघाहातुबुरु क्षेत्र के राम भक्तों ने लोकेश्वरनाथ धाम मंदिर में पहुंचकर सामूहिक रुप से मंदिर परिसर व तालाब घाट पर हजारों दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया. दीपोत्सव कार्यक्रम में भारी तादाद में महिलाएं व बच्चे थे. सभी अपने-अपने घरों से दिया, बाती, तेल आदि लेकर आये थे. एक साथ मंदिर प्रांगण में हजारों दीप जलाये गये. मंदिर आने से पहले सभी सनातनी व राम भक्त अपने-अपने घरों व देव स्थानों पर दीप जलाये थे. मंदिर कमेटी की ओर से भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया. सभी भक्तों के लिये मंदिर प्रांगण में महाभोग का आयोजन किया गया. लोग श्रीराम की जयकारा लगाते रहे. इसके अलावे मेघाहातुबुरु स्थित मां काली मंदिर में भी 1100 दिये जलाये गये एवं महाभोग का आयोजन कमेटी की तरफ से किया गया.

पूर्व विधायक ने किया बीएन पैलेस मैरेज हॉल का उद्घाटन

संवाददाता। चांडिल

खास बातें

- लोगों को अब बीएन पैलेस मैरेज हॉल के बनने से सुविधा होगी
- चांडिल बाजार में विवाह या बैठक आदि के लिए बड़े हॉल की कमी थी

चांडिल बाजार में आप लोगों को मैरेज हॉल की भी सुविधा मिलेगी इचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह उर्फ मलखान सिंह ने सोमवार को चांडिल दम रोड में बी पैलेस मैरेज हॉल का फीता काटकर उद्घाटन किया. व्यवसायी स्वपन साहू और इंद्रजीत साहू ने विश्वनाथ एसोसिएट के बैनर पर मैरेज हॉल खोला है. मैरेज हॉल का उद्घाटन करने के बाद पूर्व विधायक अरविंद सिंह ने कहा कि चांडिल के लोगों को अब बीएन पैलेस मैरेज हॉल के बनने से सुविधा होगी. चांडिल बाजार में विवाह समारोह या अन्य बैठक आदि के लिए बड़े हॉल की कमी थी. बीएन पैलेस के बनने से यह कमी पूरी होगी. उद्घाटन समारोह में चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए.

अमेरिका में भी दिखी रामलला के आगमन पर लोगों में खुशी

जमशेदपुर। अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश-विदेश में जय श्री राम का नारा गूंज रहा है. अमेरिका के एरीजोना राज्य के पोनक्स शहर में जमशेदपुर की बेटियों ने पूरे उत्साह के साथ भगवान श्री राम के आगमन की खुशी मनाई. इसी के साथ अमेरिका में भी जय श्री राम का नारा गुंजायमान हुआ. क्या बच्चे, क्या बड़े सभी लोग भगवान राम की धुन में खोये हुए थे. प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया गया. अमेरिका के सड़कों पर बच्चे राम और सीता बनकर यह उत्साह मनाते दिखे. इस अवसर पर अमेरिका की सड़के भगवा रंग से रंगी दिखाई दी. अमेरिका में भी लोगों ने शोभा यात्रा निकाल कर भगवान श्री राम के नारे लगाए. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे. वहीं मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की गई. अयोध्या में श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विदेश में भी उत्साह का माहौल रहा. जमशेदपुर की बेटी विजेता ने वीडियो शेयर कर अमेरिका में राम भक्तों का उत्साह बढ़ाया.

डीसी ने झंडी दिखाकर बिरसा किसान रथ को किया रवाना

संवाददाता । जमशेदपुर

खास बातें

- कृषकों को किसानी की योजनाओं के प्रति जागरूक करेगा
- यह रथ जिले के सभी पंचायत में भ्रमण करेगा

राज्य सरकार के चार वर्ष पूरा होने के अवसर पर कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग के द्वारा बिरसा किसान रथ का परिचालन शुरू किया गया है. यह रथ घूम-घूम कर कृषकों को किसानी से संबंधित योजनाओं के प्रति जागरूक करेगा. इसी क्रम में सरकार द्वारा जिले में भी दो रथ प्रदान किया गया है. इन रथों को सोमवार की शाम जिला मुख्यालय से उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, डीडीसी मनीष कुमार और एसएसपी किशोर कौशल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उपायुक्त ने बताया कि यह रथ पूरे जिले भर में घूम-घूम कर किसानों को जागरूक करेगा. जिला स्तर से इसे रवाना किया गया है और यह पंचायत स्तर पर भ्रमण करेगा. इसके माध्यम से किसानों के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी कृषकों को दी जाएगी, ताकि उन्हें हर तरह का लाभ मिल सके. वहीं दूसरी ओर सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत भी एक जागरूकता वाहन को मुख्यालय से रवाना किया गया. जिसे उपायुक्त, एसएसपी समेत अन्य अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाई. यह रथ जिले के अलग-अलग इलाकों में घूम-घूम कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करेगा.

प्राण प्रतिष्ठा पर चौका में 15 कार सेवक सम्मानित

चांडिल। श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सोमवार को सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा कमेटी चौका मैं धार्मिक व सांस्कृतिक अनुष्ठान किया गया. यहां समारोह आयोजित कर श्रीराम मंदिर निर्माण में योगदान दिए कार सेवकों को सम्मानित किया गया. इसके पूर्व चौका मोड़ से गाजे बाजे के साथ कार सेवकों को स्वागत कर सम्मानपूर्वक श्रीश्री नवदुर्गा मंदिर प्रांगण तक लाया गया. मौके पर राम भक्तों ने आतिशबाजी कर दीपावली भी मनाया. सभी कार सेवक श्रीश्री नव दुर्गा मंदिर माता शक्ति रूपेण देवी दुर्गा के चरणों पर माथा टेका. इसके बाद मंच पर सभी कार सेवकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. कार सेवक हिकिम चंद्र महतो ने अपने संबोधन में कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों पर आज के मानव समाज को चलने की आवश्यकता है. इस अवसर पर कार सेवक के रूप में हिकिम चंद्र महतो, असित कुंडू, शिबू चटर्जी, सीताराम सोरेन, ,चैत्यन सिंह मुंडा समेत काफी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

असंतोष

असम में राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हुए हमले के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

कांग्रेसियों ने काली पट्टी लगाकर किया विरोध-प्रदर्शन

सुकेश कुमार। चाईबासा

हुए एकजुट

- भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा काफिला पर किया गया हमला
- सीएम हिमंता काफिले को रोकने का प्रयार कर रहे हैं

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार सोमवार को पश्चिम सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेसियों ने काली पट्टी लगाकर शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन किया. कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने कहा कि कांग्रेस के सर्वमान्य नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा विगत 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर नागालैण्ड, अरुणांचल प्रदेश होते हुए असम में प्रवेश कर चुकी है. भारत जोड़ो न्याय यात्रा लोगों के दिलों को छूते हुए देश के नौजवानों, महिलाओं, किसानों, मजदूरों, दबे-कुचले लोगों के लिए न्याय की मांग के साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है. लेकिन यह दुखद है, असम में भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वाशरमा शांतिपूर्वक चल रहे भारत जोड़ो न्याय यात्रा को जबरन रोकने का प्रयास कर रहे हैं. पिछले दो दिनों से न्याय यात्रा के योद्धा पर सुनियोजित हमले किये गये हैं तथा भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पोस्टरों को फाडा गया है. भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ताओं द्वारा जबरन भारत जोडो न्याय यात्रा के काफिले पर हमला किया गया. जिसे असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष समेत कई नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को गंभीर चोट आयी है. असम के मुख्यमंत्री द्वारा भाजपा की केन्द्र एवं असम सरकार की प्रशासनिक विफलताओं एवं भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए भारत जोड़ो न्याय यात्रा को रोका जा रहा है. उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार द्वारा भारत जोड़ो न्याय यात्रा को रोकने के लिए किये जा रहे इस कुत्सित प्रयास के खिलाफ यह जरूरी है कि कांग्रेसजन एकजुट होकर इसका मुकाबला करें. ही इस विश्वसनीयता को भी प्रदर्शित करेगा कि हम न्याय की मांग को लेकर संघर्ष के लिए दृढ़संकल्प शक्ति के साथ हम आगे बढ़ते रहेंगे. विरोध प्रदर्शन करने वालों में महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष नितिमा बारी, कांग्रेस जिला महासचिव त्रिशानु राय, लियोनार्ड बोदरा, अल्पसंख्यक विभाग जिला उपाध्यक्ष जहांगीर आलम, वरीय कांग्रेसी राम सिंह सावैयां, गोल्डन खान, मंडल अध्यक्ष राजेश दास, मो.अरसलन, सिंघराय सुंडी, प्रेम सागर कुमार, संजय साव, बच्चन खान, बुल्लू दास, ब्रज मोहन देवगम, सुखन राम मुंडा, सुशील दास आदि शामिल थे.

छोटानागरा में सामुदायिक शैक्षणिक संसाधन केंद्र शुरू

संवाददाता। किरीबुरु

टाटा स्टील फाउंडेशन व एस्पायर संस्था के सहयोग से छोटानागरा पंचायत के छात्र-छात्राओं को तकनीकी व कम्प्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए छोटानागरा स्थित बहुउद्देसीय भवन में सामुदायिक शैक्षणिक संसाधन केन्द्र खोला गया. इस केन्द्र का उद्घाटन जिला परिषद उपाध्यक्ष रंजित यादव, प्रमुख गुरुवारी देवगम, मुंडा बिनोद बारीक, पूर्व जीप सदस्य बामिया माझी दी ने संयुक्त रूप से किया. रंजित यादव ने बताया की इस केन्द्र का सफल संचालन से पंचायत के बच्चों का भविष्य बेहतर होगा तथा यह केन्द्र छात्र-छात्राओं के लिये मील का पत्थर साबित होगा. इस केन्द्र को उक्त संस्था ने 5 लैपटौप और 8 डेक्सटौप कम्प्यूटर उपलब्ध कराया गया है. इसके लिये हम सब संस्था के आभारी हैं. इस दौरान उप मुखिया रमेश हंसदा, राजेश लुगुन, सुखराम चेरोवा, मोहन हंसदा, नोएल सिरका, रजनी गोप, बिमला देवी, सोमा होनहागा, गुरा मुर्मू, मुंडा जामदेव चाम्पिया, उगीराम बाडिंग, अरुण दास आदि दर्जनों लोग शामिल थे.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | मंगलवार, 23 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 13, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 276 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

विश्व की सबसे बड़ी श्रीराम की रंगोली का अर्जुन मुंडा ने किया उद्घाटन

संवाददाता। जमशेदपुर

गोलुमरी केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर में अस्थायी अभिमंत्रित प्रतिमा का सोमवार को अधिष्ठापन हुआ. इस अवसर पर मंदिर के गर्भ गृह का शिलन्यास हुआ. इसके साथ ही आदित्यपुर के कलाकार विवेक मिश्रा द्वारा मंदिर प्रांगण में बनाई गई 18,500 वर्गफीट की प्रभु श्री राम की रंगोली का उद्घाटन केन्द्रीय कृषि एवं आदिवासी मामले के मंत्री अर्जुन मुंडा ने किया. विवेक मिश्रा द्वारा बनायी गयी इस रंगोली ने इंडिया के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है. इसका प्रमाण-पत्र केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने विवेक मिश्रा को सौंपा. इसके लिए उन्होंने शुभकामना देते हुए कहा कि प्रयास से सबकुछ संभव होता है. उन्होंने कहा कि विधायक सरयू राय द्वारा वर्षों से बंद व अधूरे पड़े मंदिर का जीर्णोद्धार प्रारंभ करना सराहनीय है. अयोध्या में रामलला के विराजमान होने की खुशी जाहिर करते हुए देशवासियों और जमशेदपुर वासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत ही नहीं पूरा विश्व इस ऐतिहासिक पल का गवाह है.

जल्द लगेगी संगमरमर की प्रतिमा

मंदिर निर्माण समिति के संयोजक जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा कि आज का दिन देश के इतिहास में एक यादगार दिन है. आज बाल रूप में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा श्री अयोध्या जी में हुई है. बाल रूप में श्री रामलला की पूजा हो रही है. इस अवसर पर गोलुमरी केबुल टाउन स्थित बिड़ला मंदिर में श्री लक्ष्मीनारायण भगवान की अस्थायी प्रतिमा स्थापित की गई है. मंदिर के गर्भ गृह का भी आज के एतिहासिक दिन शिलान्यास हुआ है. प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में जमशेदपुर के युवा कलाकार विवेक मिश्रा ने दुनिया की सबसे बड़ी रंगोली श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में बनाई है. सरयू राय ने बताया कि भगवान राम की 18,500 वर्ग फीट में बनाई गई रंगोली विश्व रिकॉर्ड है. 26 जनवरी तक यह रंगोली मंदिर में देखने को मिलेगी. उसके उपरांत मंदिर निर्माण का कार्य पुनः प्रारंभ होगा और मंदिर प्रांगण का काम शुरू होगा. रामनवमी तक गर्भ गृह तैयार हो जाएगा. गर्भ गृह में बाहर का ढांचा बनाया जाएगा, जिसके उपरांत भगवान लक्ष्मीनारायण की संगमरमर की स्थायी प्रतिमा का अधिष्ठापन मंदिर के गर्भ गृह में कर दिया जाए गा और वर्तमान अस्थायी प्रतिमा का विसर्जन कर दिया जाएगा. सोमवार को श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में दिनभर पूजन कार्य चलता रहा, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे. मंदिर परिसर पूरी तरह से मिनी अयोध्या नगरी के रूप में तब्दील हो गया. संध्या में भजन कार्यक्रम के बाद भोग का वितरण हुआ.

अब छाताबाद में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश

- टुंडी के दोनों गांव में धारा 144 लागू, कदैयां में नही निकला जुलूस और न ही शोभा यात्रा
- तनाव बरकरार, इलाका पुलिस छावनी में तब्दील

संवाददाता। धनबाद

टुंडी थाना क्षेत्र के कदैयां के बाद दूसरे दिन सोमवार की शाम छाताबाद में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई, लेकिन पुलिस की सक्रियता व प्रबुद्ध लोगों की ओर से समझाने के बाद बड़ा हादसा टल गया. पुलिस के अनुसार टुंडी के दोनों गांव में धारा 144 लागू कर दिया गया है. रविवार को कदैयां में धार्मिक झंडा लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच भिड़ंत हुई थी. जिसमें कई लोग जख्मी हो गए थे. दोनों पक्षों की ओर से टुंडी थाना में लिखित शिकायत की गई है, जिसमें पुलिस मामले की जांच कर रही है. सोमवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन गांव के कुछ लोगों द्वारा जुलूस व शोभा यात्रा निकालने की कोशिश की गई, लेकिन धारा 144 लागू होने से पुलिस ने रोक दी. फिर सभी को वापस लौटना पड़ा. कदैयां के बाद छाताबाद गांव में सोमवार को जुलूस निकालने के दौरान शाम को एक पक्ष की महिलाओं व पुरुषों ने रोका तो कई घरों से लोग बाहर निकल आए. फिर दोनों पक्षों के बीच बहस होते-होते मारपीट शुरू हो गई. हालांकि एक-दो मिनट में ही काफी संख्या में पुलिस टीम पहुंच गई. डीएसपी अमर कुमार पांडेय समेत टुंडी थाना की पुलिस की ओर से समझाने के बाद दोनों पक्ष शांत हो गए.

प्राथमिक स्कूलों में उर्दू के सहायक आचार्य के 7232 पद सृजन को सीएम की मंजूरी

रवि भारती। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में उर्दू के लिए सहायक आचार्य के 7232 पद सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. इनमें प्राथमिक विद्यालयों (वर्ग 1 से 5) के लिए 5478 एवं उच्च प्राथमिक (वर्ग 6 से 8) विद्यालयों के लिए 1754 पद शामिल हैं. बता दें कि पूरे राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में उर्दू के सहायक शिक्षकों के लिए 4401 पद स्वीकृत हैं. इनमें 689 उर्दू शिक्षक के पदों पर नियुक्ति की गई है, जबकि 3712 पद रिक्त हैं. ऐसे में राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में उर्दू के सहायक शिक्षकों के स्वीकृत पदों को प्रत्यर्पित करते हुए उक्त पदों के विरुद्ध सहायक आचार्य का पद सृजन और वेतनमान परिवर्तित किया गया है.

वारदात : बैंक मोड़ श्रीराम प्लाजा के ऑफिस में हुई घटना

म्यूचुअल फंड के ऑफिस में युवती की चाकू से हत्या

संवाददाता। धनबाद

बैंकमोड़ श्रीराम प्लाजा स्थित टाटा म्यूचुअल फंड के कार्यालय में युवती की लाश बरामद हुई है. कार्यालय दो दिनों से बंद था. युवती के परिजनों ने संदेह होने पर कार्यालय खुलवाया तो लाश पड़ी मिली. युवती कंपनी की पूर्व कर्मचारी है. युवती के परिजन ब्रांच मैनेजर नीरज आनंद के खिलाफ हत्या का आरोप लगा रहे हैं. नीरज फरार है और पुलिस उसके खिलाफ साक्ष्य तलाश रही है. छानबीन में युवती के पीठ पर चाकू के वार के निशान मिले हैं. जो करीब एक-डेढ़ इंच का है. हालांकि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा.

मनईटांड छठ तालाब के पास रहने वाली युवती निशा कुमारी ने तीन माह पूर्व ही कंपनी छोड़ी थी. उसका रिश्ता लगा तो उसने कंपनी छोड़ दी थी. सात दिसंबर को उसकी शादी हुई थी. इसी सप्ताह अपनी एक दोस्त की शादी में शरीक होने के लिए निशा मायके आई थी. रविवार को दोपहर अपने पिता के साथ बैंकमोड़ आई और दोस्त के लिए गिफ्ट खरीदने की बात कही. इसके बाद उनके पिता दिन करीब एक बजे बैंकमोड़ में उसे छोड़ कर चले गए. ढाई बजे के बाद परिजनों ने खोज-खबर के लिए मोबाइल पर फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला. शाम होने के बाद भी मोबाइल बजता रहा और कोई रिस्पांस नहीं मिला तो घर वालों ने बैंकमोड़ थाने में खबर कर दी. लिखित शिकायत के बाद पुलिस ने कहा खोजबीन की जाएगी.

घर वालों ने खुद तलाशी लाश : शाम के बाद घर वालों ने खुद निशा को तलाशने की शुरुआत की. उसका लोकेशन चेक किया तो बैंकमोड़ के आसपास का पाया. इस कारण परिवार के सारे लोग बैंकमोड़ इलाके में फैल गए और तलाश करने लगे. देर रात तक तलाशी के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला तो रात में घर लौट गए. सुबह फिर से इसी काम में जुट गए. तभी किसी ने कहा कि कार्यालय खुलवा कर देखा जाए, तब घर वालों ने कार्यालय कर्मचारी को फोन कर चाभी मंगवाई और कार्यालय खुलवा कर देखा तो एक टेबल पर उसकी लाश मिली. शव के सामने ही उसके दोनों चप्पल फेंके पड़े थे. शव को देखकर परिजनों की चीख निकल गई और फिर पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भिजवा दिया.

क्या कहती है पोस्टमार्टम रिपोर्ट: इस बीच पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि युवती की मौत नुकीली चीज लंग्स में लग जाने से हुई है.

परिजनों ने बंद कार्यालय खुलवाकर निकाली लाश

- ब्रांच मैनेजर नीरज आनंद पर हत्या का आरोप, तलाश में जुटी पुलिस, पीठ में चाकू से वार
- तीन महीने पहले छोड़ी थी नौकरी, दिसंबर में हुई थी शादी, एक सप्ताह पूर्व ही आई थी मायके

ब्रांच मैनेजर के पास रहती है दूसरी चाबी

कार्यालय के दो चाबियां हैं, एक चाबी कर्मचारी के पास तो दूसरी ब्रांच मैनेजर नीरज आनंद के पास रहती है. निशा के परिजनों ने कर्मचारी के पास से चाबी लेकर बंद दफ्तर को खुलवाया था, इधर ये भी बता दें कि रविवार को कार्यालय बंद था. इस कारण इन दोनों से ही कोई एक चाबी का उपयोग कर सकता है. घर वालों का कहना है कि किसी बहाने से मैनेजर ने निशा को बंद कार्यालय में बुलवाया और फिर उसकी हत्या कर फरार हो गया. इधर ब्रांच मैनेजर के सरायढेला स्थित आवास में पुलिस गई तो पता चला कि वो रात से ही घर पर नहीं है. अपना फोन भी घर पर ही छोड़ कर फरार हो गया है.

निशा की शादी में सक्रिय था मैनेजर

निशा के भाई गौरव ने बताया कि दिसंबर माह की सात तारीख को बहन की शादी हुई थी. शादी से अक्टूबर माह में रिश्ता लगने के बाद ही निशा ने कंपनी छोड़ दी थी. लगभग एक साल तक निशा ने कंपनी में जॉब की थी. हांलाकि नवंबर माह तक उसका आफिस में आना-जाना था. कभी-कभार वो आफिस जाती थी. शादी के कार्यक्रम में ब्रांच मैनेजर सक्रिय तौर पर शामिल था. अपनी बेटी को लेकर नीरज ने सभी कार्यक्रम में उपस्थित हुआ था. तब ऐसा नहीं लगा कि वो किसी बात पर निशा की हत्या कर सकता है.

फुटेज खंगाल रही पुलिस

बैंकमोड़ पुलिस इस वारदात को लेकर साक्ष्य तलाशने में जुटी है. श्रीराम प्लाजा में हर तरफ सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. इन कैमरों में पुलिस मैनेजर के फुटेज को तलाश रही है. संडे के दिन कार्यालय कैसे खुला था, आदि की पड़ताल की जा रही है.

ऐतिहासिक क्षण

22 जनवरी की तिथि सनातनियों के लिए आस्था के पुनर्स्थापित होने का दिन बन कर दर्ज हो गया

500 वर्ष पुरानी बर्बरता का कलंक आखिर मिट गया

1528 में बाबर के आदेश पर उसके सेनापति मीर बाकी ने श्रीराम जन्मभूमि पर बने हुए मंदिर को नष्ट करके उसके ऊपर बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया था. ये सनातन धर्म पर सबसे बड़े किए गए प्रहारों में एक था. इसके पीछे इस्लाम धर्म को सर्वश्रेष्ठ स्थापित कर इसके प्रचार-प्रसार की भी सोच थी. 1528 सी ई के बाद लगातार सनातनियों ने बाबरी मस्जिद पर कब्जे के अनेक प्रयास किए. लेकिन मुगल शासक उसे बर्बरता से दबाते रहे.

प्रतुल शाहदेव

ईसाई मिशनरी और लेखक जोसेफ ने अपनी किताब डिस्क्रिपटो इंडियाना में इस बात का उल्लेख किया है कि कैसे सरयू नदी के तट पर बने भगवान श्रीराम के जन्मस्थल को मुगल शासकों ने ध्वस्त कर दिया था और वहां बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया था. यह मॉडर्न युग में किसी विदेशी के द्वारा रामलला के जन्मस्थल पर लिखा गया पहला प्रामाणिक उल्लेख था. इसके बाद 1858 में सिख निहंगों के एक बड़े हथियार बंद दस्ते ने मस्जिद के भीतर जाकर रामलला के गर्भगृह पर कब्जा कर लिया और वहां राम-राम लिख कर पूजा अर्चना शुरू कर दी. फैजाबाद के तत्कालीन थानेदार ने अपने थाने में मुकदमा दर्ज किया. उसमें लिखा कि निहंगो ने बाबरी मस्जिद सह जन्मभूमि पर कब्जा कर लिया है. यह ब्रिटिश काल में बाबरी मस्जिद पर राम के जन्म भूमि के होने का पहला लिखित दस्तावेज था. उसके बाद भी अंग्रेज जजों ने इस पूरे मुद्दे को लटका कर रखा.

जब डीएम ने मुख्यमंत्री के आदेश को मानने से इनकार किया : आजादी मिलने के बाद 22-23 दिसंबर,1949 की रात को रामलला अचानक अपने जन्मस्थल पर विराजमान हो गये. हजारों की भीड़ पूजा अर्चना करने लगी. उस समय संविधान लागू नहीं हुआ था और डीएम को असीमित शक्तियां हुआ करती थी. पंडित नेहरू ने टेलीग्राम भेजकर यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत को यह पूजा अर्चना रोकने का आदेश दिया. लेकिन डीएम ने पंत के आदेश को मानने से इनकार कर लिया. डीएम केके नैयर ने कहा किया कि ये आस्था का विषय है. इसको रोकने से खून खराबा हो जाएगा. बाद में केके नैयर को निलंबित भी कर दिया गया. इससे क्षुब्ध होकर डीएम नायर ने इस्तीफा दे दिया. कालांतर में वह जनसंघ से सांसद भी बने. उसके बाद 1950- 60 के दशक से टाइटल सूट शुरू हुआ, जो कानूनी पेचीदगियों में फंस कर रह गया. जब इंदिरा गांधी पीएम थीं तो 1976 में इमरजेंसी के दौर में सामान्य खुदाई के दौरान मस्जिद के नीचे से मंदिर के चार पिलर निकले. जैसे ही इंदिरा गांधी को यह सूचना मिली, उन्होंने खुदाई रुकवा दी. आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के उस समय के बड़े अधिकारी केके मोहम्मद ने अपनी पुस्तक में दर्ज किया है कि इंदिरा गांधी ने उस समय कम्युनिस्टों के दबाव में आकर खुदाई रुकवा दी.

जब फैजाबाद जिला जज के आदेश पर रामलला के जन्म स्थल का पट खुला : 1 फरवरी, 1986 को फैजाबाद के वकील यूसी पांडे की अर्जी पर गेट खोल कर जिला जज ,फैजाबाद ने पूजा अर्चना की अनुमति दे दी. शाहबानो केस में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पार्लियामेंट से पलटने के कारण चौतरफा निंदा का शिकार हो रही कांग्रेस ने भी इसका ज्यादा विरोध नहीं कर हिंदू वोटो को साधने की असफल कोशिश की. राजीव गांधी ने अपने 1989 के चुनावी अभियान की शुरुआत अयोध्या से रामराज का नारा देकर किया था. लेकिन कांग्रेस चुनाव में हार गई. भाजपा ने अपने पालमपुर अधिवेशन में श्री राम जन्मभूमि को बनाने का नारा बुलंद किया. लालकृष्ण आडवाणी राम मंदिर निर्माण को लेकर रथ यात्रा लेकर निकल गए. कार सेवा का कई बार प्रयास हुआ. कार सेवकों पर बर्वरता भी हुई और जुल्म भी हुआ. गोलियां भी चलीं. लेकिन सनातनियों का जोश नहीं थमा. कोठारी बंधु के बलिदान को देश आज तक नहीं भूला. लेकिन अंत में विवादित ढांचे को 6 दिसंबर,1992 को आक्रोशित भीड़ ने ढा दिया. उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर रामलला को टेंट में रखकर पूजा अर्चना शुरू की गई.

मंदिर निर्माण का अंतिम अध्याय : 2001- 2002 में जिओ मैपिंग के जरिए आर्कियोलॉजिकल सर्वे ने यह पता लगाया सैटेलाइट इमेज के द्वारा कि मस्जिद के ढांचे के नीचे एक बड़ा ढांचा और मौजूद है. उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय के देखरेख में खुदाई शुरू हुई. इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाद अब यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में चल रहा था. जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने तो सरकार ने अर्जी देकर इसकी प्रतिदिन सुनवाई की मांग की. सर्वोच्च न्यायालय ने इसे स्वीकार कर लिया. उसे समय सुन्नी वक्फ बोर्ड के वकील कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद कपिल सिब्बल थे. वह हर तिथि पर इस मुकदमे को टालने की बात करते थे और राम मंदिर के निर्माण का पुरजोर विरोध करते थे. अंततः सुप्रीम कोर्ट ने सारे तथ्यों को ध्यान में रखते हुए 2019 में आदेश देकर राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया. मोदी सरकार और राम ट्रस्ट के अथक प्रयास से आज यह सपना 500 वर्षों के बाद साकार हो गया. हमारी पीढ़ी ने तो कभी नहीं सोचा था कि यह शुभ दिन देखने को मिलेगा, लेकिन प्रभु कृपा से सब कुछ संभव है. जय श्री राम.

(लेखक भाजपा झारखंड प्रदेश के प्रवक्ता हैं.)

जानकारी इलेक्शन कमीशन झारखंड ने किया मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन

लोस चुनाव में 21.67 लाख युवा वोटर पहली बार करेंगे वोट

विशेष संवाददाता। रांची

इलेक्शन कमीशन ऑफ झारखंड ने वोटर पुनरीक्षण मेगा अभियान के बाद सोमवार को वोटरलिस्ट का फाइनल प्रकाशन कर दिया है. इसके बावजूद अगर अब भी कोई छूटा है, तो लोस चुनाव की घोषणा के 10 दिन पहले तक ऑनलाइन खुद या बीएलओ से नाम दर्ज करा सकता है.

सूची में कम से कम त्रुटि हो, इसको लेकर काफी मेहनत की गयी, फिर भी राजनीतिक दल चाहें, तो त्रुटि दूर करा सकते हैं. इसके अलावे मतदाता खुद ही वोटर हैंडल एप को लाऊन लोड करके नाम देख सकते हैं, अगर कोई त्रुटि हो तो उसे दूर करा सकते हैं. यह जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के रवि कुमार ने प्रेस वार्ता में दी. उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कुल 21,67,270 नए युवा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे.

खास बातें

- छुटे हुए वोटरों को अभी छूट, लोस चुनाव की अधिसूचना के 10 दिन पहले तक नाम दर्ज करा सकते हैं
- राजनीतिक दलों को निर्देश, बूथों पर जाकर वोटरों की जांच कर लें, अगर त्रुटि हो तो उसे सुधार करा सकते हैं

57 नए बूथ बने, 38 बूथ दूसरी जगह किए गये मर्ज

बूथ का विलय, विलोपन तथा नए बूथों के गठन के बाद अब बूथों की संख्या 29,464 से बढ़ कर 29,521 हो गयी है यानी 57 नए बूथ बढ़े हैं. राज्य के 67 विस क्षेत्रों में कुल 378 बूथों के भवन के जर्जर होने, ध्वस्त होने, अधिग्रहीत किए जाने, स्कूल बंद होने या विलय होने, एएमएफ की सुविधा नहीं होने, वोटरों की सुविधाओं आदि के कारण से बूथों का भवन, स्थल बदला गया है. 38 बूथ जहां जहां वोटरों की संख्या कम थी उन्हें निकटवर्ती, उसी पॉलिंग स्टेशन लोकशन में में मर्ज कर दिया गया है.

कांके विस का एक बूथ सीएमपीडीआई रवींद्र भवन में स्थापित

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्रों के ग्रुप हाऊसिंग सोसायटी एवं हाई राइज रेसिडेंशल बिल्डिंग में मतदान केंद्र बनाने का निर्देश दिया था. इसके तहत पूर्वी सिंहभूम के 48-जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के 2 नए मतदान केंद्र, 1 मतदान केंद्र का भवन परिवर्तन कर ग्रुप हाऊसिंग सोसायटी में स्थापित किया गया है. रांची में 65-कांके विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 1 मतदान केंद्र का स्थान परिवर्तन करते हुए सीएमपीडीआई परिसर स्थित रवींद्र भवन में स्थापित किया गया है.

वोटरों का फैक्ट

- राज्य की अनुमानित जनसंख्या : 4,00,06,288.
- 18 प्लस आयु की अनुमानित जनसंख्या : 2,52,94,173
- मतदाताओं की संख्या : 2,53,86,152
- पुरुष मतदाताओं की संख्या : 1,29,37,458
- महिला मतदाताओं की संख्या : 1,24,48,225
- थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या : 469
- 18-19 आयु वर्ग के मतदाता : 7,71,618
- 18-19 आयु वर्ग के पुरुष मतदाता : 3,44,866
- 18-19 आयु वर्ग की महिला मतदाता : 4,26,717
- 18-19 आयु वर्ग के थर्ड जेंडर मतदाता : 35
- लिंगानुपात : 962
- मतदाताओं जनसंख्या अनुपात : 63.45

शेष है विमर्श की जरूरत

देश तेजी से करवट ले रहा है. एक ऐसे राष्ट्रवाद के दौर में देश पहुंच गया है, जिसमें उर्जा तो है, लेकिन उस ऊर्जा के इस्तेमाल को ले कर तमाम तरह के कयास हैं. देश बदलता है उस सामूहिक अभिक्रम से, जो लोकतांत्रिक चेतना को सहकार के साथ आगे ले जाने का प्रयास करता है. उस प्रयास की वर्तमान दशा को ले कर एकमत स्वर से कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता. इतना तो तय है कि धार्मिक राष्ट्रवाद ने कई ऐसे सवालों को बहस के घेरे से फिलहाल बाहर कर दिया है, जिसका सीधा असर आमलोगों की जिंदगियों पर पड़ता है. देर सबेर उन सवालों को विमर्श के दायरे में लाना ही होगा, ताकि आर्थिक उन्नति के जो सपने देखे जा रहे हैं, उन्हें सही दिशा प्रदान किया जा सके. हाल में 2023-24 के अनुमानित सरकारी आर्थिक आंकड़े जारी हुए, तो उनसे पता चला कि इस वित्त वर्ष में (दो अपवाद वर्षों को छोड़ कर) भारत की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि 21 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई. इस वर्ष यह वृद्धि दर 7.9 प्रतिशत रही. बीते 21 वर्षों में सिर्फ 2019-20 और 2020-21 में ये दर इससे कम रही थी, जब सारी दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में थी. एक अंग्रेजी वेबसाइट ने अपने विश्लेषण से बताया है कि चालू वित्त वर्ष में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भारी गिरावट आई है. अप्रैल से सितंबर तक देश में सिर्फ 10.1 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया. इसके पहले (इस अवधि में) इतनी कम एफडीआई 2007-08 में आई थी. देश में औसत आम उपभोग का कमजोर बने रहना अब एक स्थायी हेडलाइन है. ताजा खबर यह है कि अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में एफएमसीजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलिवर लिमिटेड का मुनाफा अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ सका. कंपनी ने इसका कारण ग्रामीण क्षेत्रों में मांग की कमजोर स्थिति को बताया है. ये सारी खबरें अलग-थलग नहीं हैं. बल्कि उस गंभीर आम माली हालत का सूचक हैं, जो लगातार गंभीर हो रही है. दरअसल, जिस देश में कामकाजी उम्र वर्ग की लगभग 50 फीसदी आबादी सवा लाख रुपये से कम वार्षिक आय पर गुजारा करती हो, वहां महंगाई एवं सामाजिक सुरक्षाओं में कटौती का परिणाम इसी रूप में सामने आ सकता है. इस स्थिति का निहितार्थ यह है कि भारत के एक सशक्त बाजार के रूप में उभर सकने की संभावनाएं सीमित बनी हुई हैं. यह अवश्य है कि लगभग छह-सात करोड़ लोगों का एक उपभोक्ता वर्ग हमारे देश में मौजूद है और जो मौजूदा वैश्विक आर्थिक-राजनीतिक सूरत के बीच बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. इसलिए मीडिया हेडलाइन्स से भारत की खुशनुमा तस्वीर उकेरने की कोशिश अक्सर होती रहती है, लेकिन जो जमीनी हालात हैं, वे ऐसे प्रयासों से नहीं बदल सकते. विडंबना यह है कि इन हालात को बदलने की कोशिश के बजाय विकसित भारत का खोखला सपना दिखाया जा रहा है.

> बीते 21 वर्षों में सिर्फ 2019-20 और 2020-21 में ये दर इससे कम रही थी, जब सारी दुनिया कोरोना महामारी की चपेट में थी. एक अंग्रेजी वेबसाइट ने अपने विश्लेषण से बताया है कि चालू वित्त वर्ष में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भारी गिरावट आई है.

सुभाषित

चन्दनं शीतलं लोके,चन्दनादपि चन्द्रमाः।
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसंगतिः ।।

इस दुनिया में चन्दन को सबसे अधिक शीतल माना जाता है पर चन्द्रमा चन्दन से भी शीतल होता है लेकिन एक अच्छी संगति चन्द्रमा और चन्दन से भी शीतल होती है. इसलिए हरएक मनुष्य को चाहिए कि वह अच्छी संगति करे और उसका असीम आनंद उठाये.

कैसे दूर होगी अमीर-गरीब की खाई

हम एक ऐसे देश हैं, जो अपनी एकता में अनेकता के लिए मशहूर हैं. यहां ऊंचे-नीचे पहाड़, हरी-भरी वादियां, सुनहरे रेगिस्तान और नीला-छटा समंदर सब कुछ है. लेकिन इसी विविधता के बीच गहरी असमानता भी छिपी हुई है- किसी के पास बहुत कम धन, किसी के पास बहुत ज्यादा धन. एक तरफ देश के अरबपतियों की संपत्ति आसमान छू रही है, तो दूसरी तरफ करोड़ों लोग गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

देश की अर्थव्यवस्था निस्संदेह तेजी से बढ़ रही है. विश्व बैंक के अनुसार, हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं. 2023-24 में भारत का जीडीपी 7.3 फीसदी बढ़ने का अनुमान है. मगर यह विकास देश की 140 करोड़ आबादी तक समान रूप से नहीं पहुंच रहा है. अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है. भारत की प्रति व्यक्ति आय लगातार बढ़ रही है, मगर भारत में अभी भी गरीबी एक बड़ी समस्या है. देश में अमीर और गरीब के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है. ऑक्सफैम इंटरनेशनल की वार्षिक असमानता रिपोर्ट के अनुसार, साल 2000 में सिर्फ एक फीसदी लोगों के पास देश की 33 फीसदी संपत्ति थी. 2022 तक एक फीसदी अमीरों के पास देश की 40 फीसदी संपत्ति हो गई. इसका मतलब है कि भारत के कुछ सबसे अमीर लोग पूरे देश की करीब आधी संपत्ति के मालिक हैं. रिपोर्ट में बताया गया है देश के 100 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति 660 अरब डॉलर यानी कि करीब 55 लाख करोड़ है. कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण जहां लाखों लोगों का काम धंधा ठप हो गया था, वहीं अमीरों के संपत्ति में खूब इजाफा हुआ. अप्रैल 2020 से नवंबर 2022 तक देश के अरबपतियों की संपत्ति में 121 फीसदी का इजाफा हुआ. उनकी संपत्ति में हर दिन 3608 करोड़ रुपए बढ़ती चली गई. वहीं अरबपतियों की संख्या भी 102 से बढ़ कर 166 हो गई. असमानता का भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास पर गंभीर असर पड़ता है. असमानता के कारण गरीबी, भुखमरी, कुपोषण और बीमारी बढ़ती है. असमानता के कारण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच कम हो जाती है. अमीरी और गरीबी के बीच का यह बड़ा अंतर कहीं न कहीं सामाजिक अशांति और अपराध को भी बढ़ावा देता है. यह बहस चलती रहती है कि कौन कितना अमीर है और कौन कितना गरीब. यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड (यूबीएस) ने पिछले साल ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2023 नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी. इसके अनुसार, भारत में व्यस्कों की आबादी 65 फीसदी है. हर वयस्क भारतीय के पास एवरेज 16,500 डॉलर (करीब 13.70 लाख रुपये) की निजी संपत्ति है. जबकि कुल संपत्ति 15.4 ट्रिलियन डॉलर यानी कि करीब 1280 लाख करोड़ रुपए है. भारतीयों के पास संपत्ति 8.7 फीसदी की दर से बढ़ रही है, जबकि दुनिया में ये दर 4.6 फीसदी है. पड़ोसी देशों में

चीन, श्रीलंका, मालदीव के लोगों की संपत्ति भारत से ज्यादा है. चीन के वयस्कों की संपत्ति भारत से पांच गुना ज्यादा है. मालदीव में हर वयस्क के पास 21 लाख और श्रीलंका में 20 लाख रुपए की संपत्ति है. अनुमान है कि दुनियाभर में 2027 तक वयस्कों की निजी संपत्ति 38 फीसदी बढ़ सकती है. दुनिया में हर वयस्क के पास 1.10 लाख डॉलर (91 लाख रुपए) की निजी संपत्ति होगी. भारत और चीन अरबपतियों की संख्या दोगुनी होने का अनुमान है.

भारत की जीडीपी ग्रोथ से भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारा देश कितना अमीर है. 2023 में भारत की जीडीपी 3.75 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई, तो प्रति व्यक्ति जीडीपी 2610 डॉलर हो गई. जीडीपी के हिसाब से अभी भारत 5वां सबसे अमीर देश है. 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी है. ऐसा होने पर भारत दुनिया का तीसरा सबसे अमीर देश होगा. जीडीपी के आधार पर भारत की अर्थव्यवस्था वैसे तो पांचवीं अर्थव्यवस्था है लेकिन प्रति व्यक्ति जीडीपी के पैमाने पर 194 देशों की लिस्ट में भारत का स्थान 144वां है. एशियाई देशों की बात करें तो यहां भी इस लिस्ट में भारत 33वें नंबर पर है. भारत में जितने ज्यादा लोग अमीर हैं, उससे कई गुना ज्यादा गरीब भी हैं. गरीबी वह व्यक्ति होता है, जिनके लिए दो वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल होता है. वे इतना कम कमाते हैं कि अपनी बुनियादी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाते हैं. सरकार मानती है कि गांव में रहने वाला व्यक्ति अगर हर दिन 26 रुपए और शहर में रहने वाला व्यक्ति 32 रुपए खर्च नहीं कर पा रहा है, तो वह व्यक्ति गरीबी रेखा से नीचे माना जाएगा. हालांकि भारत में गरीबी का अनुपात लगातार गिर रहा है. आजादी के पहले 80 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी. अब करीब 17 फीसदी लोग गरीबी रेखा से नीचे है, यानी कि 23 करोड़ आबादी. देश की आबादी के 4.2 फीसदी लोग बेहद निर्धनता की हालत में रहते हैं.

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2005 के बाद अगले 15 सालों में 55 फीसदी लोग गरीबी से बाहर आए हैं. तब करीब 64.5 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे थे. 2019-2021 में ये दर घट कर 16.4 फीसदी रह गई. यानी कि 15 सालों में 41.5 करोड़ लोग गरीबी के चंगुल से बाहर निकले. ये आंकड़ा बहुआयामी गरीबी सूचकांक में बताया गया है. भारत के सबसे ज्यादा गरीब राज्य बिहार (33.76%), झारखंड (28.81%), मेघालय (27.79%), उत्तर प्रदेश (22.93%), मध्य प्रदेश (20.63%), असम (19.35%), छत्तीगढ़ (16.37%), ओडिशा (15.68%), नगालैंड (15.43%), राजस्थान (15.31%) हैं. रिपोर्ट के अनुसार बिहार, झारखंड और यूपी ऐसे राज्य हैं, जहां गरीबी में तेजी से गिरावट देखी गई. भारत सरकार ने अमीर और गरीब के बीच असमानता को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं. फिर भी भारत की असमानता की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

समता

मनुष्य का मंच बहुत ही चंचल होता है. यह कब कहां पहुंच जाएगा, कब कहां भटक जाएगा, कब कहां अटक जाएगा, समझना बहुत ही मुश्किल है. जबतक मन की चंचलता को विश्राम नहीं मिलता, जबतक साधना संभव नहीं होती. ऐसे में उस स्थिति की आवश्यकता होती है, जिसे समता कहा जाता है. समता का अर्थ है मन की चंचलता को विश्राम, समान भाव को जाग्रत और दृष्टि को विकसित करें तो 'मैं' के सम्पूर्ण त्याग पर समभाव स्थिरता पाता है. समभाव जाग्रत होने का आशय है कि लाभ-हानि, यश-अपयश भी हमें प्रभावित न करे, क्योंकि कर्मविधान के अनुसार इस संसार के रंगमंच के ये विभिन्न परिवर्तनशील दृश्य हैं, जिसपर हमारा कोई वश नहीं होता. हमें एक कलाकार की भांति विभिन्न भूमिकाओं को निभाना होता है. इन पर हमारा कोई भी नियंत्रण नहीं है. कलाकार को हर भूमिका का निर्वहन तटस्थ भाव से करना होता है. संसार के प्रति इस भाव की सच्ची साधना ही समता है. समता का पथ कभी भी सुगम नहीं होता, हमने सदैव इसे दुर्गम ही माना है. परन्तु क्या वास्तव में धैर्य और समता का पथ दुष्कर है? हमने एक बार किसी मानसिकता को विकसित कर लिया तो उसे बदलने में वक्त और श्रम लगता है. यदि किसी अच्छी वस्तु या व्यक्ति को हमने बुरा मानने की मानसिकता बना ली तो पुनः उसे अच्छा समझने की मानसिकता तैयार करने में समय लगता है. क्योंकि मन में एक विरोधाभास पैदा होता है और प्रयत्नपूर्वक मन के विपरीत जाकर ही हम अच्छी वस्तु को अच्छी समझ पाएंगे. तब हमें यथार्थ के दर्शन होंगे. जीवन में कई बार ऐसे मौके आते हैं जब हमें किसी कार्य की जल्दी होती है और इसी जल्दबाजी और आवेश में अक्सर कार्य बिगड़ते हुए देखे हैं. फिर भी क्यों हम धैर्य और समता भाव को विकसित नहीं करते. कई ऐसे प्रत्यक्ष प्रमाण हमारे सामने उपस्थित होते हैं, जब आवेश पर नियंत्रण, सपेक्ष चिंतन और विवेक मंथन से कार्य सुनियोजित सफल होते हैं और प्रमाणित होता है कि समता में ही श्रेष्ठता है. समता रस का पान सुखद होता है. समता जीवन की तपती हुई राहों में सघन छायादार वृक्ष है. जो 'प्राप्त को पर्याप्त' मानने लगता है, उसके स्वभाव में समता का गुण स्वतः स्फूरित होने लगता है. समता की साधना से सारे अन्तर्द्वन्द्व खत्म हो जाते हैं, क्लेश समाप्त हो जाते हैं. उसका समग्र चिंतन समता में एकात्म हो जाता है. चित्त में समाधि भाव आ जाता है.

श्रमिकों के इजराइल निर्यात से जुड़े सवाल

• श्रम

स्वदेश कुमार सिन्हा

यूं खाड़ी के देशों में प्रतिवर्ष लाखों भारतीय मज़दूरी के लिए जाते हैं तथा हर वर्ष करोड़ों रुपए का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं. अब इज़राइल में पहली बार सरकार ख़ुद युद्धक्षेत्र में श्रमिकों को भेजने के लिए भर्ती कर रही है. गाज़ापट्टी से रोज़ाना क़रीब एक लाख मज़दूरों को सुबह इज़राइल की हद में मज़दूरी करने के लिए परमिट दिए जाते थे और शाम को वे बाड़े को पार करके वापस गाज़ापट्टी में लौट जाते थे. अब वे नहीं आते हैं तो इज़राइली ऐसे विकल्प ढूंढ रहे हैं, जहां ऐसे ही और विकल्पहीनता के शिकार ग़रीब लोग हों, जो तमाम ख़तरे उठाकर भी इस रोज़गार को अपने लिए बेहतर विकल्प मानें. वैश्विक महाशक्ति का दावा करने वाले भारत ने ऐसे लाखों विवश लोग उपलब्ध कराने का ठेका लिया है, जिनकी हमारे यहां कोई कमी नहीं है. इनकी इतनी बड़ी तादाद के सस्ते श्रम के बल पर ही अडानी, अंबानी और टाटा इतने बड़े बने हैं, इस मामले में तो हम ज़रूर महाशक्ति हैं. दुनिया के हर पूंजीपति को सस्ते श्रमिक उपलब्ध कराना ही इस महाशक्ति का मुख्य निर्यात जो है. विदेशी मुद्रा भंडार और भुगतान संतुलन इसी पर टिका है. 2023 में ही 125 अरब डॉलर ऐसे श्रमिकों ने भारत भेजे. भारत सरकार जितने व्यापारिक समझौते कर रही है, उसमें मुख्य मुद्दा यही है कि हमारे कितने श्रमिकों को अपने यहां आने दोगे. इज़राइल में श्रमिकों को भेजने का मामला इन सबमें सबसे ज़्यादा अमानवीय है. एक युद्धग्रस्त देश में, जहां से बड़े पैमाने पर सरकारें अपने नागरिकों निकाल रही हैं, क्योंकि वहां उनके जीवन की कोई सुरक्षा नहीं है, दूसरी ओर भारत सरकार अपने श्रमिकों को ऐसे जोखिम भरे क्षेत्र में भेज रही है, जहां पर उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है. संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं का कहना है, कि ऐसे वक्त में जब गाज़ा और वेस्ट बैंक में इज़राइली सैन्य हमले जारी हैं, तब भारत के कंस्ट्रक्शन वर्कर्स, नर्सों और केयरगिवर की तेज़ी से भर्ती किए जाने का फ़ैसला जोखिम भरा है. भारत की ओर से इन कामगारों को इज़राइल भेजने की कोशिशें ऐसे वक्त में तेज़ हुई हैं, जब 19 दिसंबर 2023 को इज़राइली पीएम बिन्यामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी से फोन पर बात की थी और भारतीय मज़दूरों को जल्दी भेजने की गुज़ारिश की थी. ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस यानी एआईटीयूसी के जनरल सेक्रेटरी अमरजीत कौर ने कहा, "यह क़दम भारतीय आचरण के ख़िलाफ़ है. हम इज़राइल से सीज़ फ़ायर चाहते हैं. हम मज़दूरों की सुरक्षा के लिए चिंतित हैं. मज़दूर संगठन अब अदालत का रुख़ करने का सोच रहे हैं." उन दस्तावेज़ों में आकर्षक सैलरी का तो ज़िक्र मिलता है, लेकिन किस तरह की सुरक्षा दी जाएगी, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिलती है. इन दस्तावेज़ों के मुताबिक़ इज़राइल जाने वालों को अपनी फ्लाइट टिकट के पैसे ख़ुद देने होंगे. इन लोगों को एनएसडीसी को फ़ीस के तौर पर 10 हज़ार रुपये देने होंगे. इन कामगारों को किसी तरह का इंश्योरेंस, मेडिकल कवरेज और रोज़गार की गारंटी नहीं दी जाएगी. एनएसडीसी की वेबसाइट में नौकरी के लिए जो पोस्टर लगाया गया है, उसमें लिखा है- इज़राइल में नए क्षितिज को पाने का मौका. श्रम मंत्रालय ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया है. वहीं हरियाणा के श्रममंत्री अनूप धनक ने कहा- "कामगारों के विदेश जाने से जुड़े मामलों पर नज़र रखने का काम विदेश मंत्रालय का है." विदेश मंत्रालय ने भी इस पर पूछे सवालों पर जवाब देने से इनकार किया. अधिकारियों का कहना है, "यह भर्ती प्रक्रिया बीटूबी यानी बिजनेस टू बिजनेस के तहत की जानी चाहिए." इमिग्रेशन चैक रिकॉयर्ड स्कीम के तहत दर्ज वाले पासपोर्ट 18 देशों में जाने वाले कामगारों को कवर करती है, इनमें अफ़ग़ानिस्तान, बहरीन, इंडोनेशिया, इराक़, जॉर्डन, सऊदी अरब, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मलेशिया, ओमान, कतर, साउथ सूडान, सीरिया, थाईलैंड, यूएई और यमन शामिल हैं, इस लिस्ट में इज़राइल का नाम नहीं है. ये बदलाव ऐसे वक्त में भी नहीं आया है, जब इजराइल में जारी मौजूदा संघर्ष में विदेशी कामगार मारे गए हैं. अधिकारियों का कहना है कि "ऐसे में भारत ख़ुद को तटस्थ कहां से कह पाएगा?" इन अधिकारियों ने आशंका जताई है कि इससे मध्य पूर्व में काम कर रहे 80 लाख भारतीयों पर भी ख़तरा मंडरा सकता है, जब 14 दिसंबर 2023 को संसद में इस बारे में सवाल पूछा गया था तो विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा था कि "फ़िलस्तीनी कामगारों के विकल्प के तौर पर भारतीयों को भेजने से जुड़ी कोई बातचीत इज़राइल से नहीं की गई है."

> भारत की ओर से इन कामगारों को इज़राइल भेजने की कोशिशें ऐसे वक़्त में तेज़ हुई हैं, जब 19 दिसंबर 2023 को इज़राइली पीएम बिन्यामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी से फोन पर बात की थी और भारतीय मज़दूरों को जल्दी भेजने की गुज़ारिश की थी. ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस यानी एआईटीयूसी के जनरल सेक्रेटरी अमरजीत कौर ने कहा, "यह क़दम भारतीय आचरण के ख़िलाफ़ है.

गरीबी का भयंकर मकड़जाल एक चेतावनी

• सामयिकी

दुष्यंत

गरीबी का मकडजाल टूटने का नाम ही नहीं लेता. भारत उन देशों में शामिल है, जहां दावा किया जाता है कि बडी संख्या में गरीबी रेखा से नीचे से लोगों को बडी संख्या में बाहर निकाला गया हे. इन दावों में सच्चाई भी होती है, लेकिन पूरे तथ्य इसमें शायद ही उजागर हो कर सामने आ पाते हैं. इसका एक बडा कारण तो यही है कि हमारे नीति निर्माताओं की प्राथमिकता बहुत अलग होती है. इसे गांव और गरीबी एक फैशन की तरह से बन कर रह जाता है. जब मनरेगा कार्यक्रम लागू किया गया था तब सही अर्थो में एक ग्[र]मीण संरचना के माध्यम से सही नब्ज पर हाथ रखा गया. लेकिन जल्द ही पता चला कि इस योजना से भारत के गांवों में पैसा तो पहुंचा, लेकिन स्थायी तौर पर बदलाव और संरचना निर्माण की पहल नहीं हो पायी. अब एक बार और जब 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन देने का एलान बढचढ कर किया जा रहा है तो गरीबी का सवाल एक बार और सामने चुनौती पेश कर रहा है. इस बीच नीति आयोग द्वारा इस सप्ताह जारी एक और चर्चा पत्र के अनुसार बीते नौ वर्षों में करीब 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने में कामयाब रहे. नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद और वरिष्ठ सलाहकार योगेश सूरी द्वारा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम तथा ऑक्सफर्ड नीति एवं मानव विकास पहल की मदद से तैयार की गई इस रिपोर्ट का इरादा यह दिखाना है कि बीते नौ वर्षों में विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों ने बहुआयामी गरीबी पर क्या असर डाला. पत्र लेखकों के व्यक्तिगत विचारों को दर्शाता है और इसमें पाया गया कि बहुआयामी गरीबी 2013-14 के 29.17 फीसदी से कम होकर 2022-23 में 11.28 फीसदी रह गई. माना जा रहा है कि जल्दी ही यह गरीबी घटकर एक अंक में रह जाएगी. ध्यान देने वाली बात है कि ताजा राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (2015-16) और पांच (2019-20) पर आधारित है. चूंकि उपयुक्त प्रासंगिक अवधि के लिए आंकड़े अनुपलब्ध थे, इसलिए अध्ययन में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर ही आकलन किया गया. बहुआयामी गरीबी सूचकांक को पारंपरिक मानकों की तुलना में बेहतर संकेतक माना जाता है. उदाहरण के लिए आय के अनुमान हासिल करना मुश्किल है. इसी प्रकार खपत सर्वेक्षण गरीबी और बेहतरी के स्तर का आकलन करने के लिहाज से अपर्याप्त पाए गए हैं. इसके अलावा संभव है ये तरीके नीतिगत हस्तक्षेप के असर को पूरी तरह से आकलित न कर पाते हों. वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक तीन व्यापक क्षेत्रों में 10 संकेतकों को शामिल करता है. ये हैं शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर. वैश्विक संकेतकों के अलावा भारतीय संस्करण में मातृत्व स्वास्थ्य और बैंक खाते भी शामिल हैं. निश्चित तौर पर बहुआयामी गरीबी सूचकांक जहां एक व्यापक तस्वीर पेश करता है, वहीं आय और व्यय के आंकड़ों की जरूरत की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए. गरीबी के भिन्न-भिन्न पहलुओं पर केंद्रित आंकड़ों पर नजर डालते और अधिक आंकड़ों की मदद से बेहतर तस्वीर और बेहतर सूचित नीति निर्माण प्राप्त किया जा सकता है. 2017-18 में हुए अंतिम उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण को सरकार ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उसके आंकड़े गुणवत्तापूर्ण नहीं हैं. बीते कुछ दशकों में उच्च आय वृद्धि और नीतिगत हस्तक्षेप की मदद से गरीबी में काफी कमी आई. जैसा कि इस पत्र में कहा गया है बहुआयामी गरीबी के शिकार लोगों की तादाद 2005-06 के बाद के 15 वर्षों में 40.38 फीसदी कम हुई है. गरीबी की तीव्रता में भी काफी कमी आई है. गरीबी में कमी उत्सव मनाने लायक बात है, लेकिन भारत को अभी भी इस क्षेत्र में लंबा सफर तय करना है. ऐसे में नीतिगत प्रयास इस बात पर केंद्रित होने चाहिए कि कैसे दीर्घावधि में टिकाऊ आर्थिक वृद्धि हासिल की जाए. भारत को अभी भी निम्न-मध्य आय वाला देश माना जाता है. प्रति व्यक्ति आय में सतत उच्च वृद्धि से ज्यादा तादाद में लोग गरीबी से उबरेंगे और उनके जीवन में बेहतरी आएगी. इसके अलावा राज्य स्तर के आंकड़े गहरी असमानता दिखाते हैं. देश के विकास की प्रक्रिया में कुछ राज्य बहुत पीछे छूट गए हैं. ऐसे क्षेत्रों में अधिक नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि संतुलित और समावेशी विकास हासिल किया जा सके. इसके अलावा सुधार दिखाने वाले मानकों पर भी और काम करने की आवश्यकता होगी. उदाहरण के लिए शिक्षा के स्तर पर स्कूली शिक्षा वाले वर्षों को शामिल किया जाता है.

> माना जा रहा है कि जल्दी ही यह गरीबी घटकर एक अंक में रह जाएगी. ध्यान देने वाली बात है कि ताजा राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (2015-16) और पांच (2019-20) पर आधारित है. चूंकि उपयुक्त प्रासंगिक अवधि के लिए आंकड़े अनुपलब्ध थे, इसलिए अध्ययन में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर ही आकलन किया गया.

मीडिया में अन्यत्र

भारत की शिक्षा प्रणाली में खामियां

महामारी भारत के सबसे छोटे नागरिकों यानी बच्चों पर भारी गुजरी थी, लेकिन इसके असर के सही मायने अब सामने आ रहे हैं. शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 'असर 2023 : बीयॉन्ड बेसिक्स' नाम से बुधवार को जारी की गयी. यह एक सर्वेक्षण है, जिसे सिविल सोसाइटी संगठन 'प्रथम' ने 14 से 18 साल के ग्रामीण बच्चों के बीच किया है. इस रिपोर्ट में पाया गया कि इन बच्चों में आधे से ज्यादा ऐसे हैं जिन्हें उस बुनियादी गणित में मुश्किल पेश आयी, जिसमें उन्हें कक्षा 3 या 4 में माहिर हो जाना चाहिए था. चार सालों में पहली बार घरों में जाकर सर्वेक्षण हो पाया. इसे 26 राज्यों के 28 जिलों में किया गया और 34,745 छात्रों की बुनियादी स्तर की पठन व अंकगणितीय क्षमताओं का आकलन किया गया. इसमें कई अन्य निष्कर्ष भी सामने आये हैं. इस आयु वर्ग के 25 फीसदी से ज्यादा बच्चे अपनी मातृभाषा में कक्षा 2 के स्तर के पाठ नहीं पढ़ पाते; हालांकि, लड़के अंकगणित और अंग्रेजी पढ़ पाने के मामले में लड़कियों से बेहतर हैं. कुल मिलाकर, 14-18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में से 86.8 किसी न किसी शैक्षणिक संस्थान में नामांकित हैं, लेकिन उनके बड़े होने के साथ खामियां उभरने लगती हैं – 14 साल के 3.9 फीसदी बच्चे स्कूलों में नामांकित नहीं हैं, लेकिन 18 साल वालों के मामले में यह आंकड़ा 32.6 फीसदी तक पहुंच जाता है. इसके अलावा, कक्षा 11 और उसके ऊपर, ज्यादा छात्र मानविकी को ही चुनते हैं; लेकिन लड़कियों के विज्ञान के वर्ग में नामांकित (28.1%) होने की संभावना लड़कों की तुलना (36.3%) में और भी कम होती है और व्यावसायिक प्रशिक्षण और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों को तो महज 5.6 फीसदी लड़कियों ने चुना है.

राष्ट्रीय स्तर पर 'प्राइवेट ट्यूशन' का सहारा लेने वाले बच्चों का अनुपात 2018 के 25 फीसदी से बढ़कर 30 फीसदी हो गया है. सर्वेक्षण में शामिल नौजवानों में से लगभग 90 फीसदी के पास स्मार्टफोन है और वे उसे इस्तेमाल करना जानते हैं, हालांकि बहुतों को 'ऑनलाइन सेफ्टी सेटिंग्स' के बारे में जानकारी नहीं है. इन रुझानों, खासकर पढ़ने और सरल अंकगणित हल करने में फिसड्डीपन, से यह अंदाजा मिलता है कि शिक्षा प्रणाली में क्या समस्या है और किन सुधारात्मक उपायों की जरूरत है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कहती है कि "2025 तक प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और अंकगणितीय क्षमता हासिल करना" सर्वोच्च प्राथमिकता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जोड़/जोर

हाथ जोड़ बिनती करूं नित्य झुकाऊं माथ. हे प्रभु श्रीराम जी मुझको करो सनाथ. तुम पर अबतक है चला नहीं किसी का जोर. मेरे जीवन में प्रभो ले लाओ अब भोर. इस कविता में हम दो शब्दों पर गौर कर सकते हैं. पहला जोड़ और दूसरा जोर. ये दोनों श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द हैं, जो सुनने में तो एक जैसे लगते हैं. इनमें पहला अंतर तो ड़ और र का है. जो इन दोनों का अंतर नहीं समझते वे बोलने और लिखने में भूलें करते रहते हैं. जोड़ का मतलब है जुड़ाव की अवस्था या भाव, योग, मिलान, दो या दो से अधिक चीजों के हिस्से जुड़ने का स्थान, संधि, गांठ, दो वस्तुओं का इस प्रकार जुड़ना कि वे एक ही प्रतीत हों, अनेक संख्याओं के जोड़ने से निकलनेवाली संख्या, योगफल, अंग्रेजी में टोटल, वह टुकड़ा या भाग जो कहीं जोड़ा जा सके, मेल-मिलाप, संयोग, वह जो किसी के बराबर हो, मेल, जोड़ा, समानता, बराबरी, खेल में एक घर में आनेवाली दो गोटें या मोहरे, सिर से पांव तक पहनने के सभी कपड़े, पूरा पहनावा या पोशाक, कुश्ती आदि खेल में मुकाबले के लिए तैयार दो पहलवान, दांवपेंच, छल. इस शब्द से शब्द युग्म बना है जोड़-तोड, मतलब दांवपेंच, गुणाभग, कार्य साधन कीविशेष युक्ति, छल-कपट. इसका क्रिया रूप है जोड़ना, जिसका मतलब दो चीजों या उनके टुकड़ों को एक दूसरे के साथ मिला कर एक करना, संख्याओं का योग करना, किसी प्रकार का संबंध स्थपित करना, नाता या रिश्ता बनाना, संबद्ध करना, गांठ लगाना, किसी पुस्तक, शोध या लेख आदि में वाक्य, अध्याय या परिशिष्ट आदि बढ़ाना, किसी काम के लिए पैसे आदि बचाना, मन में बन लेना, गढ़ना. जोर फारसी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है शरीर का बल, शक्ति, ताकत,किसी चीज का दबाव, धन या पद के कारण होनेवाला दबदबा, रुतबा, उन्नति, बढ़त, प्रबलता, तेजी, बेग, बल प्रयोग, वश, अधिकार, इख्तियार, भरोसा, आसना, सहारा, श्रम, मेहनत, कसरत.

चलो इक बार फिर से अजनबी बन जायें...!

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

फेसबुक का जमाना है दोस्त! कहां तक अजनबी बनते–बनाते रहेंगे? सो 'अजनबी बन जाए हम दोनों' कहने की अब नौबत नहीं आती. जब तक चाहा दोस्त रहे, अन्यथा "अन्फ्रेंड" कह के अलविदा हो लिए. पहले किसी से 'मुंह मोड़ने' का इतना सीधा-सरल तरीका नहीं हुआ करता था. आज एक दूसरे प्रसंग में, गाने का मुखड़ा, जनाब साहिर जी से क्षमा याचना के साथ, जहन में कुछ यूं आ रहा है-चलो इक बार फिर से, वोटिंग कर आयें हम दोनों. "बेटर –हाफ" के साथ वोट डालने जाना,पिछले पच्चीस-तीस सालों से हर पांचवें साल मिलने बाला एक अजब तजुर्बा होता था? पहले नई-नई आई थी तो एक- दो इलेक्शन तक उम्मीदवारों के बारे में हम ब्रीफ करते थे. फलां चोर है, एक जिसे हाथ ठेले का निशान मिला है, कबाड़ी है, एक पर किडनेपिंग का केस चल रहा है, वह पिछले इलेक्शन में जीता था, उसने दो-चार कोठियां बनवा ली हैं, सब ठेके अपने भाई–भतीजों को दिलवाता है. बाक़ी सब छुट-भइये नेता हैं. अब जिसे तुम चाहो ठप्पा लगा देना. वह 'बीप' वाला ज़माना नहीं था. घर में आपसी समझ के मामले में, पूरी लोकतन्त्रीय प्रणाली लागू रहा करती थी. अलबत्ता, रिजल्ट वाले दिन वह स्वयं घोषित कर देती थी कि उन्होंने जिसे व्होट दिया था, वही केंडीडेट जीत गया है. वह पलट कर हमसे पूछती आपने किसे दिया था? हम अपनी साख भला कब गिरने देते? सो खुद भी कह देते उसे ही तो हमने भी अपना मत दिया है, जो जीता घोषित हुआ है. तीन–चार चुनाव हमारे द्वारा, यूंही लापरवाही में घटिया लोगों को विधायक–सांसद बनाने में गुजर गए. वे जिन्हें जिताय ,एक भी काम के नहीं निकले. चुनाव जीतने के बाद वे सब ,"तीन बेर खाती थी सो तीन बेर खाती है" टाइप उसूलों के लोगो में शामिल हो गए. जो तीन-चार चक्कर गली के हफ्ते में लगा लिया करते थे, वे पांच सालों में एक बार भी पलट कर नहीं आये. या तो मोहल्ले की तरफ मुड़ कर देखने का मुहूर्त नहीं निकला या मूड नहीं बना. वे जिनके घर में खाने के नाम पर 'फाका - बेर' हुआ करते थे, अब ब्रेक-फास्ट, लंच-डिनर में आमलेट-मुर्गे की गंध उड़ने लगी है. जिन्होंने कभी कहा था, मैं समस्याओं से लड़ने आया हूं , आपके बीच बसने आया हूं. आपका हितैषी हूं.आपका शुभचिंतक हूं. उसी शख्श का बदला चेहरा नजर आया ....सब अवाक -दंग रह गए! शहर का एक-एक मतदाता छला गया महसूस करता रहा. उनका किसी को कोई सहयोग मिल पाता, पूरे पांच साल यह एक सपना ही रहा. अब इस शहर के लोगो ने 'छाछ' को भी फूंक कर पीने की आदत बना ली है.

रांची : फोटो रमीज

रामनवमी-दिवाली संग-संग

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर झारखंड में भी उमंग और उत्साह का वातावरण रहा. भक्तों ने यहां एक साथ रामनवमी और दीपावली मनाई. शहर-गांव भगवा पताकाओं से पटे थे और मंदिर नई आभा से चमक रहे थे. गली-मुहल्ले, घर आंगन में फूलों की लड़ियां अलग ही समां बाध रही थी. लोग भगवा रंग में रंगे थे. मंदिरों में दिनभर पूजा के लिए गहमा-गहमी बनी रही. वहीं शाम होते ही पूरा झारखंड दीपों से जगमग हो उठा. इस उत्सवी माहौल में कई जगहों पर शोभायात्रा निकाली गई और सुंदरकांड का पाठ किया गया. पूरा झारखंड राममय रहा. भक्तों ने लड्डू बांट कर राम के प्रति अपनी भक्ति, आस्था और खुशी का इजहार किया. राजधानी रांची में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. भगुवा रंग में राम का झंडा लिए भक्तों ने जय श्री राम के जयकारे लगाए. चौक-चौराहों पर राम की भक्ति में बज रहे गीतों ने अलग ही समां बांध दिया था. यह दृश्य राज्य के हर शहर और गांव में था. हर जगह लोगों में श्री राम के प्रति आस्था-भक्ति, समर्पण और उनकी प्राण प्रतिष्ठा से खुशी देखी गई. **शुभम संदेश की टीम ने विभिन्नि जिलों में भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों की तस्वीरें कवर की है. प्रस्तुत है तस्वीरे.**

जमशेदपुर

गिरिडीह

गोड्डा

गोविंदपुर

रांची

आदित्यपुर

बोकारो

साहिबगगंज

चाईबासा

किरीबुरू

डुमरिया

झरिया

पाकुड़

कोडरमा

धनबाद

बेरमो

ब्रीफ खबरें

घर के पास मैदान में मिला अधेड़ का शव

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ब्राह्मणकुंडी पंचायत अंतर्गत गोहलामुड़ा गांव निवासी काजल दास (50) का लाश गांव के बगल स्थित मैदान में मिली है. जानकारी के अनुसार सुबह शौच के लिए गए गांव के युवकों ने एक व्यक्ति का शव मैदान में देखा. इसकी सूचना मिलते ही गांव वालों की भीड़ इकट्ठा हो गई. गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पुलिस पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में ले लिया. मृतक के परिजनों व गांव वालों ने हत्या की आशंका का जताते हुए डॉग स्क्वायड बुलाने की मांग की.

रैली में ट्रैक्टर से गिरकर किशोर की हुई मौत

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा थाना अंतर्गत धातकीडीह में रैली के दौरान ट्रैक्टर से गिरकर 12 वर्षीय अरुण महतो की गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद साथ मौजूद युवकों ने उसे तत्काल इलाज के लिए माचा स्थित अस्पताल पहुंचाया जहां से उसे एमजीएम रेफर कर दिया गया. इधर, एमजीएम में अरुण को डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. सूचना पाकर अरुण के परिजन भी अस्पताल पहुंचे. परिजन शव से लिपटकर रोने लगे.

श्रीश्री श्यामा कली मंदिर में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान शुरू

घाटशिला। श्रीश्री श्यामा कली मंदिर धरमबहाल लालडीह परिसर में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन सोमवार को किया गया. इस अनुष्ठान के पहले दिन महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई. महिलाओं ने मंदिर परिसर से कलश लेकर गोपालपुर सूर्य मंदिर स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट गई. पुजारी द्वारा घाट पर पूजा अर्चना के पश्चात महिलाओं ने कलश में जल लेकर वापस मंदिर परिसर पहुंची. कलश में लाया गया जल से माता की प्रतिमा को स्नान कराया गया.

घाटशिला में निकाली गयी भव्य शोभायात्रा

घाटशिला। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन तथा तथा रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी को लेकर घाटशिला में उत्साह चरम पर है. सोमवार को गोपालपुर सूर्य मंदिर एवं प्रखंड मुख्यालय स्थित शिव पार्वती मंदिर के सदस्यों ने भव्य शोभायात्रा निकल गई. शोभा यात्रा प्रखंड मुख्यालय परिसर से कॉलेज रोड से मुख्य बाजार होते हुए काशीदा स्थित राम मंदिर तक श्रीराम के जयकारे लगाते हुए पहुंचे. शोभा यात्रा के दौरान क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू भी शामिल हुई.

जुगसलाई में हमारे राम आ गए कार्यक्रम आयोजित

जमशेदपुर। शहीद ठाकुर जी पाठक ट्रस्ट की ओर से "हमारे राम आ गए" कार्यक्रम का आयोजन जुगसलाई गौशाला नाला रोड में किया गया. इसमें प्रभु श्री राम का ध्वजा पूजन, आरती समेत अन्य अनुष्ठान आयोजित हुए. कार्यक्रम में नागरिक संघर्ष समिति के संरक्षक योगी मिश्रा, अध्यक्ष सरदार शैलेंद्र सिंह, रवि शंकर तिवारी, शिव कुमार, रणजीत सिंह, चंद्र प्रकाश पाठक, अभिनव सिंह, अभिनव गोस्वामी, अंकित सरगुजा, सूर्य पाठक, तरुण कुमार, पवन, सूरज सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, विक्की, सनी मोहन, सोनू गोस्वामी, राजू गोस्वामी, विकास, प्रहलाद पाठक, वीरू, अमन आदि कई लोग शामिल थे. इस मौके पर ट्रस्ट की ओर से सरदार शैलेंद्र सिंह, जोगी मिश्रा, रवि शंकर तिवारी, शिवकुमार आदि को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के अंत में सरदार शैलेंद्र सिंह ने देश भर के लोगों को बधाई दी.

न्यू बारीडीह में गुरुवार की देर शाम जगदीप सिंह उर्फ गोलू की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी

हत्या के चार दिन बाद भी मुख्य आरोपी गिरफ्त से बाहर

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना अंतर्गत न्यू बारीडीह में गुरुवार देर शाम जगदीप सिंह उर्फ गोलू की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी रोहित सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. इस मामले में मुख्य आरोपी करमजीत सिंह उर्फ कर्मे अब तक फरार है. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए परिजन थाना का चक्कर काट रहे हैं.सोमवार को भी परिजन सिदगोड़ा थाना पहुंचे. वहां एक बार फिर पुलिस ने गिरफ्तारी का आश्वासन दे दिया. वहीं देर शाम एक आरोपी आनंद सिंह को पुलिस ने दबोचने में सफलता पायी है .

विवाद के बाद कर दी गई थी हत्या

शव टिनप्लेट अस्पताल के शवगृह में रखा गया

इधर, घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी जगदीप के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है. जगदीप का शव टिनप्लेट अस्पताल के शवगृह में रखा गया है. परिजनों ने कहा कि जब तक हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक वे शव का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे.पुलिस लगातार परिजनों पर पोस्टमार्टम कराने का दबाव बना रही है.जगदीप के पिता अजीत सिंह ने बताया कि उनके दो बेटे थे, जिसमें से एक की मौत पांच माह पूर्व हो गई थी और दूसरे को पीट-पीट कर मार दिया गया. अब उन्हें इंसाफ के लिए भटकना पड़ रहा है.

गुरुवार को जगदीप अपने साथी विक्की को उसके घर कालूबगान में छोड़ने जा रहा था. इसी बीच रास्ते में बस्ती के ही कर्मे, नंदे और रोहित से उसका विवाद हो गया. हालांकि मौके पर स्थानीय लोगों ने दोनों के बीच सुलह करवा दिया गया था. देर शाम जगदीप जब विक्की को उसके घर छोड़कर लौट रहा था, तभी रास्ते में 15-20 युवकों ने उसे रोका और उसकी पिटाई करने लगे. मारपीट करने के बाद सभी जगदीप को अधमरा छोड़ मौके से फरार हो गए. स्थानीय लोगों द्वारा जगदीप को इलाज के लिए टिनप्लेट अस्पताल लेकर पहुंचे, पर रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया था.

रामभय हुआ चांडिल

भव्य झांकी के साथ निकली शोभायात्रा

संवाददाता। चांडिल

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के उपलक्ष्य पर चांडिल अनुमंडल क्षेत्र भी राममय हुआ. चांडिल मुख्य बाजार में चारों ओर भगवा पताका लहरा रहा है. पूजा-अर्चना करने के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही. चारों ओर जय श्री राम, जय जय श्री राम के नारा से वातावरण गुंजायमान हो उठा है. श्री श्री 108 कैलाश चांदी बजरंग दल अखाडा की ओर से विवेकानंद केंद्र परिसर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण किया जा रहा था. प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और अपने आराध्य देव के विराजमान होने का साक्षी बने. इस अवसर पर अनुमंडल क्षेत्र के लगभग सभी मंदिर और धार्मिक स्थलों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मंदिर और धार्मिक स्थलों में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्र के हरि मंदिरों में भी हरिनाम संकीर्तन किया गया.

मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, भक्तों के बीच महाप्रसाद का हुआ वितरण

सियावर रामचंद्र की जय से गुंजायमान हुआ आदित्यपुर

संवाददाता। आदित्यपुर

सोमवार को सुबह से ही आदित्यपुर के मंदिरों में सियावर रामचंद्र की जयघोष लगती रही. इस दौरान समूचा आदित्यपुर राममय रहा उनके नाम मंत्र से गुंजायमान होता रहा. मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जगह जगह महाप्रसाद का वितरण हुआ. मंदिर कमेटी के द्वारा 60 एमएम के एलसीडी लगा लोगों को अयोध्या से लाइव रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पूजन का प्रोग्राम दिखाया गया. एस टाइप स्थित वनांचल अखाड़ा में पुनः अर्चना के साथ भक्तों ने सिंदूर और अबीर की होली खेली. यहां मंदिर कमेटी के आमंत्रण पर भाजयुमो के प्रदेश कोषाध्यक्ष अनुराग जायसवाल सपत्नीक पूजन करने पहुंचे और भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया. कमेटी की ओर से श्रीराम ठाकुर और सुदर्शन प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया. वहीं एस टाइप हनुमान अखाड़ा में भी विशेष पूजन की गई. 60 एमएम का एलसीडी लगाकर भक्तों ने अयोध्या से लाइव पूजन कार्यक्रम देखी. यहां 100 किलोग्राम लड्डू का वितरण किया गया. मौके पर अखाड़ा कमेटी के मनोज सिंह, बबलू सिंह, अमित सिंह उर्फ बॉबी, विमल सिंह, विनोद सिंह, अजय सिंह, अनिल सिन्हा, अवधेश सिंह आदि सक्रिय रूप से पूजन कार्य मे शामिल रहे. जबकि आशियाना कॉलोनी में एसिया अध्यक्ष इंदर अग्रवाल के द्वारा मंदिर प्रांगण में विशेष पूजन और महाप्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसमें उद्यमियों के साथ सैंकड़ों की संख्या में रामभक्त शामिल हुए. जिसमें एसिया सचिव दिव्यांशु सिन्हा,

खास बातें

- लोगों ने देखा अयोध्या से लाइव प्रोग्राम का प्रसारण
- शोभायात्रा में लोगों ने जमकर लगाये नारे,बांटे प्रसाद

राजीव रंजन मुन्ना, प्रवीण गुटगुटिया, दशरथ उपाध्याय, सपन मजूमदार, लघु उद्योग भारती जिलाध्यक्ष ज्ञान जायसवाल, संजय शर्मा आदि शामिल हुए. वहीं इस मौके पर पुलिस-प्रशासन भी सुरक्षा को लेकर मुश्तैद रही. वे रामभक्तों की हौसलाफ़जई भी करते देखे गए. आदित्यपुर में एसडीएम पारुल सिंह, डीएसपी हेडक्वार्टर चंदन वत्स, प्रशिक्षु डीएसपी पूजा कुमारी, आदित्यपुर थाना प्रभारी राजन कुमार, सीओ गिरेन्द्र टूटी, आरआईटी थाना प्रभारी सागर लाल महथा सभी मंदिरों का भ्रमण कर मंदिर कमेटियों की हौसलाफ़जाई करते नजर आए साथ ही शांति पूर्वक पूजा- अर्चना करने एवं झांकी निकालने की अपील करते नजर आए. आदित्यपुर 2 कॉलोनी रोड नंबर 10 हनुमान मंदिर में मंदिर कमेटी की ओर से आयोजित विशेष पूजा- अर्चना कार्यक्रम में एसडीएम पारुल सिंह, डीएसपी हेडक्वार्टर चंदन वत्स सरायकेला बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश, पूर्व विधायक अरविंद सिंह , भाजपा नेता रमेश हांसदा सहित अन्य अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया. सभी अधिकारियों ने मंदिर कमेटी को शांति पूर्वक तरीके से पूजा- अर्चना संपन्न कराने की अपील की. सुबह में कई मंदिर कमेटियों के द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया. बैंक कोलोनी स्थित दुर्गा मंदिर से महिला भक्त संध्या सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में महिलाएं और पुरुषों ने जुलूस निकाला और लोगों को रामभक्ति में रम जाने का संदेश दिया.

गाजे बाजे के साथ निकली शोभा यात्रा

बहरागोड़ा: अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन सोमवार को बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ईचड़ाशोल अवस्थित हनुमान मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई. इस शोभा यात्रा में हाथ में बजरंगबली के झंडा लिए जय श्री राम के नारे लगाते हुए पूरे बाजार क्षेत्र का परिभ्रमण कर पंचमुखी बजरंगबली हनुमान मंदिर में समाप्त हुआ. जहां पर सभी ने पूजा अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया. वहीं युवाओं के नेतृत्व में यहां भंडारा आयोजित हुआ. साथ ही पंडित धीरेंद्र पांडे व दीपू पंडित के द्वारा रामायण पाठ किया गया. जिसे सुनने में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए थे. इस अवसर पर निर्मल दुबे, अशोक कुमार नायेक, हरिहर माईती, वासुदेव प्रधान, मनोज कुमार गिरी, नरेंद्र कुशवाहा ,कल्याण महाराज, हेमकांत भुँईया आदि उपस्थित थे.

भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा गया : गणेश महाली

आदित्यपुर। अयोध्या में सम्पन्न हुए रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पूजन के अवसर पर भाजपा नेता गणेश महाली ने भी भगवान की पूजा अर्चना की. उन्होंने इस मौके पर कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के निरंतर संघर्ष के बाद प्रभु श्री राम मंदिर के निर्माण का सपना सकार हुआ है. यह पूरे देश के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है. सौभाग्य से हम सभी इस पवित्र पल के साक्षी बने हैं. आज महान भारतीय संस्कृति और सभ्यता के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा गया है और एक नए युग की शुरुआत हुई है.

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा पर विवाह बंधन में बंधे युवक-युवती

संवाददाता। किरीबुरू

भगवान श्री राम की अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठान कार्यक्रम के शुभ अवसर पर सारंडा के करमपदा गांव निवासी मनोज शर्मा की पुत्री नेहा शर्मा ने झारसुगोडा. निवासी शिवा तांती के साथ परिणय सूत्र में बंध कर अपनी शादी को यादगार बनाया. वर व वधु पक्ष के लोग बैंड-बाजा-बाराती के साथ करमपदा से सीधे किरीबुरु स्थित ऐतिहासिक श्री श्री लोकेश्वरनाथ धाम मंदिर पहुंचे जहां मंदिर के पुजारी आलोक मिश्रा ने विधिवत पूजा-अर्चना व मंत्रोचारण कर दोनों की शादी कराया. इस दौरान सैकड़ों लोगों ने वर-वधु को आशीर्वाद दिया. इस मंदिर में सुबह से हीं विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन निरंतर जारी है. ऐसे में यह शादी और यादगार बन गया.

जमशेदपुर के साहब म्यूजैक का हिप-हॉप भजन हुआ रिलीज

संवाददाता। जमशेदपुर

आयोध्या में श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर झारखंड से फेमस नागपूरी हिप-हॉप गायक जमशेदपुर के साहब म्यूजैक ने राम आएंगे भजन को रिलीज किया है. यह गाना हिप-हॉप और भजन का एक मिश्रण है. साहब ने यूट्यूब चैनल लोकल वाइब्स स्टूडियो को पश्चिमी संगीत को स्थानीय भाषा के साथ मिलाकर नए अंदाज में प्रस्तुत करने के लिए शुरू किया है. उनके लगभग 2 लाख सब्सक्राइबर्स हैं. वे हिंदी और झारखंड के बोले जाने वाले सादरी/नागपुरी भाषा में भी काफी हिट रैप गाने दे चुके हैं जिनपे करोड़ों व्यूज हैं. साहब कहते हैं कि उनका मुख्य उद्देश्य संगीत के माध्यम से परंपरा और सांस्कृति को युवाओं तक पहुंचाना है, ताकि वो अपने भूमि के बारे में और अधिक जान सकें.

खास बातें

- यह गाना हिप-हॉप और भजन का एक मिश्रण है
- प. संगीत को स्थानीय भाषा में नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया

अग्निवीर युवाओं के करियर के साथ खूबसूरत मजाक : हृदयानंद

संवाददाता। आदित्यपुर

झारखंड के 24 जिले में कांग्रेस पार्टी सैन्य प्रकोष्ठ का गठन करेगा. जिसकी शुरुआत सरायकेला खरसावां जिले से होगी. उक्त बातें पूर्व सैनिक और सैन्य वीर पुरस्कार से पुरस्कृत सेवानिवृत्त सूबेदार और कांग्रेस के सैन्य प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष हृदयानंद यादव ने एक प्रेसवार्ता में कही. उन्होंने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नीति कार्यरत सेना और पूर्व सैनिकों के प्रति बेहतर नहीं है. उन्होंने कहा कि देश में अग्निवीर के नाम पर सेना में भर्ती लेकर देश के होनहार युवाओं के कैरियर के साथ खूबसूरत मजाक किया गया है. सूबेदार हृदयानंद यादव ने दावा किया की केंद्र सरकार की गलत नीतियों के ही वजह से 63 अग्निवीर युवाओं ने आत्महत्या कर ली. उन्होंने बताया कि मात्र 4 वर्ष के लिए अग्निवीर की बहाली क्यों की जा रही है, मात्र .25 युवाओं को ही स्थायी क्यों किया जा रहा है. इसमें काफी त्रुटियां है. उन्होंने कहा कि विश्व भर में भारतीय सेना बेहतर है क्योंकि वह अपनी धरती को माता कहते हैं, लेकिन ऐसे वीर सपूतों के लिए वर्तमान की केंद्र सरकार बेहतर नीति नहीं बना रही है यह दुखद है. उनके साथ प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता सांसद प्रतिनिधि जगदीश नारायण चौबे, कांग्रेस उद्योग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नरेश कुमार सिंह, अनामिका सरकार आदि शामिल थे.

सरायकेला-खरसावां जिले में छोटे व बड़े माल वाहक के परिचालन पर रोक

संवाददाता। आदित्यपुर

सोमवार को यूपी के अयोध्या में प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पूजन का आयोजन को लेकर देशभर में प्रशासन हाई अलर्ट है. इसी के तहत जिले की सड़कों पर निकलने वाले रामभक्तों के जुलूस आदि को देखते हुए सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने जिले में सभी प्रकार के छोटे-बड़े व्यावसायिक वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी है. जिला परिवहन विभाग ने जारी आदेश में छोटे-बड़े व्यावसायिक वाहनों के परिचालन और जिले में प्रवेश पर रोक के साथ सड़कों पर ट्रिपल राइडिंग और रैश ड्राइविंग पर सख्त कार्रवाई का आदेश जारी किया गया है. यह आदेश ट्रैफिक पुलिस के साथ जिले के सभी थानों को प्रेषित कर उन्हें कड़े निर्देश दिए गए हैं. इसके निमित चौक चौराहों पर सुबह 9 बजे से ही दंडाधिकारी के साथ पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित कर दी गई है. बता दें कि इसके अलावा जिले के विभिन्न थानों में आपात स्थिति में शांति समिति की बैठक कर सदस्यों को शांतिपूर्ण तरीके से प्रभु राम के आगमन की खुशियां मनाने का आग्रह किया गया है. इसमें बगैर एसडीएम कार्यालय की अनुमति के जुलूस आदि नहीं निकालने की चेतावनी दी गई है.

खास बातें

- सड़कों पर ट्रिपल राइडिंग और रैश ड्राइविंग पर सख्त
- चौक चौराहों पर सुबह 9 बजे से ही दंडाधिकारी हुए तैनात

प्रयास रंग लाया

इलाज के लिए दर-दर भटक रही राउरकेला की रहने वाली महिला

उपायुक्त ने तत्काल भेजवाया एमजीएम, भर्ती हुई

संवाददाता। जमशेदपुर

राउरकेला की रहने वाली बबीता अंजली कौर ने एमजीएम अस्पताल के होमगार्ड जवानों पर मारपीट करने और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है. पीड़िता दो दिनों से उपायुक्त और एसएसपी कार्यालय के पास अपनी 10 वर्षीय बच्ची के साथ न्याय की आस में बैठी हुई है. बबीता अंजली कौर के अनुसार उसे किडनी में स्टोन की शिकायत है. उसकी 10 वर्षीय बच्ची रानी कौर भी किडनी की समस्या से पीड़ित है. राउरकेला से रामगढ़ ट्रेन से जाने के दौरान तबीयत बिगड़ने पर उसे 14 दिसंबर को चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया था.

उपायुक्त कार्यालय के बाहर बैठी महिला व उसकी बच्ची

यहां से उसे एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया. एमजीएम अस्पताल में इलाज के क्रम में उसकी बेटी की भी तबियत बिगड़ गई. अस्पताल में उसे बताया गया कि कुछ टेस्ट करवाने होंगे. जिसे करवाने में बबीता असमर्थ थी. बाद में उसे एमजीएम से रिम्स रेफर करने की बात कहते हुए अस्पातल से बाहर कर दिया है. बबीता कौर ने आरोप लगाया कि इलाज के क्रम में उसे कुछ नर्स और होमगार्ड जवानों द्वारा परेशान किया गया. अब महिला अपना और अपनी बेटी का इलाज कराने के लिए भटक रही है. पीड़िता ने उपायुक्त और एसएसपी को भी पूरे मामले से अवगत कराया है.

खास बातें

- मां और बेटी दोनों किडनी में स्टोन से परेशान थी
- इलाज करवाने के लिए नहीं थे पैसे, शहर में भटक रही थी

वायुसेना के रिटायर्ड अफसर का राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

संवाददाता। जमशेदपुर

जुगसलाई गुरुद्वारा गौरीशंकर रोड के कार्यवाहक प्रधान सुरेंद्र सिंह के पिता और वायुसेना के रिटायर्ड अफसर बलवंत सिंह का सोमवार को दाह संस्कार पार्वती घाट में हुआ. इसके पहले 11 बजे जुगसलाई स्थित गौरीशंकर रोड निवास से उनकी शव यात्रा निकली जो गुरुद्वारा में थोड़ी देर के लिए रुकी. यहां सभी प्रतिनिधियों ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा गुरु महाराज के समक्ष अरदास के बाद पार्थिव शरीर को पार्वती घाट ले जाया गया. इस मौके पर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार भगवान सिंह झारखंड प्रदेश गुरुद्वारा के प्रधान सरदार शैलेंद्र सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, चंचल सिंह, रामगढ़िया सभा के प्रधान केपी बंसल, ट्रस्टी एवं संत कुटिया गुरुद्वारा के प्रधान जसवीर सिंह संधू, सीनियर उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह बब्बू, महासचिव ताजवीर कलसी, रतन सिंह, स्टेशन रोड गुरुद्वारा के चेयरपर्सन हरदीप सिंह, महासचिव कमलजीत सिंह, सेमी समेत लगभग सभी गुरुद्वारा कमेटियों के प्रतिनिधि व सैकड़ों लोग मौजूद थे.

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रैवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन।

आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कटरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।

- FLIGHT TICKETS
- CRUISE BOOKING
- HOTEL BOOKING
- TRAIN TICKET
- TAXI SERVICE
- CURRENCY EXCHANGE
- HOLIDAY PACKAGES
- GROUP BOOKINGS
- E VISA SERVICE
- INTERNATIONAL TOUR PACKAGES

BOOKING
Call 8527271652-ved

तुलसी का रामराज्य

राम राज बैठे त्रैलोका, हर्षित भए गए सब सोका

डॉ हाराधन कोईरी

श्रीराम चौदह वर्ष वनवास के बाद जब अयोध्या के राजसिंहासन पर बिराजमान हुए तब पूरी वसुधा उपकृत हो उठीं. जनमानस भाव-विभोर हो उठे. उनके वर्षों की इच्छा पूरी हुई. रामराज्य स्थापित हो गया. कल सम्पूर्ण भारत वर्ष एक बार फिर से उसी गौरव पूर्ण क्षण का साक्षी हुआ. रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई. आशा है अब भारत वर्ष में रामराज्य आएगा. सर्वत्र शांति, मैत्री का वातावरण रहेगा और गांधी जी का रामराज्य का सपना भी पूरा होगा.

महाकवि तुलसीदास राम काव्य परम्परा के महानतम कवियों में से एक हैं जिन्होंन राम की दिव्यता, भव्यता और शुभ्रता को वैश्विक पटल पर उपस्थापित कर दिया है, वह अतुलनीय है. इस संदर्भ में डॉ. आनन्द नारायण शर्मा लिखते हैं – "रामकथा इस देश के लिए कोई नयी चीज नहीं थी. वह तुलसी से पहले भी बहुत बार कही-सुनी जा चुकी थी. फिर भी उसे तुलसी ने जिस रूप में उपस्थित किया, उनसे पहले का कोई कवि उसे वह रूप नहीं दे पाया था." तुलसी के रामराज्य में शांति, समृद्धि और समरसता थी. जहां किसी प्रकार का कोई मतभेद नहीं था. सभी अपने-अपने स्वधर्म पर रत थे -

"राम राज बैठें त्रैलोका।
हरषित भए गए सब सोका।।
बयरु न कर काहू सन कोई ।
राम प्रताप बिषमता खोई।।"

चारों वर्ण और आश्रम के लोग अपने-अपने कर्म में मग्न थे. वे सभी वेद मार्ग पर चल रहे थे जिसके कारण उन्हें न किसी बात का भय था, न शोक और न रोग ही सताता था. वे आनन्दमय जीवन व्यतीत कर रहे थे

"बरनाश्रम निज निज धरम निरत बेद पथ लोग ।
चलहिं सदा पावहिं सुखहिं नहिं भय सोक न रोग।"

मनुष्य के जीवन में तीन प्रकार की पीड़ा होती है- दैहिक, दैविक और भौतिक. किन्तु रामराज्य में इन सब पीड़ा से मुक्त थे. सभी नर-नारी एक दूसरे से परस्पर प्रेम करते थे. वेदों में बताई गई नीति और मर्यादा का पालन करते थे-

"दैहिक दैविक भौतिक तापा।
राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।।
सब नर करहिं परस्पर प्रीती।
चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।"

धर्म के चारों चरण से जगत् परिपूर्ण हो गया था. सभी स्त्री-पुरुष राम की भक्ति में लीन थे. गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि रामराज्य में सभी लोग परमगति के अधिकारी हो गये थे-

"राम भगति रत नर अरु नारी।
सकल परम गति के अधिकारी।।"

किसी की अल्पायु में मृत्यु नहीं होती थी. न कोई गरीब थे, न कोई दुखी. सभी शुभ गुणों से युक्त थे. सभी नर-नारी उदार और परोपकारी थे. पुरुष एक पत्नी व्रती थे तो स्त्री भी मन,कर्म और वचन से पतिव्रता थीं. आज भारत वर्ष को ही नहीं पूरे विश्व को इस भाव को लेकर आगे बढ़ना चाहिए.

किसी भी राष्ट्र की समृद्धि में उस देश के किसानों की बड़ी भूमिका होती है. रामराज्य में किसानों की स्थिति भी बहुत अच्छी थी. फसलों की उपज अच्छी थी. खेत हमेशा हर भरा रहता था-

"ससि संपन्न सदा रह धरनी।
त्रेतां भइ कृतयुग कै करनी।।"

राम अपने भाइयों संग सरयू में स्नान करते थे. घर आकर सभा में बैठते. तब वशिष्ठ वेद पुराण की कथा सुनाते थे. राम भाइयों के साथ बैठकर भोजन करते थे जिसे देखकर उनकी माताएं आनन्द से भर जाती थीं. आज समाज में जमीन जायदाद को लेकर भाई-भाई में द्वंद्व छिड़ा हुआ रहता है. इसलिए गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं जरा मेरे राम की ओर निहारो-

"अनुजन्ह संजुत भोजन करहिं।
देखि सकल जननीं सुख भरहीं।"

अवधपुरी में घर-घर वेद, पुराण और राम के चरित्रों की कथा होती थी. राम के शील स्वभाव का गुणगान करते-करते अयोध्या के नर-नारी का दिन-रात बीत जाता था. कैसा दिव्यमय समय था -

"नर अरु नारी राम गुन गानहिं।
करहिं दिवस निसि जात न जानहिं।।"

गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं जहां के राजा रामचन्द्र हों, उस अवधपुरी की सुख- समृद्धि का क्या कहना-

"अवधपरी बासिन्ह कर सुख संपदा समाज।
सहस सेष नहिं कहि सकहिं जहँ नृप राम बिराज।।"

सारिका भूषण

जय श्री राम!

रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे, रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः ।।

हिन्दू धर्म का यह शक्तिशाली मंत्र भगवान श्री राम के कई नामों को संबोधित करता है. यह रघु कुल के वंशज राम की स्तुति है. यह उन्हें माता सीता का पति और सबसे सम्मानित व्यक्ति कहता है, जो दुख को समाप्त करता है और खुशी को बढ़ावा देता है.

पूरे ब्रह्मांड में निहित

राम नाम में आपार शक्ति है. इसमें तीन अक्षर है- र, आ तथा म. राम शब्द त्रिगुणातीत है. हिंदू पौराणिक कथाओं में, राम भगवान विष्णु के सातवें अवतार हैं. राम यानी रम् का अर्थ है रमण, रमना या निहित होना, निवास करना और घम का अर्थ है ब्राह्मण का खाली स्थान. इस प्रकार राम का अर्थ पूरे ब्रह्मांड में निहित या रमा हुआ तत्व या स्वयं ब्रह्म है.

राम जी को हिंदू धर्म के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है. "जय श्री राम" का जाप ही समाज में आपकी पहचान बनाने के लिए काफी माना जाता है. भगवान कृष्ण के अलावा, श्री राम भगवान हिंदू इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण विष्णु अवतारों में से एक माने जाते हैं. धरती पर उनके जन्म का उद्देश्य असुर राज रावण का वध करना था और मानव जाति के लिए बेहतर मार्ग निर्धारित करना था ताकि वे उसका अनुसरण कर सकें. उन्होंने ही धर्म के मार्ग की स्थापना की.

पौराणिक धर्म ग्रंथों में राम सिर्फ एक नाम नहीं है, बल्कि इसे एक महामंत्र माना गया है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, सिर्फ राम नाम का जाप करने से ही भक्तों को समस्त दुखों से मुक्ति मिल जाती है.

विजय मंत्र है जय श्री राम

जय श्री राम मन्त्र का तात्पर्य- 'श्री', 'राम' और 'जय' तीन शब्दों का एक खास क्रम में दुहराव हो रहा है. 'श्री' का यहां अर्थ लक्ष्मी स्वरूपा 'सीता' या शक्ति से है, वहीं राम शब्द में 'रा' का तात्पर्य 'अग्नि' से है... 'अग्नि' जो 'दाह' करने वाला है तथा संपूर्ण दुष्कर्मों का नाश करती है. 'म' यहां 'जल तत्व' का प्रतीक है. जल को जीवन माना जाता है, इसलिए इस मंत्र में 'म' से तात्पर्य जीवत्मा से है. कहा जाता है कि वह शक्ति जो संपूर्ण दूषित कर्मों का नाश करते हुए जीवन का वरण करती हो या आत्मा पर विजय प्राप्त करती हो. अतः यह विजय मंत्र भी कहलाता है. राम कार्रवाई के प्रतीक के रूप में कार्य करता है, वीरता का पांचवां तत्व. भारतीय धर्म संस्कृति में भगवान राम आदर्श व्यक्तित्व के प्रतीक हैं. मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम का नाम ही छोटा सा शक्तिशाली महामंत्र है, जिसके सिर्फ जपने से ही व्यक्ति को सही मार्ग दिखने लगता है. हिंदू धर्म के अनुसार, राम का नाम इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक लिया जाता है. भगवान राम का जाप करने से व्यक्ति को सही कार्य करने की शिक्षा मिलती है.

धैर्य की परकाष्ठा

ब्रह्मा जी के पुत्र दरीची, दरीची के पुत्र महर्षि कूर्म कश्यप के वंश से जो सूर्यवंश हुआ उसी के इक्षवा कुल में श्री राम का जन्म हुआ. इन्हें रामचंद्र भी कहते हैं. रामायण के अनुसार, महाराज दशरथ और रानी कौशल्या के सबसे बड़े पुत्र, सीता के पति व लक्ष्मण, भरत तथा शत्रुघ्न के भ्राता थे. उन्होंने मर्यादा, करुणा, दया, सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलते हुए राज किया. इस कारण उन्हें आदर्श पुरुष और मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा जाता है. भगवान राम में अनेक गुण हैं, जोकि हर व्यक्ति में जरूर होना चाहिए. भगवान श्रीराम में सहनशीलता और धैर्य की परकाष्ठा का विशेष गुण है.

भगवान राम को रघुनंदन, रमण, रामरज, रामकिशोरे, रामजी, रमित, रमेश, रामदेव, रामदास, रामचरण, रामचंद्रा, रामाया, रामानंद, रमोजी जैसे नाम से भी पुकारा जाता है.

पूर्ण ब्रह्म का द्योतक राम

राम-राम शब्द दो बार कहने से पूरा हो जाता है,क्योंकि हिंदी वर्णमाला में "र" 27वां अक्षर है. 'आ' की मात्रा दूसरा अक्षर और 'म' 25वां अक्षर, इसलिए सब मिलाकर जो योग बनता है वो है 27 + 2 + 25 = 54, अर्थात एक "राम" का योग 54 हुआ. और दो बार राम राम कहने से 108 हो जाता है जो पूर्ण ब्रह्म का द्योतक है.

महिमा अपरंपार

गोस्वामी तुलसीदासजी का कहना है—'राम-नाम' राम से भी बड़ा है. राम ने तो केवल अहिल्या को तारा, किन्तु राम-नाम के जप ने करोड़ों दुर्जनों की बुद्धि सुधार दी. समुद्र पर सेतु बनाने के लिए राम को भालू-वानर इकट्ठे करने पड़े, बहुत परिश्रम करना पड़ा परन्तु राम-नाम से अपार भवसिन्धु ही सूख जाता है. राम नाम की महिमा शास्त्रों में कई रूपों में वर्णित है. कई दृष्टांत सामने आए हैं जिससे रामनाम की महिमा सिद्ध हुई है. भगवान राम सबके आराध्य हैं, बस इस राम को खुद में बसाने के लिए आध्यात्मिक दृष्टि जगाने की जरूरत है. तभी सार्थक होगा " राम " नाम और स्थापित होगा राम-राज्य ! जय श्री राम !!

1528 से 22 जनवरी 2024 तक राम जन्मस्थान पर मंदिर के लिए 500 साल चले जनसंघर्ष की कहानी

अथ श्री मंदिर संघर्ष कथा

सरयू नदी के पवित्र तट बसी पवित्र अयोध्या नगरी. अयोध्या यानी जिसे शत्रु जीत न सकें. अयोध्या यानी हजार किस्से-कहानियों का शहर. श्री राम के जन्म, लीलाओं व चमत्कार का साक्षी शहर. अब जब करीब 500 वर्षों के जनसंघर्ष के बाद राम लला वापस आए, मन पलट कर पीछे की सारी बातें याद करता है-

1526 : बाबर ने हिन्दुस्तान में मुगल सल्तनत की नींव डाली और राजधानी बनी आगरा. 2 साल के भीतर ही बाबर की काली नजर अयोध्या पर पड़ी.

1528 : बाबर ने उस मंदिर को तोड़ दिया गया जहां हिन्दू सदियों से राम की पूजा करते थे. बाबरी मस्जिद बना दी. हिंदु सदियों तक इस चोट से आहत रहे.

1857 : अंग्रेजों का भारत आगमन हो चुका था. अयोध्या में वैरागियों ने बाबरी मस्जिद के बाहरी हिस्से पर चबूतरा बना लिया और पूजा शुरू की.

1858 : 30 नवंबर को बाबरी मस्जिद के मौलवी मो असगर ने चबूतरा निर्माण व मस्जिद की दीवारों पर राम-राम लिखने की शिकायत की.

1859 : अंग्रेजों ने झगड़े वाली जगह को दो हिस्सों में बांटा. मुसलमानों को मस्जिद के अंदर का हिस्सा दिया वहीं हिंदुओं को बाहर चबूतरे के पास पूजा करने की इजाजत मिली.

1885 : महंत रघुवरदास ने कचहरी अर्जी देकर 17 बाय 21 फीट लम्बे-चौड़े चबूतरे को जन्मस्थान बताया, मंदिर बनाने की अनुमति मांगी. सुनवाई नहीं हुई.

1947 : देश की स्वतंत्रता के बाद हिंदुओं ने चबूतरे पर फिर से मंदिर निर्माण करना चाहा. लेकिन फैजाबाद के सिटी मजिस्ट्रेट शफ़ी ने इस कोशिश को खारिज कर दिया.

1949 : 23 दिसंबर की सुबह अयोध्या में ये बात फैल गई कि पिछली रात विवादित मस्जिद के ठीक नीचे रामलला प्रकट हुए हैं. कहा जाता है कुछ साधुओं यह काम किया.

1950 : दो मुकदमे दायर हुए. एक गोपाल सिंह विशारद का था, दूसरा था महंत रामचंद्र परमहंस का. इन्होंने पूजा पर रोक न लगाने व विवादित ढांचे से मूर्तियों को न हटाने की मांग की.

1951 : निर्मोही अखाड़े ने तीसरा मुकदमा दायर किया. ये तीनों केस हिन्दू पक्ष के थे. तीसरे मुकदमे में भी सही मांग थी.

1961 : सुन्नी वक्फ बोर्ड व स्थानीय मुसलमानों ने मुकदमा दायर किया गया. इन्होंने विवादित जगह के पजेशन की मांग की. इन चारों मामलों की एक साथ सुनवाई होने लगी.

1984 : दिल्ली के विज्ञान भवन में धर्म संसद बुलाई गई. यहां इन तीनों स्थानों की मुक्ति का प्रस्ताव पास किया गया. जनकपुर से एक रथ यात्रा निकाली.

1989 : जून में बीजेपी ने सरकार से मांग की कि कोर्ट इस मामले का फैसला नहीं कर सकती. सरकार समझौते से या संसद में कानून बनाकर राम जन्मस्थान हिंदुओं को सौंप दे.

1990 : 25 सितंबर को आडवाणी ने सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे का नारा लगाते हुए रथ यात्रा निकाली. राम लहर की तरंगें निकल पड़ी. दंगे हुए, जानें गईं. 30 अक्टूबर को इस रथ को अयोध्या पहुंचना था. बिहार के सीएम लालू यादव ने आडवाणी को गिरफ्तार कर रथ यात्रा रोक दी. अयोध्या में घमासान हुआ. कारसेवकों के खून से लाल हो गई सरयू.

1992 : 6 दिसंबर हिंदू संगठनों के लाखों कार्यकर्ताओं ने विवादित ढांचे व बीच के गुंबद को तोड़ दिया और मस्जिद की एक-एक ईंट उखाड़कर मलबे पर अस्थायी मंदिर बना दिया.

2009 : विध्वंस जांच के लिए बनी लिब्राहन कमीशन ने पीएम मनमोहन सिंह को रिपोर्ट सौंपी. इसकी टिप्पणियों को पब्लिक डोमेन में नहीं लाया गया.

2010 : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस मामले में पहला फैसला देते गुंबद वाली जमीन को रामलला का जन्म स्थल मान रामलला विराजमान को दी. राम चबूतरा और सीता रसोई की जमीन निर्मोही अखाड़ा को दी गई. शेष एक तिहाई जमीन सुन्नी वक्फ बोर्ड को दी.

2011 : सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर रोक लगा दी.

2017 : मामले को कोर्ट के बाहर सुलझाने की कोशिश हुई. लेकिन प्रयास कामयाब नहीं हो सका.

2019 : 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया कि संपूर्ण 2.77 एकड़ विवादित जमीन पर हक हिन्दुओं का है. अदालत ने मस्जिद निर्माण के लिए दूसरी अहम जगह पर 5 एकड़ जमीन देने का आदेश दिया.

2020 : 5 अगस्त को नरेंद्र मोदी ने कोरोना की पाबंदियों के बीच राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया.

2023 : 22 जनवरी को भव्य मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की गई.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

सऊदी अरब ने किर्गिस्तान को 2-0 से हराया

अल रेयान (कतर)। सऊदी अरब ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहे किर्गिस्तान को 2-0 से हराकर एक मैच शेष रहते एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट में जगह बनाई. यहां अहमद बिन अली स्टेडियम में सऊदी अरब की ओर से मोहम्मद केनो और फैजल अल घामदी ने एक-एक गोल किया. इस जीत से तीन बार का चैंपियन सऊदी अरब ग्रुप एफ में शीर्ष पर पहुंच गया है. सऊदी अरब के दो मैच में छह अंक है और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद थाईलैंड पर दो अंक की बढ़त बना रखी है. थाईलैंड ने ओमान से गोल रहित ड्रॉ खेला.

भारतीय डेविस कप टीम ने शुरू की तैयारी

नयी दिल्ली। भारतीय डेविस कप टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रास कोर्ट पर खेले जाने वाले आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए यहां कड़ाके की ठंड में आयोजित शिविर में तैयारी शुरू कर दी है. इस तैयारी शिविर में टीम का ध्यान अभ्यास के साथ दूसरे एकल मुकाबले को खेलने वाले खिलाड़ी को तय करने पर होगा. देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल (137वीं रैंकिंग) और शशि कुमार मुकुंद (463वीं रैंकिंग) ने इस्लामाबाद में तीन और चार फरवरी को होने वाले मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया है. उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि रामकुमार टीम में एकमात्र एकल विशेषज्ञ खिलाड़ी हैं.

पीसीबी की बदहाली के लिए जका अशरफ हैं जिम्मेदार

कराची। पूर्व कप्तान और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष इंजमाम उल हक ने पिछले साल भारत में हुए एकदिवसीय विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के निवर्तमान प्रमुख जका अशरफ को जिम्मेदार ठहराया है. जुलाई में पीसीबी के संचालन के लिए अंतरिम प्रबंधन समिति के प्रमुख बनाए गए जका ने कुछ दिन पहले समिति की एक बैठक में घोषणा की थी कि वह अध्यक्ष और बोर्ड के सदस्य के रूप में तुरंत इस्तीफा दे रहे हैं. इंजमाम को टूर्नामेंट की समाप्ति के बाद 'हितों के टकराव' के आरोपों के कारण हटा दिया गया था. उन पर आरोप था कि उनका प्रबंधन ब्रिटेन स्थित कंपनी द्वारा किया जाता है जो कुछ सक्रिय खिलाड़ियों के व्यावसायिक हितों को भी देखती है.

रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन ने नीदरलैंड के वेस्ली व क्रोएशिया के निकोला की जोड़ी को सीधे सेटों में हराया

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः क्वार्टरफाइनल में पहुंची बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी

एजेंसी। मेलबर्न

भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को मेलबर्न में नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6 7-6 से जीत दर्ज की. बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दोनों सेट में शुरुआत में ही सर्विस गंवाई लेकिन 14वीं वरीय जोड़ी के खिलाफ वापसी करते हुए जीत दर्ज की. बोपन्ना और एब्डेन क्वार्टर फाइनल में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलटेनी की अर्जेन्टीना की छठी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे.

बोपन्ना ने नेट पर शानदार खेल दिखाया

हाल में डेविस कप से संन्यास लेने वाले बोपन्ना ने हालांकि कुछ शानदार बैकहैंड के साथ वापसी करते हुए अंक जुटाए. पहले सेट के सातवें गेम में कूलहोफ और मेकटिक की जोड़ी ने कुछ सहज गलतियां की और भारत-ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को वापसी का मौका दिया. बोपन्ना ने इसके बाद नेट पर शानदार खेल दिखाया और ढेरो अंक बटोरे. दूसरे गेम की शुरुआत में भी बोपन्ना ने सर्विस गंवाई जिससे नीदरलैंड-क्रोएशिया की जोड़ी 4-2 से आगे हो गई. टाईब्रेकर में बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने 3-0 की बढ़त बनाई और फिर सेट और मैच जीत लिया. दूसरी ओर वर्ल्ड के नंबर-3 खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए. मेदवेदेव तीसरी बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे.

भारत और इंग्लैंड के बीच 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होगी टेस्ट सीरीज

रोहित शर्मा पर रहेंगी निगाहें

एजेंसी। नई दिल्ली

क्रिकेट में एक सीरिज खत्म नहीं होती है कि दूसरी की तैयारी शुरू हो जाती है. वही भारत के साथ है. अफगानिस्तान के बाद भारत का अगला मुकाबला इंग्लैंड के साथ होनेवाली है. दोनों ही देशों के खिलाड़ी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भाग लेने जा रहे हैं. टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाना है. वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के मौजूदा सीजन के लिहाज से भारत-इंग्लैंड सीरीज काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है. क्योंकि इस सीरिज में टीम इंडिया के बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत रविचंद्रन अश्विन पर भी निगाहें रहेंगी. हालांकि विराट कोहली को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो मैचों से बाहर हो गए हैं. यानी वो शुरुआती दो मैच नहीं खेलेंगे. इस बात की जानकारी खुद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने दी है. हालांकि इसी तरह का झटका इंग्लैंड को भी लगा है. उनके टीम के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक भारत टेस्ट दौरे से बाहर हो गए हैं. ब्रूक निजी कारणों के चलते जल्द ही स्वदेश लौटेंगे. इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने ये जानकारी दी है कि हैरी ब्रूक व्यक्तिगत कारणों से इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम के भारत दौरे से तत्काल प्रभाव से स्वदेश लौटने के लिए तैयार हैं. वह भारत वापस नहीं लौटेंगे.

11 मार्च से धर्मशाला में होगा सीरीज का आखिरी टेस्ट

मुकाबले के लिए इंग्लैंड की टीम हैदराबाद पहुंच गई है

बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा. इसके लिए इंग्लैंड की टीम हैदराबाद पहुंच गई है. वहीं, भारतीय टीम भी जल्द ही हैदराबाद पहुंचेगी. इस सीरीज के लिए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने तैयारी शुरू कर दी है. वह मुंबई में नेट्स में बल्लेबाजी का अभ्यास करते दिखे. सीरीज का आखिरी टेस्ट 11 मार्च से धर्मशाला में खेला जाएगा. हिटमैन ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से इस प्रारूप में वापसी की थी. शुरुआती दो मैचों में विफल रहने के बाद उन्होंने तीसरे टी20 में जबरदस्त वापसी की थी और शानदार शतक जड़ा था. अब उनकी नजर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमाल करने की होगी. रोहित का इंग्लैंड के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रहा है. उन्होंने इस टीम के खिलाफ नौ टेस्ट की 17 पारियों में 49.80 की औसत से 747 रन बनाए हैं. इनमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 161 रन है.

अश्विन सीरीज में 13 विकेट लेते ही एशिया में भी 400 विकेट पूरे कर लेंगे

रविचंद्रन अश्विन टेस्ट में 500 विकेट पूरे करने से महज 10 विकेट दूर हैं. वह 95 टेस्ट खेल चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ 25 जनवरी से शुरू हो रही 5 मैचों की सीरीज में 100वां टेस्ट खेल सकते हैं. अश्विन सीरीज में 13 विकेट लेते ही एशिया में भी 400 विकेट पूरे कर लेंगे. मौजूदा स्पिनर्स में ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन ही अश्विन से ज्यादा टेस्ट विकेट ले सके हैं लेकिन वह एक विकेट लेने के लिए 63 गेंदें फेंकते हैं. जबकि अश्विन हर 51वीं बॉल पर ही विकेट झटक लेते हैं. जो उनसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले 8 बॉलर्स से बेहतर है.

जेम्स एंडरसन भी इस सीरीज के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं

दूसरी तरफ इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी इस सीरीज के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं. इसके लिए अपने बॉलिंग रन-अप में थोड़ा बदलाव कर रहे हैं. पूर्व तेज गेंदबाज डेरेन गॉफ ने कहा है कि जेम्स एंडरसन का नया रन-अप अपनाना लंबे प्रारूप के प्रति उनके मजबूत समर्पण को दर्शाता है. 41 साल के हो चुके जेम्स एंडरसन ने कहा था कि उन्हें एशेज सीरीज के दौरान पिछले साल उम्मीद के मुताबिक रिजल्ट नहीं मिला और इसलिए वह यह सुनिश्चित करने के लिए छोटे-मोटे बदलाव करना चाहते थे कि उन्हें भारत में सफलता मिले.

747 रन बनाए हैं रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ नौ टेस्ट में

161 रन सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर रोहित का इंग्लैंड के खिलाफ

भारतीय कंडीशन में रोहित का बल्ला और चलता है

भारतीय कंडीशन में तो रोहित का बल्ला और चलता है. उन्होंने भारतीय सरजमीं पर 24 टेस्ट की 36 पारियों में 66.73 की औसत से 2002 रन हैं. इनमें आठ शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं. 2021 में इंग्लैंड के भारत दौरे के समय रोहित ने चार टेस्ट की सात पारियों में 57.50 की औसत से 345 रन बनाए थे. इसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं.

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा : केशव

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सराहना करते हुए उम्मीद जतायी कि यह पूरी मानवता के लिए शांति और सद्भाव लाएगा. महाराज जब क्रिकेट के मैदान पर उतरते हैं तब आम तौर पर स्टेडियम में 'राम सिया राम' की धुन बजने लगती है. इस 33 साल के वामहस्त स्पिनर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की सराहना करते हुए अपने सोशल मीडिया पेज पर एक वीडियो साझा किया. इस वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि मैं महेश कुमार (जोहानिसबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूत) और दक्षिण अफ्रीका में पूरे भारतीय समुदाय को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं. यह सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान लाए. केशव महाराज के परिवार का ताल्लुक मूल रूप से उत्तर प्रदेश ये है. उन्होंने हाल ही में भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति के बारे में बात की थी. उन्होंने कहा कि इस धुन से वह सहज महसूस करते हैं. उन्होंने कहा था कि भगवान मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत है. जब भी मुझे कुछ ऐसा करने का मौका मिलता है, मैं ऐसा करने की कोशिश करता हूं. इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है और दूसरे खिलाड़ियों का सम्मान भी मिलता है. धर्म और संस्कृति का सम्मान करना महत्वपूर्ण है लेकिन स्टेडियम में

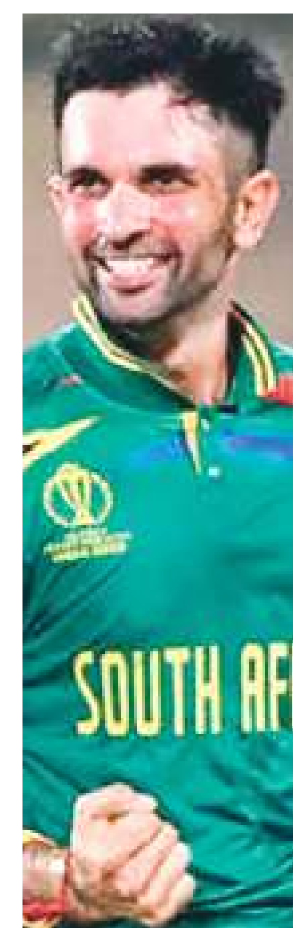

'राम सिया राम' को बजते हुए सुनना अच्छा लगता है. अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा की गयी. इस कार्यक्रम को लाखों लोगों ने अपने घरों और पूरे भारत के मंदिरों में टेलीविजन पर देखा.

इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे प्रणय

एजेंसी। जकार्ता

स्टार एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे क्योंकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है. लगातार दो टूर्नामेंट मलेशिया मास्टर्स 1000 और इंडिया ओपन 750 में उपविजेता रहने के बाद एशियाई खेलों की चैंपियन सात्विक और चिराग की जोड़ी ने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए काम के बोझ को कम करने के लिए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया.

भारतीय जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट की चमक कुछ कम होगी लेकिन दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय अपना अच्छा प्रदर्शन जारी

रखते हुए भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे. पुरुष एकल में 32 खिलाड़ियों में ड्रॉ में सातवीं वरीयता के साथ प्रणय एकमात्र वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी हैं. वह अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर के लोह कीन यीयु के खिलाफ करेंगे जिनके खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 4-1 है. दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी यीयु ने प्रणय के खिलाफ एकमात्र मुकाबला 2021 विश्व चैंपियनशिप के दौरान जीता था. इसके बाद प्रणय ने यीयु को लगातार दो मुकाबलों में हराया. उन्होंने सिंगापुर के खिलाड़ी को पिछली बार पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के दौरान हराया था. प्रणय पिछले हफ्ते इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंचे थे जहां उन्हें बाद में चैंपियन बने चीन के शी युकी के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी.

इससे पहले वह मलेशिया ओपन सुपर 1000 के पहले दौर में हार गए थे. दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन पर भी सभी की नजरें रहेंगी. उन्हें पहले दौर में चीन के वेंग होंग येंग से भिड़ना है. चीन के दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी वेंग ने लक्ष्य के खिलाफ पांच में से तीन मुकाबले जीते हैं और दो हफ्ते पहले मलेशिया ओपन में भी जीत दर्ज की थी.

हो सकती है पीबीएल की वापसी : बीएआई

नयी दिल्ली। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद पिछले तीन साल से बंद प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) को इस साल के अंत या 2025 की शुरुआत में फिर शुरू किया जा सकता है. भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के सचिव संजय मिश्रा ने यह खुलासा किया. मिश्रा ने कहा कि बीएआई कुछ आंतरिक मसलों को सुलझाने का प्रयास कर रहा है जो टूर्नामेंट की वापसी में आड़े आ रहे हैं. मिश्रा ने कहा कि बैडमिंटन लीग हमारे खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण है. 2020 में महामारी के बाद से इसका आयोजन नहीं हो पाया है. कुछ आंतरिक मसले भी हैं लेकिन उन्हें जल्द सुलझा लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि हमने आयोजकों से बात की है और उन्हें एक या दो महीने में संपर्क करने को कहा है. इसलिए मुझे उम्मीद है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत में हम प्रतियोगिता की मेजबानी कर पाएंगे. 'स्पोर्ट्जलाइव' द्वारा आयोजित पीबीएल देश की शीर्ष बैडमिंटन लीग में ये एक के रूप में उभरी थी.

पाकिस्तान हॉकी टीम ओलंपिक में क्वालीफाई करने में रही विफल

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ओमान में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में न्यूजीलैंड से 2-3 से हार कर पेरिस खेलों में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गयी.

अतीत में हॉकी की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल रहे पाकिस्तान की इस हार को देश के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने निराशाजनक करार दिया. इस ओलंपिक क्वालीफायर से शीर्ष तीन टीमों को ओलंपिक की टिकट मिली. टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जर्मनी से 0-4 से हारने के बाद, पाकिस्तान रविवार को तीसरे स्थान के मैच में न्यूजीलैंड से हार गया, जिससे इस साल के पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की उनकी संभावनाएं समाप्त हो गई. पाकिस्तान की टीम को पिछली बार 2012 में ओलंपिक में भाग लेने का मौका मिला था. टीम

हारा पाक
- सेमीफाइनल में पाकिस्तान जर्मनी से 0-4 से हार गयी
- पाकिस्तान फिर तीसरे स्थान के मैच में न्यूजीलैंड से हारी

तब सातवें स्थान पर रही थी. पाकिस्तान ने ओलंपिक में तीन स्वर्ण (1960, 1968, और 1984) सहित आठ पदक जीते हैं.

विश्व कप (1994) और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तान टीम का हिस्सा रहे ओलंपियन वसीम फिरोज ने कहा कि जब टीम को सिर्फ 18 दिनों के अभ्यास के साथ ओलंपिक क्वालीफायर भेजा जायेगा तो उससे आप क्या उम्मीद करते हैं. इस प्रतियोगिता में अन्य सभी टीमें महीनों की तैयारी और प्रशिक्षण के साथ पहुंची थी. पाकिस्तान में हॉकी का प्रबंधन पिछले कुछ समय से विवादों में रहा है. देश में हॉकी का संचालन करने वाली संस्था के पास खिलाड़ियों और कोच को भत्ता और वेतन देने के लिए पैसा नहीं है. वित्तीय संकट के कारण पीएचएफ (पाकिस्तान हॉकी महासंघ) को कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से हटना पड़ा. हॉकी के मैदान पर पाकिस्तान के चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के साथ पिछले साल पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का कर लिया. राष्ट्रीय चयनकर्ता फिरोज ने कहा कि देश को आंतरिक मुद्दों को सुलझाने तक अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेलना बंद कर देना चाहिये. उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को देने के लिए पैसे नहीं है और राष्ट्रीय महासंघ में जमीनी स्तर की प्रतियोगिताओं को लेकर भी राजनीति चरम पर होती है. बेइज्जत होने से अच्छा है कि अपनी आंतरिक चीजें सही करें.

भारत के सामने सीरिया को हराने की चुनौती

अल खोर (कतर)। भारतीय टीम एएफसी एशियाई कप फुटबॉल के ग्रुप चरण में शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने के बाद मंगलवार को जब यहां सीरिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखने के लिए उसे इस मैच को जीतना होगा. ऑस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान से 0-2 और 0-3 की हार का सामना करने वाली भारतीय टीम महाद्वीप की शीर्ष टीमों को टक्कर देने में नाकाम रही है. सीरिया के खिलाफ जीत सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम को कुछ प्रतिष्ठा दिला सकती है. सीरिया वर्तमान में फीफा रैंकिंग में भारत (102वें पायदान) से 11 स्थान ऊपर 91वें स्थान पर है. कोच इगोर स्टिमक की टीम के लिए हालांकि जीत असंभव नहीं है क्योंकि उन्होंने अतीत में (2007, 2009 और 2012 के नेहरू कप टूर्नामेंट में) सीरिया पर जीत हासिल की है. दोनों टीमों ने पिछली बार 2019 में इंटरकांटिनेंटल कप में एक-दूसरे का सामना किया था.

मुक्केबाजी

29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली में होगा मुक्केबाजी का पहला विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट

दीपक व निशांत मुक्केबाजी टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल

एजेंसी। नयी दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया और निशांत देव को भारत की नौ सदस्यीय मुक्केबाजी टीम में जगह मिली है जो 29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली के बुस्तो अरसिजियो में होने वाले पहले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे.

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन

लंबोरिया (60 किग्रा) को भी भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा सोमवार को घोषित भारतीय टीम में जगह मिली है. दीपक (51 किग्रा) ने बीएफआई की मूल्यांकन प्रक्रिया के

तहत 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल को पछाड़कर टीम में जगह बनाई. दीपक और निशांत (71 किग्रा) के अलावा 2022 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य

मिली जगह
- विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं दीपक
- एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं शिव थापा

पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) की टीम में वापसी हुई है. हसामुद्दीन घुटने की चोट के कारण पिछले साल अधिकतर समय बाहर रहे. युवा महिला विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), गत राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) को भी टीम में जगह दी गई है. समग्र मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद इन खिलाड़ियों का चयन किया गया है. बीएफआई महासचिव हेमंत कलिता ने कहा कि हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के प्रतिनिधित्व को अधिकतम करना है और इसे हासिल करने के लिए हमने पहले विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिए विस्तृत और सतर्क चयन प्रक्रिया अपनाई है.

मैक्सवेल के भर्ती होने की हो रही जांच

एजेंसी। मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जांच शुरू कर दी है, जिन्हें पिछले हफ्ते एडीलेड में देर रात पार्टी करने के बाद अस्पताल ले जाना पड़ा था. सूत्रों के अनुसार मैक्सवेल मदिरा पी रहे थे और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली की मौजूदगी वाले बैंड 'सिक्स एंड आउट' का कंसर्ट देख रहे थे जब उनकी तबीयत बिगड़ गई.

सीए ने कहा है कि उसे मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जानकारी है. इस ऑलराउंडर ने पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी. सीए ने

बयान में कहा है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को सप्ताहांत एडीलेड में ग्लेन मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जानकारी है और आगे की सूचना मांगी जा रही है. पिछले हफ्ते फाइनल में जगह बनाने में असफल होने के बाद बिग बैश लीग टीम मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी छोड़ने वाले मैक्सवेल को दो से छह फरवरी तक वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की 13 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है. सीए ने कहा कि यह उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह नहीं देने से संबंधित नहीं है. यह निर्णय बीबीएल के बाद और उनकी व्यक्तिगत प्रबंधन योजना के आधार पर लिया गया था. मैक्सवेल के टी20 श्रृंखला के लिए वापसी की उम्मीद है. इस समय कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी. मैक्सवेल को कुछ देर रुकने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है.

ब्रीफ खबरें

हत्या मामले में पति सहित 3 को उम्रकैद

शेखपुरा । पत्नी की निर्मम हत्या के आरोप में शेखपुरा में पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. जिला न्यायालय में जिला जज दिग्विजय कुमार ने आरोपी पति सहित तीन को उम्रकैद की सजा सुनाई है. सजा मिलने के बाद पति और अन्य लोग कोर्ट परिसर में ही फूट-फूटकर रोने लगे. तीनों आरोपी जिले के चेवड़ा के रहने वाले हैं. अदालत ने पिछले दिनों तीनों को दोषी पाते हुए जेल भेज दिया था. अब सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई.

हत्या कर शव को गड्ढा में डाला, निकाली हड्डी

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर में दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या कर शव जलाने और शव के बचे अवशेष को गड्ढा खोदकर दफनाने का मामला सामने आया है. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने गड्ढा खोदकर शव के अवशेष को निकाला. घटना मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र के गोसाई टोला गांव की है. बताया जाता है कि तीन महीने पहले ही शादी हुई थी. शादी में बाइक नहीं मिलने से नाराज पति और ससुरालियों ने नवविहाहिता की हत्या कर दी. उसके शव को जलाया और बचे हुए अवशेष को दफन कर दिया. नवविवाहिता जिसकी हत्या कर दी गयी थी उसका नाम रजनी कुमारी बताया जा रहा है.

ठंड से राहत के आसार नहीं, सर्दी करेगी परेशान

पटना । बिहार में सर्दी का सितम जारी है. हिमालय के पश्चिमी इलाके से आ रही सर्द पछुआ हवा के कारण बिहार में कनकनाती ठंड पड़ रही है. पटना और गया जैसे इलाके में भीषण शीत दिवस दर्ज किया गया. पछुआ हवा के प्रवाह के कारण न्यूनतम तापमान में भी गिरावट देखने को मिली है. मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक कोल्ड डे और भीषण कुहासे का अलर्ट जारी किया हुआ है. अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान 2-3 डिग्री तक और कम होगा और इससे ठिठुरन और अधिक बढ़ेगी. सोमवार को प्रदेश में पटना समेत दक्षिण बिहार के कई जिलों में बर्फीली हवा चली.

दरभंगा में एमबीए स्टूडेंट्स ने दीपोत्सव मनाकर किया रामलला का स्वागत

दरभंगा। अयोध्या में रामलाल प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दरभंगा जिले में भी जश्न का माहौल है. स्कूल से लेकर कॉलेज के छात्रों तक हर कोई भक्तिमय में डूबा हुआ है. इसी क्रम में ललित नारायण मिथिला विवि के एमबीए के छात्र-छात्राओं ने भी सोमवार को दीपोत्सव मनाया गया है. मिली जानकारी के अनुसार, छात्रों ने दरभंगा राज परिवार द्वारा स्थापित राम मंदिर में दीपों से सियाराम लिखकर दीपोत्सव मनाया है. इस दौरान सभी सियाराम के धुन पर जमकर झूमे. वहीं, छात्र-छात्राओं द्वारा आयोजित दीपोत्सव में ललित नारायण मिथिला विवि के कुलपति और संस्कृत विवि के कुलपतियों ने भी भाग लेकर सभी का हौसला बढ़ाया. वहीं, दीपोत्सव का नेतृत्व कर रही एमबीए छात्रा शिखा ने कहा कि अयोध्या में हमारे पाहून राम का प्राण प्रतिष्ठा हो गया है. वहीं, हमारी मां सीता का घर मिथिला है. इसीलिए हमलोग यहां पर भी दीपोत्सव माना रहे है.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

1. बिहार में कुल कितने प्रमंडल हैं? – 9 2. बिहार में कुल जनसंख्या का कितना भाग कार्यशील है? – एक-तिहाई 3. बिहार में खिलजी वंश के समय के कुछ सिक्के किस स्थान से मिले हैं? – शाहपुर (भोजपुर) 4. बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किस समाद के प्रयासों से हुई थी? – कुमारगुप्त प्रथम 5. बिहार में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन कहां हुआ था? – राजगृह 6. बिहार में बुद्ध की सबसे प्राचीनतम मूर्ति कहां से मिली है? – बोधगया 7. बिहार में भारत की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत निवास करता है? – 8.07 प्रतिशत 8. बिहार में मानसून का प्रवेश कब होता है? – 9-10 जून 9. बिहार में वर्तमान में 38 जिले हैं. 10. झारखंड राज्य बनने से पहले बिहार में कितने जिले थे? – 54 10. बिहार में सर्वप्रथम आनेवाला विदेशी यात्री कौन था? – मेगस्थनीज 11. बिहार में सर्वाधिक साक्षरता किसकी है? – नगरीय पुरुष 12. बिहार राज्य का सर्वाधिक ऊंचा स्थान कौनसा है? – कैमूर की पहाड़ी 13. बिहार राज्य की उत्तर से दक्षिण की अधिकतम लंबाई कितनी है? – 362 कि.मी.

जदयू प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार सिंह ने दिया इस्तीफा, बोले

रामजी के आदर्शों का अनुसरण करते हुए मैं इस्तीफा दे रहा हूं

संवाददाता । पटना

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले जनता दल यूनाइटेड में भगदड़ मच गई है. जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश प्रवक्ता और पटना के मशहूर नेत्र चिकित्सक डॉ सुनील कुमार सिंह ने भगवान श्री राम का नाम लेकर पार्टी से त्यागपत्र दे दिया. डॉ सुनील कुमार सिंह ने पार्टी की प्राथमिकता सदस्यता और प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है. इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दिया है. डॉ सुनील ने अपना इस्तीफा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया है.

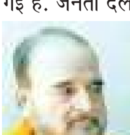

पार्टी से इस्तीफा देने से पहले सोशल मीडिया पर डॉ सुनील कुमार सिंह ने कहा कि आज पूरा भारतवर्ष राममय है. जय श्री राम के उद्घोष से, गीत-संगीत से सर्वत्र हर्षोल्लास है. उन्होंने कहा कि, जिनके नाम के जयकारे मात्र से हम भारतवासी स्वयं को धन्य अनुभव कर रहे हैं, मैं अकिंचन भी उन प्रभु श्री राम के समक्ष नतमस्तक हूं. आज के पावन दिन प्रभु श्री राम जी के आदर्शों का अनुसरण करते हुए प्रभु श्री राम जी के आदेश से मैं अपनी जनता दल यूनाइटेड की प्राथमिक सदस्यता एवं प्रवक्ता पद से त्यागपत्र को सार्वजनिक करता हूं.

उन्होंने अपने त्याग पत्र में लिखा है कि- मैं डॉक्टर सुनील कुमार सिंह अपने व्यक्तिगत कारण से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ प्रदेश प्रवक्ता के पद से इस्तीफा देता हूं. पार्टी के सर्वमान्य नेता मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार, बिहार प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह, पूर्व बिहार प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह (दादा) के मार्गदर्शन में काम करने का और बहुत कुछ सीखने का मौका मिला. कॉविड-19 जैसे विषम काल के समय चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते पार्टी के बैनर तले समाज सेवा करने का मौका मिला. टीकाकरण शिविर, जागरूकता अभियान, निःशुल्क टेली कंसल्टेशन, बेविनार, जागरूकता रथ सहित अनेकों काम किया, जिससे राज्य की जनता को लाभ मिला. पार्टी के बैनर तले इस पुनीत कार्य को हम कभी भूल नहीं सकते. पार्टी के सभी प्रवक्तागण, नेता और कार्यकर्ता का प्यार और साथ देने के लिए शुक्रिया. पार्टी के विभिन्न पदों पर रहकर काम किया, मेरे लिए सुखद अनुभव रहा.

सम्राट चौधरी ने कहा- राममय हो चुके सुनील सिंह

संवाददाता । पटना

बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रभु श्रीराम आ गए. आज हम सभी मिलकर पूरे भारतवर्ष के लोग स्वागत करते हैं कि श्रीराम फिर से अयोध्या की नगरी में राजा के रूप में स्थापित हो गए हैं. इसी दौरान पत्रकारों के सवाल पर कि सुनील

कुमार सिंह ने जदयू पर आरोप लगाया है कि वहां (जदयू में) सब गैंग हो चुका है. इस पर सम्राट चौधरी ने कहा कि जदयू के प्रवक्ता सुनील सिंह राममय हो चुके हैं. हम तो स्वागत करेंगे कि वो बीजेपी में आ जाएं. बता दें कि सुनील कुमार सिंह जदयू के प्रदेश प्रवक्ता थे. इस्तीफा देने का पत्र सोमवार को सामने आया है. हालांकि पत्र पर सात दिसंबर की ही तारीख है.

अयोध्या जा रहे भाजपा नेता की सड़क हादसे में मौत, चार अन्य घायल

पटना । राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने अयोध्या जा रहे औरंगाबाद के बीजेपी नेता उमेश सिंह उर्फ रामा सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गयी. वहीं चार लोग बुरी तरह से घायल हो गये. घायलों में कुटुंबा निवासी उमेश सिंह, संतोष सिंह, गोवास निवासी विजय साहू और उनके पुत्र शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र के गोवास विशुनपुर गांव निवासी उमेश सिंह अयोध्या जा रहे थे. तभी उत्तर प्रदेश के चंदौली से ऑटो पकड़कर वो पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन जा रहे थे. तभी उनकी ऑटो पलट गयी.

मंत्री तेजप्रताप यादव की सलाह

अंधभक्त राम को लाने से पहले अपने अंदर के रावण को निकालें

संवाददाता । पटना

अयोध्या के राम मंदिर में सोमवार को राम लला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह है. इसको लेकर विपक्षी दलों के नेता लगातार बीजेपी पर हमलावर हो रहे हैं. इसी क्रम में मंत्री तेजप्रताप यादव ने तंज कसते हुए लोगों से अपने अंदर के रावण को बाहर निकालने की अपील की. उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि राम तो सबके मन में हैं. अंधभक्त राम को लाने से पहले अपने अंदर के रावण को बाहर निकालें. क्योंकि राम के लोग कभी भेदभाव नहीं करते. सबसे पहले महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बंद होना चाहिए. साथ ही गरीबी और भूख जैसे रावण को कैसे खत्म करना है, इस पर विचार करना चाहिए. राम को लाना है तो अपने बुरे विचारों को बाहर निकालिये और देश को प्रेम सद्भाव व खुशहाली के रास्ते पर लेके चलिए. बता दें कि राजद के कोई भी नेता अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं.

जमीन विवाद में महिला की पीटकर हत्या

संवाददाता । दरभंगा

दरभंगा के हायाघाट थाना क्षेत्र के नैयाम गांव में जमीन विवाद में हुई मारपीट के दौरान महिला की हत्या कर दी गयी. जमीन विवाद में पाटीदारों ने महिला को पीट-पीटकर मार डाला. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृत महिला की पहचान सिकंदर महतो की पत्नी अनिता देवी (48) के रूप में हुई है.

मृतका के पुत्र ने नीतीश ने बताया कि उसके आंगन में पट्टीदार शिव कुमार महतो, रामबहादुर महतो एवं शांति देवी समेत पांच-छह लोग आए और मां के साथ मारपीट करते हुए जमीन का कागज मांगने लगे. देखते ही देखते सभी लोग बांस और पाइप से मां को मारने लगे. जब वह हमलावरों से मां को बचाने आया तो उन्होंने उसके साथ भी मारपीट करने लगे. मारपीट के दौरान दो लोग उसकी मां का गला भी दबा रहे थे. सभी उसे जान से मार देने की बात कहने लगे. उसकी मां जब बेहोश हो गयी तो उसने पुलिस को फोन किया. पुलिस भी फौरन घटनास्थल पर पहुंचकर उसकी मां को इलाज के लिए पीएचसी ले आयी लेकिन तबतक उसकी मौत हो चुकी थी.

मृतक महिला के पति दिल्ली में रहते हैं : घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर तहकीकात करते हुए मृत महिला के पुत्र से भी घटना की जानकारी ली. नीतीश के अनुसार, उसके पिता रोजगार के लिए दिल्ली में रहते हैं.

कारोबार

जिंदल स्टेनलेस ने तरुण को सीईओ नियुक्त किया

नयी दिल्ली । जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने पूर्णकालिक निदेशक तरुण खुल्बे को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पद पर पदोन्नत किया है. जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने शेयर बाजार को बताया कि इस संबंध में पिछले सप्ताह कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में निर्णय लिया गया था. कंपनी ने बताया कि निदेशक मंडल ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में तरुण खुल्बे की पदोन्नति को मंजूरी दे दी है.

लॉकटन ने भारतीय बाजार में किया प्रवेश

नयी दिल्ली । अमेरिका स्थित स्वतंत्र बीमा ब्रोकरेज कंपनी लॉकटन ने भारतीय बाजार में प्रवेश की सोमवार को घोषणा की. कंपनी ने एक बयान में कहा कि लॉकटन के भारत में प्रवेश के लिए नियामक की मंजूरी की आवश्यकता होगी. कंपनी भारत में जोखिम संबंधी परामर्श और प्रबंधन सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगी. लॉकटन के दुनियाभर में 135 कार्यालय हैं. बयान के अनुसार, संदीप दादिया को भारत का मुख्य कार्यकारी अधिकारी और लॉकटन एशिया नेतृत्व दल का सदस्य नियुक्त किया गया है.

60% हिस्सेदारी का करेगी अधिग्रहण

नयी दिल्ली । विकास लाइफ केयर लिमिटेड (वीएलएल) दुबई स्थित स्काई 2.0 क्लब में 7.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 650 करोड़ रुपये) में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी. वीएलएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि अधिग्रहण प्रक्रिया चालू वित्त वर्ष 2023-24 में पूरी की जाएगी. कंपनी ने कहा, यह अधिग्रहण विकास लाइफ केयर तथा होल्डिंग कंपनी ब्लू स्काई इवेंट हॉल एफजेड-एलएलसी (दुबई) के बीच शेयर अदला-बदली सौदा है. यह स्काई 2.0 क्लब व्यवसाय में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी और उद्यम से संबंधित व्यवसाय खंड में सभी भविष्य के व्यावसायिक उद्यम के अधिग्रहण के लिए किया गया है.

2021 में सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने जी के साथ की थी मर्जर डील साइन

मर्जर नहीं होने से हम निराश हैं : सोनी

भाषा । नयी दिल्ली

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज (जेडईईएल) के साथ जापान की सोनी ग्रुप कार्पोरेशन की डील रद्द हो गई है. हालांकि इस डील को लेकर काफी उम्मीदें की गईं थीं. 2021 में सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (अब कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट लिमिटेड) ने जी के साथ मर्जर डील साइन की थी. सोनी ग्रुप ने मर्जर प्रोसेस खत्म करने के लिए टर्मिनेशन लेटर भेज दिया है. स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में जी एंटरटेनमेंट ने बताया कि कल्वर मैक्स और बांग्ला एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने एग्रीमेंट को टर्मिनेट कर दिया और जी से शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण 90 मिलियन डालर यानी करीब 748 करोड़ रुपये की टर्मिनेशन फीस मांगी हैं.

फाइलिंग में जी ने सोनी के दावों को खारिज करते हुए ये भी बताया कि उसने लेटर के रिसीव होने के बाद बोर्ड मीटिंग की है. कंपनी का बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स सभी उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कर रहा है. जी ने कहा कि वह सोनी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेगी.सोनी ने कहा कि हम 21 जनवरी की समय सीमा तक मर्जर पर सहमत नहीं हो सके. 2 साल तक चले नेगोशिएशन के बाद मर्जर नहीं होने से हम बेहद निराश हैं. हम इस फास्ट ग्रोइंग मार्केट में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और दर्शकों को वर्ल्ड क्लास एंटरटेनमेंट देने के लिए कमिटेड हैं. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार 2021 में जब एग्रीमेंट साइन किया गया था, तब यह तय हुआ था कि पुनीत गोयनका मर्जर के बाद बनी इस नई कंपनी को लीड करेंगे. लेकिन बाद में नियामक जांच के कारण सोनी नहीं चाहता था कि वो गोयनका सीईओ बने. सूत्रों के अनुसार सोनी ग्रुप पुनीत गोयनका को मर्जर के बाद वजूद में आने वाली कंपनी का नेतृत्व करने देने के पक्ष में नहीं था.

डील रद्द

- सोनी एनपी सिंह को सीईओ बनाना चाहता था
- पुनीत गोयनका जी के फाउंडर सुभाष चंद्रा के बेटे हैं

सोनी ग्रुप का कहना था कि पुनीत गोयनका सेबी की जांच का सामना कर रहे हैं और उन पर कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं. वहीं, जी एंटरटेनमेंट इस बात पर जोर दे रहा था कि साल 2021 के मर्जर समझौते के अनुसार गोयनका नई इकाई का नेतृत्व करेंगे. बाजार नियामक सेबी द्वारा गोयनका को कोष दुरुपयोग मामले में किसी भी कंपनी में प्रबंधकीय पद संभालने से रोक दिए जाने के बाद सोनी ग्रुप ने सवाल उठाए थे. हालांकि गोयनका को इस मामले में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण से राहत मिल गई है लेकिन दोनों पक्ष किसी सहमति पर नहीं पहुंच पाए हैं.

बता दें कि पुनीत गोयनका जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा के बेटे और जी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं. सोनी अपने भारत के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ एनपी सिंह को नई कंपनी का सीईओ बनाने की वकालत कर रहा था. मर्जर की डेडलाइन से कुछ दिन पहले, गोयनका ने पद छोड़ने की पेशकश की थी, लेकिन डील को लीड करने वाले एनपी सिंह से असहमति जताई थी. तीन साल पहले जी ने जापान के सोनी कॉर्प की सहायक कंपनी सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ मर्जर की घोषणा की थी, लेकिन क्रेडिटर्स की आपत्तियों सहित अन्य कारणों से ये विलय पूरा नहीं पाया है. वहीं इस मर्जर से 10 बिलियन डॉलर (करीब 83 हजार करोड़ रुपये) की कंपनी बनती. 24% से ज्यादा व्यूअरशिप के साथ जी सोनी देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क होता. सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया लंबे समय से इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री में हैं.

कंपनी ने भारत में 1995 में अपना पहला टीवी चैनल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन लॉन्च किया था. कंपनी अपने बिजनेस को बहुत ज्यादा एक्सपेंड नहीं कर पा रही थी. वहीं जी ने अपना पहला चैनल जी टीवी 2 अक्टूबर 1992 को लॉन्च किया था. जी पर लंबे समय से एस्सेल ग्रुप का कंट्रोल था, लेकिन एस्सेल पर अपने खुद के 2.4 बिलियन डॉलर (करीब 20,000 करोड़ रुपये) के कर्ज का बोझ था.

रिलायंस अपने परिसर में स्थित मंदिरों में करेगी पूजा

एजेंसी । नयी दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर अपने कार्यालयों में छुट्टी, परिसर स्थित मंदिरों में विशेष पूजा, जियो संबद्ध संपत्तियों पर समारोह का सीधा प्रसारण और अपनी खुदरा दुकानों में सभी आगंतुकों को दीये बांटने की व्यवस्था की है. अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सामरोह सोमवार को आयोजित हुआ है.

मुकेश अंबानी परिवार के सदस्य इस कार्यक्रम व्यक्तिगत रूप से शामिल होने अयोध्या पहुंचे. रिलायंस भारत के पहले निजी संगठनों में से एक था जिसने चार लाख से अधिक कर्मचारियों को इस अवसर का जश्न मनाने के लिए छुट्टी की घोषणा की थी. सूत्रों ने बताया कि देश भर में रिलायंस परिसर के विभिन्न मंदिर सोमवार को विशेष पूजा के साथ इस अवसर का जश्न मनाएंगे.

इनमें मुंबई, जामनगर, दाहेज, नागोथाने, हजीरा, सिलवासा, हलोल, होशियारपुर, नागपुर, शहडोल, काकीनाडा और कई अन्य स्थानों पर स्थित रिलायंस सुविधाओं के मंदिर शामिल हैं. इसके अलावा रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल ने राम भक्तों तथा तीर्थयात्रियों के लिए कई विशेष सेवाएं शुरू की हैं. सूत्रों ने बताया कि समूह की दूरसंचार शाखा जियो ने अयोध्या में अपने टू4जी और स्टैंडअलोन 5जी नेटवर्क को 'अपग्रेड' किया है.

उन्नत व निर्बाध नेटवर्क के लिए शहर भर में अतिरिक्त टावर स्थापित किए हैं. उन्होंने बताया कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का दूरदर्शन के सहयोग से जियो टीवी, जियो टीवी और जियो न्यूज पर सीधा प्रसारण किया जाएगा. रिलायंस रिटेल पूरे अयोध्या में महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष रूप से स्थापित 'कियोस्क' किए हैं जिससे आगंतुक, तीर्थयात्री और अन्य यात्री पानी पी सकते हैं. मुख्य मार्ग पर भित्तिचित्र लगाए गए हैं.

होगा नुकसान | जीटीआरआई की एक रिपोर्ट में सोमवार को यह बात कही गई

सरकार बजट में आयात शुल्क में कटौती न करे

- वर्तमान में भारत में स्मार्टफोन के आयातित घटकों पर शुल्क 7.5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत के बीच है

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार को आगामी बजट में स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक घटकों पर आयात शुल्क में कटौती नहीं करनी चाहिए क्योंकि मौजूदा शुल्क संरचना अभी तक सफल साबित हुई है और उसे बदलने से स्थानीय विनिर्माण को नुकसान हो सकता है.

जीटीआरआई की एक रिपोर्ट में सोमवार को यह बात कही गई.

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, मौजूदा दरों को बनाए रखने से भारत के बढ़ते स्मार्टफोन बाजार में उद्योग की वृद्धि तथा दीर्घकालिक विकास को संतुलित करने में मदद मिलेगी. रिपोर्ट में कहा गया, वर्तमान में भारत में स्मार्टफोन के आयातित घटकों पर शुल्क 7.5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत के बीच है. बजट में इन करों को बरकरार रखा जाना चाहिए. बजट में स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले घटकों पर आयात शुल्क में कटौती नहीं की जानी चाहिए. वित्त मंत्री सीतारमण एक फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी.

जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्माण और निर्यात के लिए आवश्यक कच्चे माल या पूंजीगत सामान शुल्क-मुक्त आयात कर सकती हैं. ये एडवांस ऑथराइजेशन, एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स जैसी योजनाओं और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) या 100 प्रतिशत निर्यात उन्मुख इकाइयों में संचालन के जरिए मुमकिन हो पाया है. इसके अतिरिक्त कंपनियां स्थानीयकरण आवश्यकताओं के बिना शुल्क-मुक्त आयात के लिए सीमा शुल्क बांड योजना का इस्तेमाल कर सकती हैं.

जीटीआरआई ने रिपोर्ट में कहा, भारत का स्मार्टफोन उद्योग 2022 में 7.2 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023 में 13.9 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के साथ पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) योजना तहत सबसे बेहतर करने वाला क्षेत्र बन गया है. भारत में बेचे जाने वाले 98 प्रतिशत से अधिक स्मार्टफोन स्थानीय स्तर पर बनाए जाते हैं. रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के स्मार्टफोन विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और गहराई को बनाए रखने के लिए मौजूदा आयात शुल्क को बनाए रखना महत्वपूर्ण है.

अल्कली केमिकल्स ने परिचालन शुरू किया

एजेंसी । चेन्नई

तूतीकोरिन अल्कली केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ने तमिलनाडु स्थित अपने कारखाने में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है. इसे दिसंबर 2023 में विनाशकारी बारिश के बाद बंद कर दिया गया था. कंपनी सोडा ऐश और अमोनियम क्लोराइड उर्वरक का उत्पादन करती है.

दिसंबर 2023 में देश के दक्षिणी हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण तूतीकोरिन संयंत्र में काम बंद करना पड़ा था. कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को बताया, कारखाने में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है और 21 जनवरी, रविवार दोपहर से संयंत्र में परिचालन सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है. वर्ष 1981 में स्थापित तूतीकोरिन संयंत्र दक्षिण भारत में सोडा ऐश का उत्पादक करने वाली एक मात्र इकाई है. कंपनी पर्यावरण के अनुकूल दोहरी प्रक्रिया को अपनाते हुए कारखाने में अमोनियम क्लोराइड उर्वरक का सह-उत्पादन करती है.

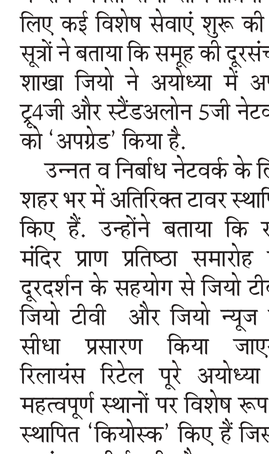

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के यादगार पल

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सोमवार को देश भर से गणमान्य लोग, अभिनेता, साधु-संत और आम लोग पहुंचे. सभी समारोह के दौरान भक्तिमय माहौल में रमे नजर आए. सभी ने कई बार जयकारे लगा. कई सेलिब्रेटी काफी भावुक भी नजर आए. फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

शाह ने दिल्ली के मंदिरों में देखा सीधा प्रसारण

नयी दिल्ली। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के मंदिरों में अयोध्या में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा और यहां आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया. भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के अन्य नेता झंडेवाला मंदिर में नड्डा के साथ मौजूद रहे.

दोनेत्स्क में हमले में 27 लोग मारे गए

कीव। रूस के कब्जे वाले शहर दोनेत्स्क के बाहरी इलाके में एक बाजार में रविवार को यूक्रेन की गोलाबारी में कम से कम 27 लोग मारे गए और 25 घायल हो गए. मॉस्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी. स्थानीय नेता डेनिस पुशिलिन ने बताया कि उपनगर टेकस्टिल्शचिक में घायल हुए लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं. कीव में यूक्रेनी अधिकारियों ने घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है व ना ही इन दावों को सत्यापित किया गया.

युन्नान प्रांत में भूस्खलन में 47 लोग दबे

बीजिंग। दक्षिण पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत में सोमवार को तड़के भूस्खलन में कम से कम 47 लोग दब गए. सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, यह हादसा बीजिंग के समयानुसार सुबह पांच बज कर 51 मिनट पर झाओतोंग शहर के लियांगशुई गांव में हुआ. दमकल के 33 वाहनों और 10 लोडिंग मशीन के साथ 200 से अधिक बचावकर्मियों को लापता लोगों की तलाश में लगाया गया है.

प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री ने अयोध्या में आए अतिथियों को किया संबोधित

यही समय है, सही समय है : मोदी

- 22 जनवरी 2024 एक नये कालचक्र का उद्‍गम : पीएम

भाषा। अयोध्या

अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' के उद्‍घोष के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 22 जनवरी 2024 का यह सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है और यह एक नए कालचक्र का उद्‍गम है. प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे. हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे. आज हमारे राम आ गए हैं. मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी. 22 जनवरी 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है और ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं बल्कि एक नए कालचक्र का उद्‍गम है. ये क्षण अलौकिक है, ये पल पवित्रतम है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मैं प्रभु श्री राम से क्षमा याचना भी करता हूं, हमारे पुरुषार्थ में कुछ तो कमी रह गई होगी, हमारी तपस्या में कुछ कमी रही होगी कि हम इतने सदियों तक मंदिर निर्माण नहीं कर पाए... आज वह कमी पूरी हुई.

प्रधानमंत्री ने कहा कि राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था और निर्माण कार्य देख देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था. आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है. आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है. पूरा देश दीवाली मना रहा है.

पीएम ने 'जटायु' की मूर्ति का अनावरण किया

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर परिसर में कुबेर टीला पहुंचकर शिव मंदिर में भगवान शिव की पूजा की और जटायु की मूर्ति का अनावरण किया. प्रधानमंत्री ने शिवलिंग का जलाभिषेक किया और मंदिर की परिक्रमा भी की. राम मंदिर का निर्माण करा रहे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा राम जन्मभूमि परिसर में कुबेर टीला पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर का भी जीर्णोद्धार कराया जा रहा है. बाद में प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के परिसर में 'जटायु''की एक मूर्ति का अनावरण किया. उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में शामिल श्रमिकों पर फूलों की वर्षा की.

रामलला के साथ भारत का स्व लौटकर आया है

अयोध्या (उप्र)। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कहा कि आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का 'स्व' भी लौटकर आया है. अयोध्या में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा- आज का आनंद शब्दों में वर्णनातीत है. आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का 'स्व' लौटकर आया है. संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत खड़ा होकर रहेगा.

देश का सबसे बड़ा पर्यटक केंद्र होगा अयोध्या

नयी दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्‍घाटन से शहर में प्रति वर्ष कम-से-कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना है. यह स्वर्ण मंदिर और तिरूपति मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं से कहीं अधिक है. ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने बताया है कि हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर खर्च करने से उत्तर प्रदेश का यह शहर एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो जाएगा. एक नए हवाई अड्डे, विस्तारित रेलवे स्टेशन, आवासीय योजनाओं और सड़क संपर्क के साथ नए होटलों के चलते यहां प्रति वर्ष पांच करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं.

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव का ऐतिहासिक अवसर : योगी

अयोध्या (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में 'श्री राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय गौरव का ऐतिहासिक अवसर और राम मंदिर को 'राष्ट्र मंदिर' बताते हुए कहा कि अवधपुरी में रामलला का विराजना रामराज्य की स्थापना की उद्‍घोषणा भी है. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा किए जाने के बाद उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा, श्री राम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है. यह राष्ट्र मंदिर है. निसंदेह श्री राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव का एक ऐतिहासिक अवसर है. निश्चिंत रहिए. प्रभु राम की कृपा से अब कोई अयोध्या की परिक्रमा में बाधा नहीं बन पाएगा.

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचे सितारे

नयी दिल्ली। अमिताभ बच्चन, चिरंजीवी व आलिया भट्ट-रणबीर कपूर और विक्की कौशल-कैटरीना कैफ सहित भारतीय सिनेमा के कई सितारे सोमवार को राम मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा संबंधी समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे .फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी, राजकुमार हिरानी, अभिनेता आयुष्मान खुराना, माधुरी दीक्षित नेने व उनके पति श्रीराम नेने और फिल्म निर्माता महावीर जैन भी इस भव्य कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग के दल के साथ मंदिर शहर अयोध्या पहुंचे. हेमा मालिनी, रजनीकांत, पवन कल्याण, शंकर महादेवन, मधुर भंडारकर, सुभाष घई, शेफाली शाह, विपुल शाह, रणदीप हुडा व उनकी पत्नी लिन लैशराम, आदिनाथ मंगेशकर, अनु मलिक और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंच गए थे. अमिताभ बच्चन सोमवार को अपने बेटे व अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ मुंबई से अयोध्या के लिए रवाना हुए. कार्यक्रम स्थल पर बच्चन परिवार ने भाजपा के सांसद रविशंकर प्रसाद तथा उद्योगपति अनिल अंबानी से भी मुलाकात की. अभिनेता चिरंजीवी के साथ उनकी पत्नी सुरेखा और बेटे व अभिनेता राम चरण भी थे. अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने वीडियो संदेश दिया.

श्रीश्री शंकर देव सत्र मंदिर जाने से रोका, तो धरने पर बैठे राहुल

एजेंसी। नगांव (असम)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम में विवादों में घिर गयी है. राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों द्वारा उन्हें असम के नगांव में श्री श्री शंकर देव सत्र मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दी गयी. ऐसे में राहुल गांधी बोर्दोवा थान पर गए तो उन्हें बाहर ही रोका गया. क्योंकि वहां कि प्रबंधन समिति का कहना है कि राहुल गांधी अपराह्न तीन बजे के बाद ही वहां जाए न कि अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान जाए. इस बीच राहुल धरने पर बैठ गए. राहुल गांधी ने असम के नगांव स्थित मंदिर में जाने से रोके जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों से पूछा कि 'क्या अब यह प्रधानमंत्री मोदी तय करेंगे कि मंदिर में कौन जाएगा. हम कोई समस्या पैदा नहीं करना चाहते.

ममता ने सर्वधर्म रैली निकाली

भाषा। कोलकाता

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी यहां मंदिर, मस्जिद, गिरिजाघर और गुरुद्वारा जैसे विभिन्न धर्मों के उपासना स्थलों पर गयीं व सर्वधर्म रैली की अगुवाई करते हुए धार्मिक सद्भाव के लिए सांकेतिक यात्रा की. विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेताओं और राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी के प्रमुख सदस्यों के साथ पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने यहां हाजरा मोड़ से 'संगति मार्च' शुरू किया. उनके साथ उनके भतीजे एवं पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी थे. रैली शुरू करने से पहले, ममता ने दक्षिण कोलकाता में ऐतिहासिक कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ अपने दिन की शुरुआत की. उसके बाद हाजरा मोड़ से सर्वधर्म सद्भाव रैली प्रारंभ हुई, जो पार्क सर्कस मैदान की ओर गयी.

कॅरियर-काउंसिलिंग

मार्केटिंग मैनेजर की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर। मार्केटिंग मैनेजर, कंपनी की बाजार रिसर्च टीम के साथ और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए एंप्लॉयड मैनेजर के साथ कंपनी की भविष्य की मार्केटिंग प्लानिंग के डिजाइन और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होता है. आदर्श रूप से इस नौकरी की भूमिका के लिए लंबे समय तक काम करने और मार्केटिंग के क्षेत्र में कई वर्षों के कार्य अनुभव की आवश्यकता होती है, लेकिन मार्केटिंग मैनेजरों की मांग अधिक होती है. बहुत से मार्केटिंग मैनेजर की नौकरियों में भी काम से संबंधित प्रश्नों के लिए यात्रा करने की आवश्यकता होती है.

मार्केटिंग मैनेजर के प्रकार

ब्रांड मैनेजर प्रोडक्ट मैनेजर अकाउंट मैनेजर, डिजिटल मार्केटर, इनबॉउंड मार्केटर, सोशल मीडिया मैनेजर, मार्केटिंग कॉपीराइटर, मीडिया प्लानर, पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर, इवेंट मैनेजर, ग्राफिक डिजाइनर, मार्केट रिसर्चर.

मार्केटिंग मैनेजर की पढ़ाई के बाद कार्य

- एक मार्केटिंग मैनेजर की भूमिका सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि बिजनेस वाइड ऑडियंस तक पहुंचने में सक्षम है. इसका मतलब है कि उन्हें इस्तेमाल किए गए चैनल पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है. वे व्यापक दर्शकों तक पहुंचने में मदद करने के लिए नए विचारों और तकनीकों को विकसित करने के लिए जिम्मेदार हैं.
- यह महत्वपूर्ण है कि ग्राहकों को दिए जाने वाले प्रोडक्ट्स या सेवाओं में किसी न किसी रूप में निरंतरता बनी रहे. एक मार्केटिंग मैनेजर की सबसे बड़ी भूमिकाओं में से एक यह सुनिश्चित करना है कि संगठन द्वारा पेश किया गया कोई भी नया उत्पाद या सेवा अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने में सक्षम होने के साथ-साथ अपने ग्राहकों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करे. मार्केटिंग मैनेजर को इन नए उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी अभियान रणनीति विकसित करने में भी सक्षम होना चाहिए.
- मार्केटिंग मैनेजर की प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक रणनीति विकसित करना है जो बिक्री बढ़ाने में मदद करेगी. इस व्यक्ति को नए अवसरों की पहचान करनी चाहिए और उनका लाभ उठाने के लिए प्रभावी रणनीतियों को लागू करने में सक्षम होना चाहिए.
- मार्केटिंग मैनेजर को ऐसे प्रोग्राम विकसित करने में सक्षम होना चाहिए जो लागत कम करके मुनाफा बढ़ाए. मार्केटिंग मैनेजर को विभिन्न मार्केटिंग रणनीतियों का एवोल्यूशन भी करना चाहिए और उन्हें चुनना चाहिए जो बजट को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद करें.
- मार्केटिंग मैनेजर की एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ग्राहकों और संभावित ग्राहकों की नजर में कंपनी के लिए सकारात्मक छवि बनाए रखना है. एक विश्वसनीय संगठन के रूप में कंपनी की बढ़ती प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए रणनीतिक योजनाओं को विकसित करके, यह पेशेवर मौजूदा और संभावित ग्राहकों, विक्रेताओं और अन्य हितधारकों के साथ स्थायी संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिए.
- जब जनसंपर्क के निर्माण की बात आती है, तो मार्केटिंग मैनेजर मीडिया पेशेवरों के साथ अच्छे संबंध बनाने का प्रभारी होता है जो कंपनी द्वारा पेश किए गए उत्पादों या सेवाओं का समर्थन कर सकते हैं. मीडिया पेशेवरों से निपटने के अलावा, कंपनी के लिए सकारात्मक छवि बनाने के लिए इस पेशेवर के लिए विभिन्न विभागों से निपटना भी महत्वपूर्ण है.
- मार्केटिंग मैनेजर अपने संगठन के ब्रांड वैल्यू के निर्माण के लिए एक प्रभावी रणनीति विकसित करने के लिए भी जिम्मेदार होते हैं. उद्देश्य ब्रांड जागरूकता का निर्माण करना होना चाहिए ताकि संभावित ग्राहक अपने उत्पादों या सेवाओं के बारे में जान सकें और वे जो खरीदना चाहते हैं, उसके बारे में सूचित विकल्प बना सकें.

जॉब अलर्ट

01. चंडीगढ़ शिक्षा विभाग ने जूनियर बेसिक टीचर जेबीटी टीचर के पदों पर भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया हैं

- चंडीगढ़ जेबीटी टीचर भर्ती 2024 डिटेल्स
- संस्था – चंडीगढ़ शिक्षा विभाग
- पद नाम – जूनियर बेसिक टीचर (जेबीटी)
- पद संख्या – 396
- नौकरी का स्थान – पंजाब/ हरियाणा
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की प्रारम्भ तिथि – 24 जनवरी 2024
- ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि – 19 फरवरी 2024
- ऑफिशियल साइट – chd.education.gov.in

02. न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने असिस्टेंट के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया हैं

- संस्था – न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
- पद – सहायक
- पद संख्या – 300
- नौकरी का स्थान – सम्पूर्ण भारत
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की प्रारम्भ तिथि – 1 फरवरी 2024
- ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि – 15 फरवरी 2024
- ऑफिसियल साईट – https://www.newindia.co.in/portal

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)